- पश्चिम एशिया में तनाव से शेयर बाजार में गिरावट सेंसेक्स 252 अंक फिसला-10

- जीडीपी वृद्धि दर को 6.5 प्रतिशत से नीचे ला सकता है पश्चिम एशिया संकट-10

- रूस ने युद्धविराम की घोषणा कर कीव पर किया हमला, पांच लोगों की मौत-11

- होर्मूज को जबरन खोलने के अमेरिकी प्रयास से फिर युद्ध भड़कने का खतरा-11

आज का मौसम

30.0° अधिकतम तापमान

21.0° न्यूनतम तापमान

सूर्योदय 05.29

सूर्यास्त 06.49

एक सम्पूर्ण दैनिक अखबार

अमृत विचार

बरेली

www.amritvichar.com

2 राज्य | 6 संस्करण

लखनऊ बरेली कानपुर मुरादाबाद अयोध्या हल्द्वानी

ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष चतुर्थी 07:51 उपरांत पंचमी विक्रम संवत 2083

बुधवार, 6 मई 2026, वर्ष 7, अंक 161, पृष्ठ 12+4 ■ मूल्य 6 रुपये

बर्फबारी में भी उत्साह बरकरार

केदारनाथ धाम में तीन दिन से बारिश और बर्फबारी जारी है। इसके बाद भी भक्तों के उत्साह में कोई कमी नहीं है। मंगलवार को 17 हजार से अधिक श्रद्धालुओं ने दर्शन किए।

ममता बोलीं- नहीं दूंगी इस्तीफा, चुनाव परिणाम जनादेश नहीं बल्कि साजिश

कोलकाता, एजेंसी

टीएमसी प्रमुख ने कहा- हम हारे नहीं हराया गया है

टीएमसी प्रमुख ममता बनर्जी ने मंगलवार को मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इनकार किया और आरोप लगाया कि पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव का परिणाम जनादेश नहीं बल्कि एक साजिश है। साथ ही उन्होंने सड़कों पर उतरकर लड़ाई लड़ने और विपक्षी 'इंडिया' गठबंधन को मजबूत करने का संकल्प लिया।

बनर्जी ने यह भी आरोप लगाया कि तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा के खिलाफ चुनाव नहीं लड़ा, बल्कि उसकी लड़ाई निर्वाचन आयोग से थी, जिसने भाजपा के लिए काम किया। भाजपा की प्रचंड जीत के एक दिन बाद बनर्जी ने यहां एक संवाददाता सम्मेलन में कहा, मेरे इस्तीफे का सवाल ही नहीं उठता, क्योंकि हमारी हार जनता के जनादेश से नहीं, बल्कि एक साजिश के तहत हुई है। मैं हारी नहीं हूं, मैं लोक भवन नहीं जाऊंगी। बनर्जी ने कहा, मुझे इस्तीफा क्यों देना चाहिए? हम हारे नहीं हैं। मतों की लूट हुई है। इस्तीफे का सवाल ही कहां उठता है? बनर्जी ने मतगणना प्रक्रिया में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाते हुए दावा किया कि लगभग 100 सीट पर जनादेश को लूट लिया गया और उनकी पार्टी का मनोबल गिराने के लिए जानबूझकर मतगणना धीमी की गई। मैंने अपने पूरे राजनीतिक जीवन में ऐसा चुनाव कभी नहीं देखा। इतिहास में एक काला अध्याय जुड़ गया है। मुख्य चुनाव आयुक्त खलनायक बन गए हैं।

भाजपा ने बंगाल में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए शाह को केंद्रीय पर्यवेक्षक किया नामित

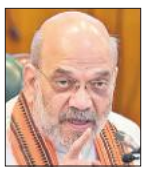

नई दिल्ली। भाजपा ने बंगाल में अपने विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए मंगलवार को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह को पार्टी का केंद्रीय पर्यवेक्षक नामित किया। पार्टी ने असम में विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए केंद्रीय मंत्री जेपी नड्डा को भी केंद्रीय पर्यवेक्षक नियुक्त किया। पार्टी द्वारा जारी अधिसूचना के अनुसार, हरियाणा के मुख्यमंत्री नायब सिंह सैनी को असम में भाजपा के विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए सह-पर्यवेक्षक बनाया गया है। अधिसूचना के अनुसार, ओडिशा के मुख्यमंत्री मोहन चरण माझी को पश्चिम बंगाल में भाजपा के विधायक दल के नेता के चुनाव के लिए सह-पर्यवेक्षक नियुक्त किया गया है।

इस्तीफा देने से मना करना संविधान का अपमान: भाजपा

नई दिल्ली। भाजपा ने ममता बनर्जी के इस्तीफा देने से इनकार करने को संवैधानिक अपमान करार दिया और उन पर शांतिपूर्ण तरीके से सत्ता हस्तांतरण की अवधारणा को कमजोर करने का आरोप लगाया। शहजाद पूनावाला ने आरोप लगाया कि बनर्जी हिंसा के माध्यम से संवैधानिक व्यवस्था को क्षतिग्रस्त करने का सुझाव दे रही हैं।

एक सीट और भाजपा के खाते में, कुल संख्या 207 हुई

कोलकाता। बंगाल में ऐतिहासिक जनादेश प्राप्त करने के एक दिन बाद मंगलवार को भाजपा की सीटों की संख्या बढ़कर 207 हो गई। 294 सदस्यीय विधानसभा में भाजपा की सीटों की यह संख्या राजारहाट-न्यू टाउन सीट पर वोटों की दोबारा गिनती होने के बाद पार्टी को मिली जीत के कारण हुई।

न्यूज ब्रीफ

आईएसआईएस से जुड़ी साजिश में डॉक्टर व दो अन्य पर आरोपपत्र

नई दिल्ली। एनआईए ने आईएसआईएस से जुड़ी साजिश के मामले में एक डॉक्टर समेत तीन लोगों के खिलाफ आरोपपत्र दाखिल किया है। उनके खिलाफ सार्वजनिक स्थानों पर जैविक जहर का इस्तेमाल करने संबंधी साजिश में शामिल होने का आरोप है। बयान में कहा गया है कि आरोपियों के खिलाफ गुजरात के अहमदाबाद स्थित एक विशेष एनआईए अदालत में आरोप पत्र दाखिल किया गया है। आरोपियों की पहचान हैदराबाद के डॉ. सैयद अहमद मोहिउद्दीन और उत्तर प्रदेश के सह-आरोपी आज़ाद तथा मोहम्मद सुहेल के रूप में हुई है।

अचल संपत्तियों के अधिग्रहण के लिए मसौदा नियम जारी

मुंबई। आरबीआई ने मसौदा दिशानिर्देश जारी करते हुए कहा कि बैंक और एनबीएफसी ऋण वसूली की प्रक्रिया में केवल अपवादस्वरूप ही अचल संपत्तियों का अधिग्रहण कर सकेंगी। इसके साथ ही केंद्रीय बैंक ने स्पष्ट किया कि विनियमित इकाइयों (आरई) से सामान्य परिस्थितियों में अपेक्षा नहीं की जाती कि वे अपनी नियमित ऋण गतिविधियों के बदले गैर-वित्तीय परिसंपत्तियों पर कब्जा करें।

पिछली सरकारों की गलती से गई शिक्षामित्रों की नौकरी : मुख्यमंत्री

गोरखपुर से सीएम योगी ने डेढ़ लाख शिक्षामित्रों-अनुदेशकों को बढ़ा हुआ मानदेय देने की शुरुआत की

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

अमृत विचार : मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि पिछली सरकारों ने बिना नियम-कानून के सहायक शिक्षक के रूप में मान्यता देने का कुत्सित प्रयास किया। जिसके चलते सुप्रीम कोर्ट को हस्तक्षेप करना पड़ा और सेवाएं समाप्त करनी पड़ीं। लेकिन, मेरी सरकार ने संवेदनशीलता के साथ निर्णय लेते हुए शिक्षामित्रों की सेवाएं समाप्त नहीं होने दीं, बल्कि उन्हें नई व्यवस्था के तहत जोड़कर अब पांच गुना से अधिक मानदेय दे रही है।

मुख्यमंत्री योगी मंगलवार को गोरखपुर में आयोजित राज्यस्तरीय शिक्षामित्र सम्मान समारोह में शिक्षामित्र और अनुदेशकों को 8 हजार बढ़े हुए मानदेय देने की शुरुआत करते हुए बोल रहे थे। योगी ने कहा कि सुप्रीम कोर्ट के निर्णय के बाद हमारे सामने बड़ी चुनौती थी। डेढ़ लाख परिवार सड़कों पर भूखों मरने की नौबत पर आ सकते थे। ये लोग 18-19 वर्षों से सेवाएं दे रहे थे। उम्र के इस पड़ाव में वे कहां जाते? तब हमने मंत्रिमंडल में फैसला किया कि इनकी सेवाएं समाप्त नहीं करेंगे, बल्कि इनका सहयोग लेंगे। योगी ने बताया कि वर्ष 2017 में शिक्षामित्रों का मानदेय 3,500 रुपये से बढ़ाकर 10,000 रुपये किया गया था, जिसे अब बढ़ाकर 18,000 रुपये प्रतिमाह कर दिया गया है। यह बढ़ा हुआ मानदेय अप्रैल 2026 से प्रभावी हो चुका है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पिछले नौ वर्षों में प्रदेश की शिक्षा व्यवस्था में व्यापक सुधार हुआ है। 'ऑपरेशन कायाकल्प' के तहत विद्यालयों में मूलभूत सुविधाएं 30-36 प्रतिशत से बढ़कर 96-99 प्रतिशत तक पहुंच गई हैं। ड्रॉपआउट दर 19 प्रतिशत से घटकर 3 प्रतिशत रह गई है।

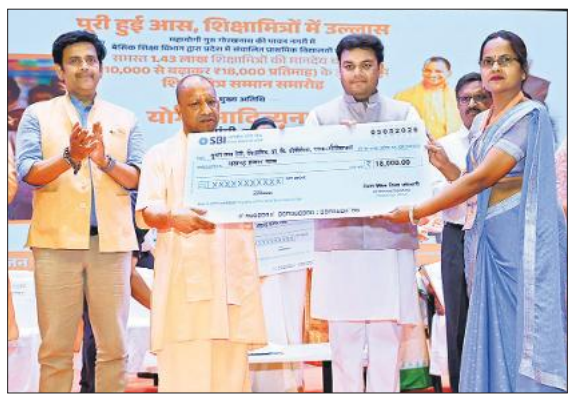

समारोह में महिला शिक्षामित्र को प्रतीकात्मक चेक देते मुख्यमंत्री योगी।

- योगी बोले- पिछली सरकारों ने बिना नियम-कानून के सहायक शिक्षक के रूप में मान्यता देने का किया कुत्सित प्रयास

योगी ने कहा- संवाद और सहयोग से निकला समाधान

मुख्यमंत्री ने शिक्षामित्रों से सकारात्मक दृष्टिकोण अपनाने का आह्वान करते हुए कहा कि केवल मांगों और विरोध की राजनीति से शिक्षा व्यवस्था मजबूत नहीं हो सकती। पहले देश, फिर हम के मंत्र के साथ काम करने पर ही बेहतर पीढ़ी तैयार होगी। उन्होंने कहा कि सरकार ने टकराव नहीं, बल्कि संवाद और सहयोग के माध्यम से समाधान निकाला है।

शिक्षा मित्रों को कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा

योगी ने शिक्षामित्रों को बड़ी राहत देते हुए उन्हें 5 लाख रुपये तक की वार्षिक कैशलेस स्वास्थ्य सुविधा से जोड़ने की घोषणा की। कहा कि पात्रों को यह सुविधा सुनिश्चित की जाएगी। साथ ही, उनके बैंक खाते खुलवाकर मानदेय सीधे खाते में भेजने की व्यवस्था की जा रही है। शिक्षामित्रों को उनके जिले या निकटतम विद्यालय में तैनाती देने और महिला शिक्षामित्रों को परिस्थितियों के अनुसार म्यूचुअल ट्रांसफर सुविधा भी मिलेगी।

केंद्र की कई योजनाओं को झंडी, शीर्ष कोर्ट में 34 की जगह 38 जज होंगे

नई दिल्ली, एजेंसी

- सरकार ने गन्ने का लाभकारी मूल्य 10 रुपये बढ़ाकर 365 रुपये प्रति क्विंटल किया

पांच राज्यों के चुनावी नतीजे आने के ठीक एक दिन बाद मंगलवार को प्रधानमंत्री मोदी की अध्यक्षता में हुई केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में ताबड़तोड़ फैसले लिए गए। इस दौरान केंद्र सरकार ने कई हजार करोड़ की कई योजनाओं को हरी झंडी दी। बैठक में उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश समेत न्यायाधीशों की संख्या को वर्तमान 34 से बढ़ाकर 38 करने के प्रस्ताव को मंगलवार को मंजूरी दे दी।

इसके अलावा एमएसएमई और एविएशन सेक्टर के लिए 18,100 करोड़ रुपये की इमरजेंसी क्रेडिट लाइन गारंटी स्कीम शुरू की है। गन्ना किसानों के हितों को ध्यान में रखते हुए आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति ने चीनी सीजन 2026-27 (अक्टूबर - सितंबर) के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 10 रुपये बढ़ाकर 365 रुपये प्रति क्विंटल मंजूर किया है। वहीं, भारत के कपास क्षेत्र में आने वाली बाधाओं, घटती ग्रोथ और क्वालिटी संबंधी चिंताओं को दूर करने के लिए कपास उत्पादकता मिशन (2026-27 से 2030-31) के लिए 5659.22 करोड़ रुपये की मंजूरी दी है।

केंद्रीय मंत्री अश्विनी वैष्णव ने कहा कि वर्तमान में उच्चतम न्यायालय में 33 न्यायाधीश और प्रधान न्यायाधीश हैं। इस संख्या को चार और बढ़ाने के लिए संसद के अगले सत्र में एक विधेयक लाया जाएगा। संसद द्वारा विधेयक पारित होने के बाद, उच्चतम न्यायालय में प्रधान न्यायाधीश सहित न्यायाधीशों की संख्या 38 हो जाएगी। इससे पहले उच्चतम न्यायालय (न्यायाधीशों की संख्या) संशोधन अधिनियम, 2019 पारित होने के साथ शीर्ष अदालत में न्यायाधीशों की संख्या आखिरी बार 30 से बढ़ाकर 33 (प्रधान न्यायाधीश को छोड़कर) की गई थी।

एमएसएमई, विमानन कंपनियों के लिए आपातकालीन ऋण गारंटी योजना

सरकार ने मंगलवार को एमएसएमई, एयरलाइन और अन्य कंपनियों की कार्यशील पूंजी संबंधी जरूरतों को पूरा करने में मदद के लिए 18,100 करोड़ रुपये के व्यय वाली आपातकालीन ऋण गारंटी योजना (ईसीएलजीएस) की घोषणा की। पश्चिम एशिया संघर्ष से उत्पन्न चुनौतियों के बीच यह कदम उठाया गया है। केंद्रीय मंत्रिमंडल ने इस योजना को मंजूरी दी। इससे 2.55 लाख करोड़ रुपये का अतिरिक्त ऋण प्रवाह उपलब्ध होने की उम्मीद है। वैष्णव ने कहा कि यह योजना इन क्षेत्रों को बैंक और वित्तीय संस्थानों से अतिरिक्त कार्यशील पूंजी उपलब्ध कराने में मदद करेगी।

अधिकारियों को गृह जिले में नहीं मिलेगी तैनाती

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- मुख्य सचिव ने नई तबादला नीति को लेकर जारी किया शासनादेश
- तीन साल जिला व सात साल मंडल की सीमा से बढ़ेगी पारदर्शिता

अमृत विचार : मुख्य सचिव ने एसपी गोयल ने मंगलवार को नई तबादला नीति 2026-27 लागू करने का शासनादेश जारी करते हुए स्पष्ट किया है कि समूह 'क' और 'ख' के अधिकारियों को उनके गृह जिले में तैनाती नहीं दी जाएगी। साथ ही, मंडल स्तर के पदों पर कार्यरत अधिकारियों को उनके गृह मंडल में भी तैनाती से वंचित रखा जाएगा। तीन साल जिला और सात साल मंडल में सेवा पूरी कर चुके अधिकारियों का स्थानांतरण अनिवार्य होगा।

सरकार का मानना है कि इस व्यवस्था से स्थानीय प्रभाव, दबाव और पक्षपात की संभावनाएं कम होंगी तथा प्रशासनिक निर्णय अधिक निष्पक्ष और पारदर्शी बनेंगे। यह प्रावधान लंबे समय से एक ही क्षेत्र में जमे अधिकारियों की कार्यप्रणाली पर भी प्रभाव डालेगा और सिस्टम में जवाबदेही बढ़ाएगा। इस प्रक्रिया में सबसे अधिक समय से तैनात अधिकारियों के तबादले को प्राथमिकता दी जाएगी। शासनादेश में तबादलों में मनमानी पर रोक लगाने के लिए स्पष्ट प्रतिशत सीमा तय की है। समूह 'क' और 'ख' के अधिकतम 20 प्रतिशत तथा समूह 'ग' और 'घ' के 10 प्रतिशत तक ही तबादले किए जा सकेंगे। इससे अधिक तबादलों के लिए उच्च स्तर की अनुमति आवश्यक होगी। इसके साथ ही, पूरी प्रक्रिया को मेरिट आधारित और ऑनलाइन बनाने पर जोर दिया गया है। मानव संपदा पोर्टल के माध्यम से ही तबादला आदेश, कार्यमुक्ति और कार्यभार ग्रहण की प्रक्रिया पूरी की जाएगी, जिससे पारदर्शिता सुनिश्चित होगी। 31 मई 2026 तक सभी तबादले पूर्ण करने का लक्ष्य रखा गया है।

आदेश न माने तो कार्रवाई

- तय समय में कार्यभार न छोड़ना अनुशासनहीनता माना जाएगा
- वेतन रोकने और विभागीय कार्रवाई का प्रावधान
- सिफारिश या दबाव डालने पर भी कड़ी कार्रवाई की चेतावनी

सख्ती के साथ राहत भी, नीति में संतुलन

नई तबादला नीति में जहां एक ओर सख्ती बढ़ाई गई है, वहीं मानवीय पहलुओं का भी ध्यान रखा गया है। दिव्यांग कर्मचारियों और उनके आश्रितों को सामान्य तबादलों से छूट दी गई है। पति-पत्नी दोनों सरकारी सेवा में होने पर उन्हें एक ही स्थान पर तैनाती देने को प्राथमिकता दी जाएगी। साथ ही, आकांक्षी जिलों में सभी पदों को भरने के निर्देश दिए गए हैं और वहां तैनात कर्मचारियों को न्यूनतम दो वर्ष बाद ही स्थानांतरण का विकल्प मिलेगा।

इंडिगो विमान में पावर बैंक फटा

चंडीगढ़, एजेंसी

- चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर हुआ बड़ा हादसा, तीन घायल आपातकालीन निकासी कराई

चंडीगढ़ हवाई अड्डे पर इंडिगो की उड़ान में एक यात्री का पावर बैंक फट गया। जिसके बाद यात्रियों की आपातकालीन निकासी कराई गई। हादमें में तीन यात्री घायल हो गए हैं। एक यात्री ने मीडिया को बताया कि आग लगने के कारण विमान का केबिन धुएं से भर गया था।

विमानन कंपनी के अनुसार, हैदराबाद से चंडीगढ़ पहुंची इंडिगो की उड़ान संख्या 6ई108 जब हवाई अड्डे पर खड़ी थी, तब एक यात्री के निजी इलेक्ट्रॉनिक डिवाइस में आग लगने की घटना सामने आई। विमानन कंपनी के एक प्रवक्ता ने कहा, सुरक्षा के मद्देनजर तुरंत निकासी कराई गई और संबंधित सभी अधिकारियों को फौरन सूचित किया गया। सभी यात्रियों को सुरक्षित रूप से टर्मिनल तक पहुंचा दिया गया है और टीम उनकी देखभाल कर रही है। उन्होंने कहा, विमान के दोबारा संचालन शुरू करने से पहले आवश्यक जांच की जाएगी।

बंगाल में भाजपा और टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या

कोलकाता, एजेंसी

जगत बल्लभपुर में टीएमसी कार्यालय में लगी आग।

- न्यू टाउन इलाके में विजय जुलूस के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं ने भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल को उतारा मौत के घाट
- बीरभूम के नानूर में भाजपा कार्यकर्ताओं ने टीएमसी कार्यकर्ता अबीर शेख की धारदार हथियार से किया था हमला

पश्चिम बंगाल में चुनाव के बाद हुई हिंसा की अलग-अलग घटनाओं में मंगलवार को भाजपा और तृणमूल कांग्रेस के एक-एक कार्यकर्ता की मौत हो गई। पुलिस के मुताबिक, न्यू टाउन इलाके में विजय जुलूस के दौरान टीएमसी कार्यकर्ताओं द्वारा पिटाई किए जाने के बाद भाजपा कार्यकर्ता मधु मंडल की मौत हो गई।

इससे पहले बीरभूम के नानूर में भाजपा कार्यकर्ताओं द्वारा टीएमसी कार्यकर्ता अबीर शेख की धारदार हथियार से हमला कर हत्या कर दी गई थी। पुलिस के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि न्यू टाउन में, टीएमसी कार्यकर्ताओं ने बहस के बाद मंडल की पिटाई की, जब उसी समय भल्लीगुड़ी क्षेत्र में भाजपा का विजय जुलूस निकाला जा रहा था। उन्हें अस्पताल ले जाया गया जहां उन्हें मृत घोषित कर दिया गया। इसके बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने इलाके में टीएमसी कार्यकर्ताओं के घरों पर हमला किया। अधिकारी ने बताया कि स्थिति सामान्य करने के लिए केंद्रीय बलों को तैनात करना पड़ा। इससे पहले नानूर इलाके में एक झड़प में शेख की बेरहमी से हत्या कर दी गई। टीएमसी के नानूर अंचल समिति के सदस्य अबीर शेख की नानूर जिले के संतोषपुर गांव में 'दूसरे गुट' से हुई बहस के दौरान हत्या कर दी गई।

सुप्रीम सुनवाई — नौ जजों की संविधान पीठ ने सबरीमाला मामले से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई के दौरान की टिप्पणी

जनहित याचिका का हो रहा दुरुपयोग, यह 'पैसा हित याचिका' बन गई है

नई दिल्ली, एजेंसी

- महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को चुनौती देने वाली 'इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन' की 2006 की जनहित याचिका के उद्देश्य पर सवाल उठाया

न्यायालय ने इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन से पूछा- क्या आप देश के मुख्य पुजारी हैं

सुप्रीम कोर्ट ने महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को चुनौती देने वाली इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन की 2006 की जनहित याचिका पर तीखी टिप्पणी करते हुए कहा क्या आप देश के मुख्य पुजारी हैं? सुप्रीम कोर्ट ने टिप्पणी की कि जनहित याचिका कानून की प्रक्रिया का दुरुपयोग थी और एसोसिएशन को इस तरह की जनहित याचिकाएं दायर करने के बजाय बार और अपने युवा सदस्यों के कल्याण के लिए काम करना चाहिए।

जनहित याचिकाओं के दुरुपयोग पर टिप्पणी करते हुए सुप्रीम कोर्ट ने मंगलवार को कहा कि जनहित याचिका (पीआईएल) अब निजी (प्राइवेट) हित याचिका, प्रचार (पब्लिसिटी) हित याचिका, पैसा हित याचिका और राजनीतिक (पॉलिटिकल) हित याचिका बन गई है। यह टिप्पणी नौ न्यायाधीशों की संविधान पीठ ने उस वक्त की जब वे केरल के सबरीमाला मंदिर सहित धार्मिक स्थलों पर महिलाओं के साथ होने वाले भेदभाव और विभिन्न धर्मों में धार्मिक स्वतंत्रता के दायरे से संबंधित याचिकाओं की सुनवाई कर रहे थे।

शीर्ष अदालत ने केरल के सबरीमाला मंदिर में 10 से 50 वर्ष की महिलाओं के प्रवेश पर प्रतिबंध को चुनौती देने वाली ''इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन'' की 2006 की जनहित याचिका के उद्देश्य पर सवाल उठाया। ''इंडियन यंग लॉयर्स एसोसिएशन'' का प्रतिनिधित्व कर रहे अधिवक्ता रवि प्रकाश गुप्ता ने दलील दी कि जनहित याचिका जून 2006 में प्रकाशित चार समाचार पत्रों के लेखों पर आधारित थी। इस पर प्रधान न्यायाधीश ने टिप्पणी की कि जनहित याचिका को सीधे खारिज कर देना चाहिए था। पीठ ने कहा, यह लेख जनहित याचिका दायर करने का आधार कैसे देता है? जनहित याचिकाएं दायर करवाने के लिए लेख लिखवाना आसान है। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने कहा, हम उच्च न्यायालयों और सुप्रीम कोर्ट में आम जनता के लिए जनहित याचिकाओं पर सुनवाई करते रहे हैं, न कि अखबारों में छपे लेखों के लिए। उन्होंने कहा, जनहित याचिका अब निजी हित याचिका, प्रचार हित याचिका, पैसा हित याचिका और राजनीतिक हित याचिका बन गई है। इन सभी को जनहित याचिका कहा जाता है, लेकिन हम केवल वास्तविक और प्रामाणिक जनहित याचिकाओं पर ही सुनवाई करते हैं।

उन्होंने यह भी बताया कि सीजेआई को हर दिन सैकड़ों पत्र प्राप्त होते हैं। उन्होंने सवाल किया कि तो क्या इन सभी पत्रों को जनहित याचिकाओं में बदला जा सकता है। सितंबर 2018 में पांच जजों की संविधान पीठ ने चार अनुपात एक के बहुमत से फैसला सुनाते हुए अयप्पा मंदिर में 10 से 50 वर्ष की आयु की महिलाओं के प्रवेश पर लगे प्रतिबंध को हटा दिया था।

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 6 मई 2026

न्यूज ब्रीफ

दो अधिकारी रिश्वत लेते गिरफ्तार

लखनऊ, अमृत विचार : भ्रष्टाचार निवारण संगठन द्वारा मंगलवार को अलग-अलग स्थानों से दो अधिकारियों को रिश्वत लेते गिरफ्तार किया गया है। पहला मामला सहारनपुर से, जबकि दूसरा मामला लखीमपुर खीरी से जुड़ा हुआ है। सहारनपुर पवन बिहार नियर जैन डिग्री कॉलेज निवासी विनय कुमार छाबड़ा के नवनिर्मित मकान का सील हटाने के एवज में रिश्वत की मांग सहारनपुर विकास प्राधिकरण के अवर अभियंता आशीष सक्सेना द्वारा की गई थी। इस दौरान निरीक्षक मुकेंद्र कुमार के नेतृत्व में टीम ने ट्रैप करना शुरू किया। निरीक्षक ने अवर अभियंता द्वारा 20 हजार रुपए रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया गया। उधर, लखनऊ इकाई द्वारा की गई कार्रवाई में इन्दल सिंह निवासी चन्दौख, बिजनौर से स्थानान्तरण के एवज में रिश्वत मांगी गई थी। निरीक्षक अरूणेश कुमार गुप्ता के नेतृत्व में की गई कार्रवाई के दौरान कनिष्ठ सहायक प्रभागीय वन अधिकारी उत्तर खीरी विक्रान्त सिंह नेगी को 12 हजार रूपये रिश्वत लेते हुए गिरफ्तार किया गया है।

प्रीपेड सिस्टम खत्म होना आंदोलन की जीत

लखनऊ, अमृत विचार : आम आदमी पार्टी ने उत्तर प्रदेश में प्रीपेड स्मार्ट मीटर व्यवस्था समाप्त किए जाने के फैसले को अपनी प्रदेशव्यापी जनआंदोलन की जीत बताया है। पार्टी के वरिष्ठ नेता व राज्यसभा सांसद संजय सिंह ने कहा कि यह 25 करोड़ जनता के संघर्ष का परिणाम है, जिसने सरकार को बैकफुट पर आने के लिए मजबूर किया। संजय ने कहा कि प्रीपेड स्मार्ट मीटर "स्मार्ट चीटर" बनकर आम लोगों को आर्थिक नुकसान पहुंचा रहे थे। उन्होंने आरोप लगाया कि जहां पहले 1500 रुपये का बिजली बिल आता था, वहीं स्मार्ट मीटर लगने के बाद यह 6000-7000 रुपये तक पहुंच गया। साथ ही रिचार्ज के बावजूद घंटों बिजली आपूर्ति बाधित रहने की शिकायतें भी सामने आईं। उन्होंने बताया कि पार्टी ने 28 अप्रैल से इस मुद्दे पर चरणबद्ध आंदोलन शुरू किया था, जिसके तहत 3 मई को प्रदेशभर में प्रदर्शन किए गए। कई जगहों पर कार्यकर्ताओं पर कार्रवाई के बावजूद विरोध जारी रहा।

आयुष्मान योजना में बागपत नंबर वन

लखनऊ, अमृत विचार : आयुष्मान भारत प्रधानमंत्री जन आरोग्य योजना के प्रभाव से प्रदेश में स्वास्थ्य सुरक्षा का दायरा तेजी से बढ़ा है। बागपत जिले ने इस दिशा में उल्लेखनीय उपलब्धि हासिल करते हुए प्रदेश में पहला स्थान प्राप्त किया है, जहां लक्ष्य के सापेक्ष 94 प्रतिशत से अधिक परिवारों को योजना से जोड़ा जा चुका है।जिलाधिकारी अस्मिता लाल के अनुसार, आयुष्मान कार्ड अब लोगों के लिए सुरक्षा और उम्मीद का प्रतीक बन चुका है। इसके तहत पात्र परिवारों को प्रतिवर्ष 5 लाख रुपये तक का कैशलेस इलाज सरकारी और निजी अस्पतालों में उपलब्ध हो रहा है। बागपत में अब तक 123 करोड़ रुपये से अधिक का क्लेम दर्ज किया जा चुका है, जो योजना के प्रभावी क्रियान्वयन को दर्शाता है। इससे पहले जहां लोग इलाज के लिए कर्ज लेने को मजबूर होते थे, वहीं अब उन्हें बड़ी राहत मिली है। योजना का लाभ आम लोगों के जीवन में बदलाव ला रहा है।

नियामक आयोग ने पावर कॉरपोरेशन से 24 घंटे में मांगा जवाब

लखनऊ, अमृत विचार : उत्तर प्रदेश में स्मार्ट प्रीपेड मीटर पर राज्य विद्युत उपभोक्ता परिषद की याचिका पर विद्युत नियामक आयोग ने पावर कॉरपोरेशन से 16 अप्रैल को विस्तृत रिपोर्ट मांगी थी, लेकिन कोई जवाब नहीं दिया गया। इसे लापरवाही मानते हुए यूपीपीसीएल के चेयरमैन और एमडी को 24 घंटे में जवाब देने के निर्देश के साथ दंडात्मक कार्रवाई की चेतावनी दी गई है। परिषद ने कहा कि यह स्थिति साफ करती है कि पावर कॉरपोरेशन पारदर्शिता से बच रहा है और उपभोक्ताओं के हितों की अनदेखी कर रहा है। परिषद का आरोप है कि नए बिजली कनेक्शन केवल प्रीपेड मोड में दिए जा रहे हैं और मौजूदा पोस्टपेड कनेक्शन उपभोक्ताओं की सहमति के बिना प्रीपेड में बदल दिए जा रहे हैं, जो नियमों के खिलाफ है। आयोग की ओर से जारी कॉस्ट डेटा बुक के अनुरूप कार्यवाही भी नहीं हो रही। प्रदेश में हाल ही में मुख्यमंत्री के निर्देश पर यूपीपीसीएल ने 75 लाख से अधिक प्रीपेड कनेक्शनों को पोस्टपेड में बदलने का ऐलान किया था। पावर कॉरपोरेशन ने इस संबंध में प्रेस नोट जारी किया, लेकिन अब तक कोई लिखित आदेश नहीं दिखा।

पुलिस की गाड़ी दुर्घटनाग्रस्त, चार पुलिसकर्मियों सहित पांच की मौत

अपहृत की बरामदगी के लिए उरई से हरियाणा जा रही थी पुलिस टीम

संवाददाता, उरई (जालौन)

अमृत विचार: अपहृत युवक की बरामदगी के लिए हरियाणा जा रही पुलिस टीम की कार दुर्घटनाग्रस्त हो गई। इस हादसे में चार पुलिस कर्मियों और मुकदमे के वादी की मौत हो गई। इस हादसे की जानकारी जैसे ही जिला मुख्यालय पहुंची पुलिस प्रशासन में हड़कंप मच गया।

नगर के पटेल नगर निवासी अमरीक सिंह ने सोमवार को कोतवाली पुलिस को तहरीर देकर बताया था कि उनके भाई बिजेंद्र सिंह का फार्म हाउस से चार लोगों ने सुबह छह बजे सोते समय अपहरण कर लिया और कार से ले गए। अपहर्ता दोनों के मोबाइल फोन भी ले गए। उस वक्त वह भी नलकूप की कोठी पर सो रहे थे। बिजेंद्र सिंह की बरामदगी के लिए पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर विशेष टीम का गठन किया गया था। इस टीम में मंडी चौकी इंचार्ज मोहित यादव, उप निरीक्षक सत्यभान, सर्विलांस सिपाही प्रदीप कुमार, आरक्षी अशोक कुमार शामिल थे।

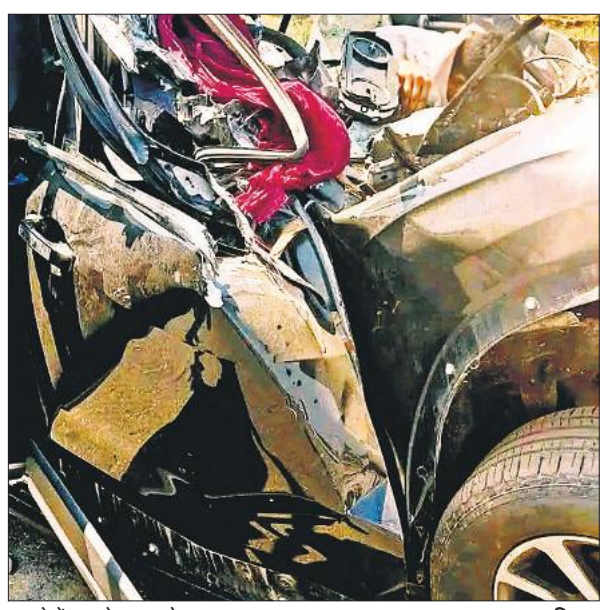

हादसे में कार के परखच्चे उड़ गए। ● अमृत विचार

● रास्ते में ओवरटेक करते समय हुआ भीषण हादसा

टीम के साथ वादी अमरीक सिंह भी जा रहे थे। बताते हैं कि रास्ते में ओवरटेक करते समय कार अचानक अनियंत्रित हो गई और दूसरे वाहन से जोरदार टक्कर हो गई। तेज रफ्तार के कारण टक्कर इतनी भीषण थी कि स्कॉर्पियो कार के परखच्चे उड़ गए और उसका अगला हिस्सा पूरी तरह क्षतिग्रस्त हो गया। इस हादसे में कार सवार सभी पांच लोगों की मौके पर ही मौत हो गई।

पुलिस अधीक्षक विनय कुमार सिंह ने बताया कि उरई कोतवाली में पंजीकृत अभियोग संख्या 256/26 में अपहृत की बरामदगी के लिए टीम रवाना हुई थी। मंगलवार की सुबह लगभग 10 बजे हुए इस हादसे में चार पुलिस कर्मियों और वादी की मौत हो गई है। उन्होंने बताया कि हरियाणा के नूंह जिले के पुलिस अधिकारियों से संपर्क स्थापित कर आगे की वैधानिक कार्रवाई की जा रही है। मृतकों के परिजनों को सूचना दे दी गई है।

फांसी पर लटकते पाये गये चचेरे भाई-बहन के शव, खुदकुशी की आशंका

हरदोई,एजेंसी: जिले के शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र में मंगलवार की सुबह एक युवक और नाबालिग लड़की के शव एक पेड़ पर फांसी के फंदे से लटकते पाये गये। ग्रामीणों के मुताबिक दोनों चचेरे भाई—बहन थे और उनके बीच प्रेम संबंध थे। पुलिस सूत्रों ने यहां बताया कि शाहाबाद कोतवाली क्षेत्र के बबुरही गांव में रवि कुशवाहा (25) नामक युवक और उसकी 16 वर्षीय चचेरी बहन के शव गन्ने के खेत में पेड़ पर लगे फांसी के फंदे से लटकते पाये गये।

सूत्रों के मुताबिक, सूचना मिलने पर मौके पर पहुंची पुलिस ने शवों को पोस्टमार्टम के लिये भेजा है। मौके पर पहुंचे पुलिस अधीक्षक अशोक कुमार मीणा ने बताया कि प्रथम दृष्टया यह आत्महत्या का मामला प्रतीत हो रहा है, हालांकि सभी पहलुओं को ध्यान में रखते हुए जांच की जा रही है। उन्होंने कहा कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और फोरेंसिक जांच के आधार पर आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रॉपर्टी डीलर की आत्महत्या मामले में बहू समेत पांच के खिलाफ मुकदमा दर्ज

नोएडा,एजेंसी

● बहू ने भाई के साथ मिलकर डीलर को धमकाया था

नोएडा में एक प्रॉपर्टी डीलर की कथित आत्महत्या के मामले में पुलिस ने उसकी बहू समेत पांच लोगों के खिलाफ मामला दर्ज किया है। एक अधिकारी ने मंगलवार को बताया कि प्रॉपर्टी डीलर की पत्नी गीता की शिकायत के आधार पर यह मामला दर्ज किया गया है। पुलिस के अनुसार, शनिवार को अरुण विहार निवासी फूल सिंह यादव ने सेक्टर-26 स्थित जयपुरिया प्लाजा में अपने कार्यालय में फंदा लगाकर आत्महत्या कर ली थी।

सेक्टर-20 थाना प्रभारी अरविंद कुमार ने बताया कि शिकायत में आरोप लगाया गया है कि फूल सिंह की बहू रूबी ने अपने परिजनों के साथ मिलकर उन्हें ब्लैकमेल कर रुपये ऐंठे। शिकायत के अनुसार, रूबी ने अपने भाई शुभम यादव के साथ मिलकर कई बार में करीब 15 लाख रुपये वसूले तथा 30 लाख रुपये की और मांग करने लगी। इसमें यह भी आरोप लगाया गया है कि जब फूल सिंह ने रकम देने से इनकार किया तो रूबी ने थाना सेक्टर-39 में उनके खिलाफ छेड़छाड़ का मुकदमा दर्ज करा दिया।

कुमार ने बताया कि शिकायत के आधार पर बहू रूबी, उसके भाई शुभम, नीरज, भाभी श्रीजी और पिता ओमवीर के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता की धारा 108 (आत्महत्या के लिए उकसाना) के तहत मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी गई है। इस बीच पुलिस ने बताया कि रूबी ने छेड़छाड़ के मामले कुछ ऑडियो साक्ष्य भी पुलिस को सौंपे हैं और इस संबंध में उसने अदालत में भी बयान दर्ज कराया है। थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस सभी पहलुओं को ध्यान में रखकर मामले की जांच कर रही है।

हाईकोर्ट ने अधीनस्थ अदालत का 42 साल पुराना फैसला पलटा

लखनऊ, एजेंसी

● मामले में जीवित बचे दो हत्यारोपियों को ठहराया दोषी

इलाहाबाद उच्च न्यायालय की लखनऊ पीठ ने 1984 में हुई हत्या के एक मामले में दो लोगों को बरी करने के अधीनस्थ अदालत के 42 साल पुराने फैसले को पलटते हुए उन्हें दोषी ठहराया है। न्यायमूर्ति रजनीश कुमार और न्यायमूर्ति बबिता रानी की पीठ ने राज्य सरकार की अपील स्वीकार करते सोमवार को आरोपियों को गैर-इरादतन हत्या का दोषी ठहराया। पीठ ने निर्देश दिया कि इस मामले में जीवित बचे दोनों दोषियों को हिरासत में लिया जाए और सजा की अवधि पर सुनवाई के लिए 11 मई को अदालत के सामने पेश किया जाए। इस मामले में चार आरोपी थे जिन्हें 1986 में अधीनस्थ अदालत ने आत्मरक्षा के आधार पर बरी कर दिया था। हालांकि, अपील पर सुनवाई के दौरान दो आरोपियों की मौत हो गई, जिसके बाद बाकी बचे दो आरोपियों को उच्च न्यायालय ने दोषी करार दिया है। उन्नाव के माखी क्षेत्र में 15 जून 1984 को जमुना प्रसाद अपने घर की छत पर नाली का निर्माण करा रहे थे, तभी आरोपियों तुलसी राम, लक्ष्मी नारायण, जगत पाल और हरनाम ने इस पर आपत्ति जताई। आरोप है कि विवाद बढ़ने पर आरोपियों ने जमुना प्रसाद और उनके भाई अमृत लाल पर लाठियों व भालों से हमला कर दिया। इस घटना में गंभीर रूप से घायल जमुना प्रसाद की अस्पताल ले जाते समय रास्ते में ही मौत हो गई थी।

अधीनस्थ अदालत ने आरोपियों को यह कहते हुए बरी कर दिया था कि उन्होंने आत्मरक्षा में यह कदम उठाया था। मारपीट में उन्हें भी चोटें आई थीं जिनके बारे में अभियोजन पक्ष स्थिति स्पष्ट नहीं कर पाया है। आदेश के अनुसार, उच्च न्यायालय ने इस तर्क को खारिज करते हुए कहा कि पानी की निकासी जैसे मामूली विवाद पर किसी व्यक्ति की जान लेना आत्मरक्षा के तौर पर सही नहीं ठहराया जा सकता।

आर्थिक तंगी से परेशान शिक्षक ने की खुदकुशी

बलिया,एजेंसी: जिले के उभांव क्षेत्र में कथित रूप से आर्थिक तंगी के चलते अपनी बहन की शादी नहीं कर पाने से परेशान एक कोचिंग संस्थान के शिक्षक ने फांसी लगाकर खुशी कर ली। पुलिस सूत्रों ने मंगलवार को बताया कि बिल्थरा रोड कस्बे के बिठुआ मोड़ मोहल्ला निवासी और कस्बे में ही एक कोचिंग सेंटर में शिक्षक मनीष शर्मा (25) ने कोचिंग संस्थान में ही सोमवार की शाम फांसी लगा ली।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। रसड़ा क्षेत्र के पुलिस उपाधीक्षक आलोक गुप्ता ने बताया कि आर्थिक तंगी से परेशान मनीष अपनी बहन की शादी करना चाहता था।

लेटे हुए हनुमान जी

ज्येष्ठ माह के प्रथम मंगलवार (बड़ा मंगल) को प्रयागराज में भक्तगण बड़े हनुमान मंदिर में लेटे हुए हनुमान जी की पूजा-अर्चना करते हुए। ● एजेंसी

जबरन वसूली में तीन किन्नर गिरफ्तार

लखनऊ। पुलिस ने मंगलवार को किन्नरों के एक गिरोह का भंडाफोड़ किया जो बाजारों और आवासीय इलाकों में महिलाओं को डरा-धमकाकर पैसे और कीमती सामान ऐंठने में शामिल था। अधिकारियों ने यह जानकारी दी। पुलिस तीन आरोपियों अजय रावत उर्फ रानी (23), आकाश गुप्ता (24), और रफीक अहमद (44) को गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस से मुठभेड़ के बाद 25 हजार का इनामी बदमाश गिरफ्तार

सहारनपुर,एजेंसी: जिले के देहात कोतवाली क्षेत्र में पुलिस से मुठभेड़ के बाद 25 हजार रुपये का इनामी अपराधी घायल अवस्था में गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस क्षेत्राधिकारी मनोज कुमार ने मंगलवार को बताया कि चार और पांच मई की दरमियानी रात देहात कोतवाली क्षेत्र में पुलिस के दल देवला सरकडी खुमार रोड पर वाहनों का निरीक्षण कर रहे थे, और उन्होंने एक मोटरसाइकिल सवार को शक के आधार पर रुकने का इशारा किया लेकिन रुकने के बजाय उसने भागने की कोशिश की। तेज रफ्तार होने की वजह से मोटरसाइकिल आगे जाकर फिसल गयी और पुलिसकर्मियों को पास आता देखकर, उस पर सवार व्यक्ति ने उन पर गोली चलायी। जवाबी कार्रवाई में पैर पर गोली लगने से वह जख्मी हो गया।

शारीरिक शोषण के आरोप में कैबिनेट मंत्री का गनर गिरफ्तार

वाराणसी,एजेंसी

● युवती ने कहा- गनर ने शादी का झांसा देकर शोषण किया

वाराणसी पुलिस ने शादी का झांसा देकर एक महिला का चार साल तक शारीरिक शोषण करने और गर्भपात कराने के आरोप में उत्तर प्रदेश सरकार के कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर के गनर को सोमवार को गिरफ्तार कर लिया। सारनाथ थानाध्यक्ष पंकज कुमार त्रिपाठी ने बताया कि थाना क्षेत्र की निवासी एक युवती ने मिर्जापुर के रहने वाले सिपाही और प्रदेश के पंचायती राज एवं अल्पसंख्यक कल्याण मंत्री ओमप्रकाश राजभर के गनर प्रशांत राय पर शादी का झांसा देकर शारीरिक शोषण और गर्भपात कराये जाने का आरोप लगाया है।

त्रिपाठी के अनुसार, युवती ने तहरीर में कहा है कि सारनाथ के बेनीपुर में किराए पर रहने वाले राय से उसके पिछले चार साल से प्रेम संबंध थे और इसी दौरान उसने शादी का झांसा देकर उससे शारीरिक संबंध बनाए। त्रिपाठी के मुताबिक, युवती का कहना है कि वह दो साल पहले राय के साथ रहने लगी और इस दौरान वह दो बार गर्भवती भी हुई लेकिन दोनों बार सिपाही ने उसका गर्भपात करा दिया।

थानाध्यक्ष ने बताया कि युवती का आरोप है कि इसी बीच प्रशांत ने अप्रैल माह में गुपचुप तरीके से किसी अन्य महिला से शादी कर ली। त्रिपाठी ने बताया कि आरोपी सिपाही प्रशांत राय गाजीपुर में तैनात है और दो साल से कैबिनेट मंत्री ओम प्रकाश राजभर की सुरक्षा ड्यूटी पर है। उन्होंने बताया कि राय के खिलाफ मुकदमा दर्ज कर उसे गिरफ्तार कर लिया गया है।

फिरोजाबाद में पर्यटन विकास के लिए 24 परियोजनाएं स्वीकृत

राज्य ब्यूरो लखनऊ

अमृत विचार: फिरोजाबाद जनपद में पर्यटन के विकास के लिए सरकार ने खजाना खोला है। जनपद की विधानसभा क्षेत्रों में स्थित धार्मिक, ऐतिहासिक एवं पौराणिक स्थलों के विकास के 24 परियोजनाएं स्वीकृत की गई है। इन परियोजनाओं को क्रियान्वित करने के लिए 3391 लाख रुपए की धनराशि जारी की जा रही है।

पर्यटन एवं संस्कृति मंत्री जयवीर सिंह ने बताया कि टुंडला के गोगा जी काली मंदिर पिपरौली के के लिए 70 लाख रुपये, फिरोजाबाद पसीने वाले हनुमान जी मंदिर के लिए 65 लाख रुपये, शिकोहाबाद के नगला केवल स्थित श्री ब्रहमदेव शिव जी तथा बजरंगबली मंदिर के लिए 120 लाख रुपये, शिकोहाबाद के आबगंगा मंदिर के विकास के लिए 35 लाख रुपये टुण्डला ग्रामगढ़ी हंसराम ब्लाक नारखी में स्थित शिवमंदिर के लिए 60 लाख रुपयेकी स्वीकृत किए गए हैं।

समितियों को सशक्त किए बिना लोकतंत्र अधूरा: महाना

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/जयपुर

● विधानसभा समितियां जनहित और जवाबदेही की मजबूत कड़ी

● जयपुर में पीठासीन अधिकारियों की बैठक में रखे महत्वपूर्ण सुझाव

अमृत विचार: उत्तर प्रदेश विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना ने कहा कि लोकतंत्र को प्रभावी और जवाबदेह बनाने में समिति प्रणाली की निर्णायक भूमिका होती है। उन्होंने जोर देकर कहा कि समितियों को सशक्त किए बिना लोकतांत्रिक व्यवस्था अधूरी रह जाती है।

जयपुर स्थित कॉन्स्टिट्यूशन क्लब में आयोजित पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक में मंगलवार को महाना ने कहा कि विधानसभा समितियां मिनी सदन के रूप में कार्य करती हैं, जहां विषयों पर विस्तृत और गहन चर्चा संभव होती है।

इससे निर्णय अधिक व्यावहारिक और जनहितकारी बनते हैं। उन्होंने कहा कि सरकार द्वारा किए गए वायदों को धरातल पर उतारने और अधिकारियों की जवाबदेही तय करने में समितियां अहम भूमिका निभाती हैं। यदि उनकी सिफारिशों पर समयबद्ध और गंभीरता से अमल किया जाए, तो शासन व्यवस्था में व्यापक सुधार संभव है। महाना ने सुझाव दिया कि महत्वपूर्ण विधेयकों को अनिवार्य रूप से समितियों के पास भेजा जाना चाहिए, ताकि उनकी सूक्ष्म समीक्षा हो सके। उन्होंने समिति प्रणाली को और अधिक प्रभावी बनाने के लिए विशेषज्ञों की भागीदारी, आधुनिक तकनीक के उपयोग, नियमित प्रशिक्षण और पारदर्शिता बढ़ाने पर भी जोर दिया। इस उच्चस्तरीय बैठक की अध्यक्षता नरेंद्र सिंह तोमर ने की, जबकि वसुदेव देवनानी ने अतिथियों का स्वागत किया। बैठक में समिति प्रणाली की प्रभावशीलता बढ़ाने और संसदीय प्रक्रियाओं को अधिक पारदर्शी बनाने पर विस्तृत चर्चा हुई।

पीठासीन अधिकारियों की समिति की बैठक में विधानसभा अध्यक्ष सतीश महाना व अन्य।

खेती-बाड़ी | गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर ने किसानों को बताए बचाव के उपाय

गन्ने की फसल को चूसक कीटों से खतरा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में बढ़ते तापमान के बीच गन्ने की फसल पर चूसक कीटों का खतरा बढ़ गया है। इसे देखते हुए गन्ना विकास एवं चीनी उद्योग विभाग ने किसानों के लिए एडवाइजरी जारी की है।

अपर गन्ना आयुक्त वीके शुक्ला के अनुसार वर्तमान मौसम में गन्ने की पौध और पेड़ी फसल में चूसक कीटों का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है, जिससे उत्पादन पर असर पड़ सकता है। गन्ना शोध परिषद शाहजहांपुर ने किसानों को कीटों की पहचान, उनके प्रभाव और नियंत्रण के उपायों की विस्तृत जानकारी साझा की है, ताकि समय रहते फसल को नुकसान से बचाया जा सके।

इन कीटों से सबसे ज्यादा खतरा

- गन्ना शोध परिषद के अनुसार इस समय मुख्य रूप से तीन प्रकार के कीट काला चिकटा (ब्लैक बग), थ्रिप्स और सैनिक कीट सक्रिय हैं। काला चिकटा (ब्लैक बग) काले रंग का चूसक कीट होता है, जो पत्तियों का रस चूसकर उन्हें पीला और धब्बेदार बना देता है। इससे गन्ने की बढ़वार रुक जाती है।

थ्रिप्स कीट यह बेहद छोटे आकार का होता है, जो पत्तियों के अंदर अंडे देकर रस चूसता है। इससे पत्तियां सफेद या पीली पड़ जाती हैं और उनका आकार विकृत हो जाता है। सैनिक कीट पत्तियों को कुतरकर खाता है और विशेष रूप से पेड़ी फसल में अधिक नुकसान पहुंचाता है।

बचाव के प्रमुख उपाय

- खेत की नियमित सिंचाई करें, ताकि नमी बनी रहे
- खरपतवार और सूखी पत्तियों को खेत से हटाएं
- संतुलित उर्वरकों का उपयोग करें
- सुबह या शाम के समय कीटनाशक का छिड़काव करें
- प्रोफेनोफॉस 40% साइपरमेन्थिन 4% (750 मि.ली./हेक्टेयर)
- या इमिडाक्लोप्रिड 17.8% (200 मि.ली./हेक्टेयर) का 625 लीटर पानी में घोल बनाकर छिड़काव करें

प्रदेश में अब 1 जनवरी से 31 दिसंबर माना जाएगा चयन वर्ष

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

● कैबिनेट की मंजूरी के बाद नई नियमावली का शासनादेश

● 1 जनवरी 2027 से प्रभावी होगा भर्ती प्रक्रिया में बदलाव

अमृत विचार: प्रदेश सरकार ने भर्ती प्रक्रिया में महत्वपूर्ण बदलाव करते हुए चयन वर्ष की परिभाषा बदल दी है। अब चयन वर्ष 1 जनवरी से 31 दिसंबर तक माना जाएगा, जबकि पहले यह 1 जुलाई से 30 जून तक निर्धारित था। सोमवार को कैबिनेट की बैठक में इस प्रस्ताव को मंजूरी मिलने के बाद नियुक्ति एवं कार्मिक विभाग ने मंगलवार को नई नियमावली जारी कर दी। प्रमुख सचिव एम देवराज द्वारा जारी "उत्तर प्रदेश लोक सेवा (भर्ती का वर्ष परिभाषा का प्रतिस्थापन) नियमावली-2026" के अनुसार नया चयन वर्ष 1 जनवरी 2027 से लागू होगा। नई व्यवस्था लागू होने से पहले 1 जुलाई 2026 से 31 दिसंबर 2026 तक की अवधि को संक्रमण काल माना जाएगा। इस दौरान पुरानी नियमावली ही प्रभावी रहेगी। इस बदलाव से भर्ती कैलेंडर को वित्तीय और शैक्षणिक सत्र के साथ बेहतर तालमेल मिलने की उम्मीद है। साथ ही चयन प्रक्रिया में स्पष्टता और समयबद्धता भी बढ़ेगी।

चल रही भर्तियों पर नहीं पड़ेगा असर

- सरकार ने स्पष्ट किया है कि नई नियमावली का असर पहले से जारी भर्ती प्रक्रियाओं पर नहीं पड़ेगा। जिन पदों के लिए चयन हो चुका है, वे यथावत रहेंगे। जिन भर्तियों की प्रक्रिया जारी है, वे पुराने नियमों के तहत पूरी होंगी। जिन पदों के लिए विज्ञापन जारी हो चुका है, वे उसी के अनुसार संचालित होंगे।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

न्यूज ब्रीफ

1.50 करोड़ के हाथी दांत के साथ दो तस्कर गिरफ्तार

शक्तिफार्म,अमृत विचार : एसटीएफ ने वन्यजीव तस्करी के खिलाफ बड़ी सफलता हासिल करते हुए दो शातिर तस्करों को दबोचा है। टीम ने उधमसिंह नगर जिले के सितारगंज क्षेत्र स्थित बराकोली रेंज, कल्याणपुर में देर रात कार्रवाई की। मामले में आरोपी मरतुन्जय हलदार (32 वर्ष) और माणिक मंडल (35 वर्ष), दोनों निवासी शक्तिफार्म, थाना सितारगंज को गिरफ्तार किया गया है। एसटीएफ को सूचना मिली थी कि क्षेत्र में हाथी दांत सहित वन्यजीव अंगों की तस्करी हो रही है। सूचना के आधार पर कुमाऊं यूनिट ने वन विभाग के साथ संयुक्त अभियान चलाया और चेकिंग के दौरान दो संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी लेने पर उनके पास से लगभग 7 किलो 820 ग्राम वजनी हाथी दांत बरामद हुआ, जिसकी कीमत 1.5 करोड़ बताई जा रही है।

भारतीय ज्ञान-विज्ञान व संस्कृति का वैश्विक केंद्र बनेगा उत्तराखंड

देहरादून,अमृत विचार : मुख्यमंत्री पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि उत्तराखंड केवल आस्था और अध्यात्म की भूमि नहीं, बल्कि ऋषियों, ज्ञान और वैज्ञानिक चिंतन की भी भूमि रही है। ऋषिकुल, हरिद्वार में इस संस्थान को नई पहचान देना राज्य सरकार की प्राथमिकता है। मुख्यमंत्री मंगलवार को सचिवालय में उच्च स्तरीय बैठक कर ऋषिकुल, हरिद्वार में मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान के समग्र विकास और विस्तार की योजनाओं की समीक्षा की। सीएम धामी ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि श्री मदन मोहन मालवीय प्राच्य शोध संस्थान का कार्य जल्द शुरू किया जाए। कुंभ शुरू होने से पहले यह कार्य पूरा किया जाए। पर्यटन विभाग इसमें नोडल विभाग के रूप में कार्य करेगा। मुख्यमंत्री ने बैठक में अधिकारियों को निर्देश दिए कि संस्थान में वैदिक गणित, वेदों में निहित विज्ञान, उपनिषदों का दर्शन, भारतीय तर्कशास्त्र, पर्यावरण विज्ञान तथा जीवन मूल्यों पर आधारित शोध और अध्ययन की आधुनिक व्यवस्था विकसित की जाए।

बनभूलपुरा हिंसा के दो मुख्य आरोपियों की जमानत रद्द

देहरादून,अमृत विचार : सुप्रीम कोर्ट ने हल्द्वानी के बनभूलपुरा दंगों से संबंधित दो मुख्य आरोपियों जावेद सिद्दीकी, अरशद अयूब को हाईकोर्ट द्वारा दी गई डिफॉल्ट जमानत के आदेश को निरस्त कर दिया। कोर्ट ने आरोपियों को दो सप्ताह के भीतर ट्रायल कोर्ट के समक्ष आत्मसमर्पण करने का निर्देश दिया है। यदि वे ऐसा नहीं करते हैं तो ट्रायल कोर्ट को उन्हें हिरासत में लेने के लिए सख्त कदम उठाने के निर्देश दिए गए हैं। राज्य सरकार ने नैनीताल हाईकोर्ट की खंडपीठ द्वारा दो मुख्य आरोपियों जावेद सिद्दीकी और अरशद अयूब को दी गई डिफॉल्ट जमानत को चुनौती दी थी। हल्द्वानी के बनभूलपुरा दंगों से संबंधित इस केस की सुनवाई में सोमवार को सुप्रीम कोर्ट ने माना कि आरोपियों ने अपने आचरण के कारण डिफॉल्ट जमानत मांगने का अधिकार खो दिया था और हाईकोर्ट द्वारा दी गई डिफॉल्ट जमानत के आदेश को निरस्त कर दिया।

प्लॉट बेचने के नाम पर 27 लाख ठगे

काशीपुर,अमृत विचार : एक फर्म के प्रापर्टी डीलरों ने एक सेवानिवृत्त रेल अधिकारी और मुरादाबाद की एक महिला से प्लॉट बेचने के नाम पर करीब 27 लाख रुपये की धोखाधड़ी कर दी। पुलिस ने दोनों मामलों में रिपोर्ट दर्ज कर मामले की जांच शुरु कर दी है। मुरादाबाद निवासी ज्योति भास्कर ने थाना कुंडा में तहरीर देकर बताया कि उन्होंने यूके कॉलोनाइजर्स के प्रोपराइटर एहसान अली, शाकिर अली, निजामुद्दीन और बिचौलिए विनय गब्याल के माध्यम से ग्राम शाहगंज, जसपुर में एक कॉर्नर का प्लॉट 15 लाख रुपये में तय किया था। आरोप है कि पूरी रकम 15 लाख रुपये अदा करने और दाखिल-खारिज हो जाने के बाद जब पीड़िता ने मौके पर जाकर लेखपाल से पैमाइश कराई, तो पता चला कि जो जमीन उन्हें बेची गई, वह वास्तव में सरकारी चकरोड है। उधर, मुरादाबाद निवासी उत्तर रेलवे से सेवानिवृत्त मंडल कार्मिक अधिकारी रामकैलाश ने तहरीर देकर बताया कि उन्होंने साल 2017 में अपनी सेवानिवृत्ति के बाद मिली रकम से इसी ग्रुप के संचालकों से जमीन खरीदी थी। पीड़ित से रजिस्ट्री और अन्य खर्चों के नाम पर कुल 12 लाख रुपये ले लिए गए, लेकिन आठ साल बीतने के बाद भी न कब्जा मिला और न ही विकास कार्य हुआ।

विकास कार्यों का संरक्षण करना नागरिकों की भी जिम्मेदारी

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- टू-लेन ब्रिज के लोकार्पण समारोह में योगी ने याद दिलाई जिम्मेदारी
- तारामंडल क्षेत्र में 14.33 करोड़ की लागत से बनाया गया है ब्रिज

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि तेजी से आगे बढ़ते देश और प्रदेश के साथ गोरखपुर भी विकास की नई ऊंचाइयों को छू रहा है। उन्होंने नागरिकों से आह्वान किया कि विकास कार्यों का संरक्षण करना भी उनकी जिम्मेदारी है, ताकि इनका लाभ लंबे समय तक मिलता रहे।

मुख्यमंत्री ने मंगलवार को गोरखपुर के तारामंडल क्षेत्र में वाटर बॉडी पर 14.33 करोड़ रुपये की लागत से बने टू-लेन ब्रिज का लोकार्पण किया।

फीता काटकर और शिलापट्ट का अनावरण कर उन्होंने पुल को जनता को समर्पित किया। मुख्यमंत्री ने कहा कि 2017 से पहले गोरखपुर की छवि असुरक्षा और अव्यवस्था से जुड़ी थी, लेकिन अब हालात पूरी तरह बदल चुके हैं। आज यहां निवेश बढ़ा है, नौजवानों को रोजगार मिल रहा है और शहर आधुनिक सुविधाओं से लैस हो रहा है। उन्होंने बताया कि औद्योगिक क्षेत्र गीडा में ही 50 हजार से अधिक युवाओं को रोजगार मिला है।

शहर में फोर-लेन और सिक्स-लेन कनेक्टिविटी, एम्स, खाद कारखाना, पुनर्जीवित चीनी मिल, पर्यटन स्थल रामगढ़ ताल और अन्य परियोजनाएं गोरखपुर को नई पहचान दे रही हैं। लोकार्पण के बाद मुख्यमंत्री ने निर्माण कार्य में लगे श्रमिकों को बुलाकर उनके साथ फोटो खिंचवाई और उनका सम्मान किया। साथ ही कार्यक्रम में मौजूद बच्चों से मिलकर उन्हें स्नेह दिया।

तारामंडल क्षेत्र बना समृद्धि का केंद्र

- सीएम योगी ने कहा कि कभी बाढ़ और अव्यवस्था के कारण उपेक्षित रहा तारामंडल क्षेत्र आज शहर की सबसे प्रमुख और महंगी लोकेशन में शामिल हो गया है। वाटर बॉडी पर बने इस नए पुल से क्षेत्र की आंतरिक कनेक्टिविटी मजबूत होगी और लोगों को लंबा रास्ता तय करने से राहत मिलेगी। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि वाटर बॉडी को रामगढ़ ताल से जोड़ते हुए इसे पर्यटन के रूप में विकसित किया जाए, ताकि लोग यहां नौकायन और मनोरंजन का आनंद ले सकें।

ब्रिज से आवागमन आसान, जाम से राहत

- योगी ने कहा कि 112 मीटर लंबे इस पुल के दोनों ओर 1.5 मीटर चौड़ा फुटपाथ बनाया गया है। इससे वसुंधरा एंक्लेव और आसपास के कई आवासीय क्षेत्रों के बीच सीधा संपर्क स्थापित हो गया है। पहले लंबा रास्ता तय करना पड़ता था, अब जाम की समस्या से भी राहत मिलेगी।

जनता की उपेक्षा करने वालों का सूपड़ा साफ होना तय : मुख्यमंत्री

- **अमृत विचार, लखनऊ/गोरखपुर :** मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने पश्चिम बंगाल के चुनाव परिणामों को जनता की निर्णायक चेतावनी बताते हुए कहा कि जो दल जनता की उपेक्षा करेंगे, विकास के धन का दुरुपयोग करेंगे और सामाजिक मूल्यों का अपमान करेंगे, उनका सूपड़ा साफ होना तय है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के मार्गदर्शन में पश्चिम बंगाल अब 'सोनार बांग्ला' की दिशा में आगे बढ़ेगा। मुख्यमंत्री मंगलवार को जंगल बेनी माधव क्षेत्र में कल्याण मंडपम (कन्वेंशन सेंटर) के लोकार्पण और 612.32 करोड़ रुपये की लागत से 71 विकास परियोजनाओं के शिलान्यास/लोकार्पण के बाद जनसभा को संबोधित कर रहे थे। योगी ने कहा कि अच्छी नीयत, स्पष्ट नीति और मजबूत संकल्प से ही विकास संभव होता है। उन्होंने गोरखपुर और प्रदेश में 2017 के बाद हुए बदलावों का जिक्र करते हुए कहा कि पहले जहां अव्यवस्था और भय का माहौल था, वहीं अब विकास, सुरक्षा और सुविधाओं का विस्तार हुआ है। उन्होंने पूर्ववर्ती सरकारों पर निशाना साधते हुए कहा कि बंद पड़ा खाद कारखाना भ्रष्टाचार का प्रतीक बन चुका था, जिसे अब फिर से चालू कर क्षेत्र में रोजगार और आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा दिया गया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि पहले गोरखपुर की पहचान माफिया और अव्यवस्था से थी, लेकिन अब यह शहर सुरक्षा, स्वच्छता, मजबूत सड़कों और विकास का प्रतीक बन गया है।

स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम की मेरठ से शुरुआत

अमृत विचार, लखनऊ: प्रदेश के 18 मंडलों पर ''स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम'' आयोजित करने की मेरठ से शुरुआत की गई है। अपर मुख्य सचिव पशुधन मुकेश कुमार मेश्राम ने बताया कि डेयरी क्षेत्र को आर्थिक रूप से मजबूत बनाने के लिए मंडल स्तर पर यह कार्यक्रम आयोजित होंगे। उन्होंने बताया कि मेरठ में मंगलवार को चौधरी चरण सिंह विश्वविद्यालय के अटल सभागार में ''स्वर्णिम दुग्धामृत संवाद समागम'' आयोजित किया गया। इसका उद्देश्य दुग्ध विकास विभाग के 50 वर्ष पूरे होने पर ग्रामीण अर्थव्यवस्था और डेयरी क्षेत्र को बढ़ावा देना है।

24 घंटे में मिले मुआवजा, घायलों के इलाज में न हो लापरवाही

योगी ने कहा- आंधी, बारिश और बिजली गिरने की घटनाओं पर अलर्ट रहे प्रशासन

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- डीएम को फील्ड में रहकर राहत कार्यों की निगरानी के निर्देश
- आपात स्थिति से निपटने के लिए संसाधन तत्काल उपलब्ध कराएं
- खराब मौसम होने पर लोगों से घरों से न निकलने की अपील

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने प्रदेश में आंधी, वर्षा और आकाशीय बिजली से हुई जनहानि को गंभीरता से लेते हुए प्रशासन को पूरी तरह अलर्ट मोड पर रहने के निर्देश दिए हैं। मंगलवार को मुख्यमंत्री ने मृतकों के परिजनों के प्रति गहरी संवेदना व्यक्त करते हुए अधिकारियों को स्पष्ट निर्देश दिया कि घायलों के इलाज में किसी भी प्रकार की लापरवाही न बरती जाए और सभी प्रभावितों को 24 घंटे के भीतर अनुमन्य राहत राशि उपलब्ध कराई जाए।

मुख्यमंत्री ने कहा कि आपदा की इस स्थिति में त्वरित और प्रभावी कार्रवाई ही प्राथमिकता होनी चाहिए। उन्होंने निर्देशित किया कि राहत वितरण में देरी या लापरवाही किसी भी स्तर पर स्वीकार नहीं की जाएगी। मुख्यमंत्री ने सभी जिलाधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि वे स्वयं फील्ड में मौजूद रहकर राहत एवं बचाव कार्यों की निगरानी करें। साथ ही स्थानीय प्रशासन, पुलिस और आपदा प्रबंधन की टीमों के साथ समन्वय बनाकर कार्य करें, ताकि प्रभावित क्षेत्रों में त्वरित सहायता पहुंचाई जा सके। उन्होंने यह भी कहा कि किसी भी आपात स्थिति से निपटने के लिए आवश्यक संसाधन तत्काल उपलब्ध कराए जाएं और शासन स्तर से निरंतर संपर्क बनाए रखा जाए।

गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन में समस्या सुनते मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ।

हर समस्या का कराएंगे समाधान: मुख्यमंत्री

राज्य ब्यूरो, लखनऊ/गोरखपुर

- योगी ने जनता दर्शन में करीब 200 लोगों की समस्याएं सुनीं

अमृत विचार: मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को गोरखनाथ मंदिर परिसर में आयोजित जनता दर्शन कार्यक्रम में लोगों से मुलाकात कर उनकी समस्याएं सुनीं। उन्होंने लोगों को आश्वस्त करते हुए कहा कि सरकार हर समस्या का प्रभावी समाधान सुनिश्चित करेगी, इसलिए किसी को चिंता करने की आवश्यकता नहीं है।

जनता दर्शन के दौरान मुख्यमंत्री करीब 200 फरियादियों से रूबरू हुए। लोगों तक स्वयं पहुंचकर उन्होंने प्रार्थना पत्र लिए और संबंधित अधिकारियों को तत्काल कार्रवाई के निर्देश दिए। उन्होंने स्पष्ट कहा कि हर शिकायत का निस्तारण समयबद्ध, निष्पक्ष और पारदर्शी ढंग से किया जाए। मुख्यमंत्री ने जमीन कब्जे से जुड़ी शिकायतों पर कड़ा रुख अपनाते हुए अधिकारियों को निर्देश दिया कि यदि कोई दबंग जबरन जमीन पर कब्जा करता है तो उसके खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाए। उन्होंने प्रशासन और पुलिस को ऐसे मामलों में संयुक्त रूप से कार्रवाई कर पीड़ितों को न्याय दिलाने को कहा। जनता दर्शन में कई लोग इलाज के लिए आर्थिक सहायता की मांग लेकर पहुंचे। मुख्यमंत्री ने उन्हें भरोसा दिलाया कि धन के अभाव में किसी का इलाज नहीं रुकेगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्देश दिया कि जरूरतमंदों के इलाज का एस्टीमेट शीघ्र तैयार कर शासन को भेजा जाए, ताकि तुरंत सहायता उपलब्ध कराई जा सके।

कार्यक्रम के दौरा मुख्यमंत्री ने बच्चों को दुलारते हुए उन्हें चॉकलेट दी और आशीर्वाद दिया, जिससे कार्यक्रम का माहौल आत्मीय बन गया। गोरखनाथ मंदिर प्रवास के दौरान मुख्यमंत्री की दिनचर्या पूर्ववत रही।

कई जिलों में आंधी बारिश और बिजली की संभावना

अमृत विचार, लखनऊ: मौसम विभाग द्वारा अगले 24 घंटों में कई जिलों में तेज आंधी, बारिश और आकाशीय बिजली की संभावना जताई गई है।

इसे देखते हुए प्रशासन ने लोगों से अपील की है कि खराब मौसम के दौरान घरों में सुरक्षित रहें और खुले स्थानों, पेड़ों तथा बिजली के खंभों से दूर रहें। प्रभावित क्षेत्रों में राहत और बचाव टीमें सक्रिय हैं और लगातार हालात पर नजर रखी जा रही है।

अधिकारियों को निर्देश दिए गए हैं कि जनहानि, पशुहानि और अन्य नुकसान का त्वरित आकलन कर राहत कार्यों को समयबद्ध तरीके से पूरा किया जाए।

शिक्षामित्रों का सम्मान सरकार की प्राथमिकता: संदीप सिंह

राज्य ब्यूरो गोरखपुर/लखनऊ

अमृत विचार: बेसिक शिक्षा राज्यमंत्री (स्वतंत्र प्रभार) संदीप सिंह ने कहा कि योगी सरकार ने शिक्षामित्रों के सम्मान और उनके आर्थिक सशक्तीकरण की दिशा में ठोस कदम उठाए हैं। उन्होंने कहा कि यह केवल मानदेय वृद्धि नहीं, बल्कि शिक्षामित्रों के समर्पण और योगदान का सम्मान है। सरकार ने इसके लिए 230 करोड़ रुपये से अधिक की धनराशि जारी कर समयबद्ध भुगतान सुनिश्चित किया है।

वे गोरखपुर में मुख्यमंत्री योगी के साथ शिक्षा मित्र सम्मान कार्यक्रम के दौरान बोल रहे थे। मंत्री संदीप सिंह ने बताया कि "ऑपरेशन कायाकल्प" के तहत विद्यालयों में पेयजल, शौचालय, फर्नीचर सहित 19 मानकों पर मूलभूत सुविधाएं सुनिश्चित की गई हैं। साथ ही एनसीईआरटी पाठ्यक्रम लागू कर सरकारी और निजी स्कूलों के बीच का अंतर कम किया गया है। उन्होंने कहा कि डिजिटल शिक्षा को बढ़ावा देते हुए हजारों स्कूलों में स्मार्ट क्लास, आईसीटी लैब और डिजिटल लाइब्रेरी स्थापित की गई हैं, जबकि शिक्षकों को टैबलेट भी वितरित किए गए हैं। मंत्री ने शिक्षामित्रों से आह्वान किया कि वे नई पीढ़ी के निर्माण में अपनी भूमिका को और मजबूत करें, ताकि "उत्तम प्रदेश" का लक्ष्य हासिल किया जा सके।

टीबी मुक्त भारत अभियान में उत्तर प्रदेश बना अग्रणी मॉडल

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

अमृत विचार: प्रदेश में चल रहे 100 दिवसीय 'टीबी मुक्त भारत अभियान' ने शुरुआती 42 दिनों में ही उल्लेखनीय प्रगति दर्ज करते हुए देश के सामने एक प्रभावी मॉडल पेश किया है। बड़े पैमाने पर स्क्रीनिंग, जांच, उपचार और जन-जागरूकता गतिविधियों के जरिए प्रदेश में टीबी उन्मूलन को लेकर मजबूत आधार तैयार किया गया है।

अपर मुख्य सचिव चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण अमित कुमार घोष ने अभियान की समीक्षा करते हुए बताया कि प्रधानमंत्री के 'टीबी मुक्त भारत' के संकल्प को साकार करने की दिशा में उत्तर प्रदेश तेजी से आगे बढ़ रहा है और अब तक के परिणाम उत्साहजनक हैं। प्रदेश में 24 मार्च को शुरू किए गए इस अभियान के तहत उच्च जोखिम वाले क्षेत्रों में आयुष्मान आरोग्य शिविरों के माध्यम से व्यापक स्क्रीनिंग की जा रही है। अब तक 15,03,112 लोगों की स्क्रीनिंग की जा चुकी है।

तकनीक और मॉनिटरिंग से मिली रफ्तार

- जांच सेवाओं को मजबूत बनाने के लिए प्रदेश में 989 एक्स-रे मशीनों और 578 एनएएटी मशीनों का उपयोग किया जा रहा है। अब तक 10,17,992 एक्स-रे और 2,76,446 मॉलिक्यूलर जांचें की गई हैं, जिनमें 2,21,698 प्रभावी जांच दर्ज हुई हैं। सभी आंकड़ों को निक्षय पोर्टल पर रियल-टाइम अपलोड करने के निर्देश दिए गए हैं, जिससे पारदर्शिता और निगरानी बेहतर हो सके।

मरीज पहचान और उपचार में तेजी

- अभियान के दौरान 68,273 टीबी मरीजों की पहचान की गई है, जबकि 28,763 मरीजों का ड्रग-रेसिस्टेंट टीबी के लिए आकलन किया गया। वहीं 1,24,633 संपर्कों की पहचान कर 72,285 लोगों को टीबी प्रिवेंटिव ट्रीटमेंट दिया गया है, जो रोकथाम के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि है।

मां की हिम्मत देख बेटी को छोड़ भागा गुलदार

अल्मोड़ा, अमृत विचार: भैंसियाछाना क्षेत्र के बेलवाल गांव में अपनी मां व पड़ोस की अन्य महिलाओं के साथ घास काटने जंगल गई बालिका पर घात लगाए गुलदार ने हमला कर दिया। बच्ची की मां की दिलेरी से किसी तरह बच्ची की जान बच पाई। महिलाओं के शोर मचाने पर गुलदार बच्ची को छोड़कर जंगल की ओर भाग गया। घटना के बाद क्षेत्र में दहशत का माहौल बना हुआ है।

बेलवाल गांव में 12 वर्षीय बालिका पल्लवी जड़ौत अपनी मां के साथ घर के पास ही खेत में घास लेने गई थी। इसी दौरान झाड़ियों में घात लगाकर बैठे गुलदार ने अचानक दोनों पर हमला कर दिया।

गुलदार ने पलक झपकते ही मासूम को अपने पंजों में कई जगह पर खरोंच डाला। गुलदार ने बच्ची की गर्दन, हाथ और पीठ पर अपने तीखे पंजों से घाव कर दिए।

बीएससी की छात्रा ने फांसी लगाकर जान दी

नैनीताल, अमृत विचार: शहर के स्टाफ हाउस क्षेत्र में मंगलवार सुबह एक 20 वर्षीय छात्रा के फांसी लगाकर आत्महत्या करने का मामला सामने आया है। पुलिस ने मामले में जांच शुरू कर दी है।

जानकारी के अनुसार मृतका की पहचान सिमरन आर्या के रूप में हुई है, जो कि बीएससी तृतीय वर्ष की छात्रा थी। वह स्टाफ हाउस क्षेत्र में रह रही थी। बताया जा रहा है कि छात्रा ने अपने कमरे में दुपट्टे के सहारे फांसी लगा ली।

मंगलवार सुबह काफी देर तक कमरे का दरवाजा नहीं खुलने पर पड़ोसियों को संदेह हुआ। दरवाजा खोलने पर छात्रा को फंदे से लटका हुआ पाया गया। इसके बाद तुरंत पुलिस को सूचना दी गई। सूचना मिलने पर कोतवाली पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर जांच शुरू कर दी। घटनास्थल पर फॉरेंसिक टीम को भी बुलाया गया है ताकि मामले के सभी पहलुओं की जांच की जा सके। सीओ रविकांत सेमवल ने बताया कि आत्महत्या के कारणों का पता लगाने के लिए जांच की जा रही है। फिलहाल पुलिस सभी संभावित पहलुओं को ध्यान में रखते हुए मामले की छानबीन में जुटी है।

स्पा सेंटरों पर काम करती मिलीं मिजोरम की लड़कियां

रुद्रपुर,अमृत विचार : मसाज पार्लर की आड़ में चल रहे देह व्यापार के काले कारोबार का पुलिस ने बड़ा भंडाफोड़ किया है। मंगलवार शाम मिजोरम पुलिस, एंटी ह्यूमन ट्रैफिकिंग यूनिट और कोतवाली पुलिस की संयुक्त टीम ने काशीपुर फ्लाईओवर स्थित एक स्पा सेंटर पर छापेमारी कर लड़कियों को रेस्क्यू किया। बरामद लड़कियां मिजोरम से लापता बताई जा रही हैं।जानकारी के अनुसार, मिजोरम पुलिस ने उत्तराखंड पुलिस से संपर्क कर राज्य से लापता हुई कई लड़कियों के रुद्रपुर में होने की सूचना दी थी। फोटो और पहचान मिलने के बाद टीम ने सुरागरसी शुरू की। मंगलवार शाम करीब साढ़े छह बजे संयुक्त टीम ने ब्यूटी क्वीन सैलून व स्पा पर धावा बोला।

आस्था

व्यास घाटी में यात्रा शुरू होने से लौटी रौनक, इनर लाइन परमिट भी जारी

बारिश, बर्फबारी के बीच आदि कैलास पर्वत के हुए दर्शन

संवाददाता, धारचूला (पिथौरागढ़)

अमृत विचार: पिछले दो दिन से बारिश और बर्फबारी के चलते आदि कैलास पर्वत के दर्शन दुर्लभ हुए हैं। हालांकि पर्वत साफ नजर न आने से यात्री निराश हैं। इस बीच मौसम का साथ मिलने पर आदि कैलास यात्रा फिर से शुरू हो गई है। मौसम खुलने से दो दिन से आधार शिविर धारचूला में रोके गए 36 यात्रियों को आदि कैलास के लिए रवाना किया गया। वहीं 324 नए यात्रियों को भी इनर लाइन परमिट जारी किए गए।

टूर ऑपरेटर अंकित गर्ब्याल बताया कि व्यास घाटी में यात्रा शुरू होने के बाद रौनक है। व्यास घाटी में बर्फबारी के चलते कोहरा छाने से यात्रियों को आदि कैलास पर्वत के दर्शन नहीं हुए इससे उन्हें निराश होना पड़ा। प्रशासन ने उच्च हिमालयी क्षेत्र में मौसम में खराबी को देखते हुए बीते सोमवार को आदि कैलास यात्रा पर रोक लगानी पड़ी थी। 36 से अधिक यात्रियों को आधार कैंप धारचूला में रोका गया और इनर लाइन परमिट जारी नहीं किए गए। मंगलवार की सुबह के समय मौसम का साथ मिलने पर फिर से यात्रा संचालित हुई। प्रशासन की अनुमति मिलने पर आधार शिविर में रुके यात्रियों के कदम आदि कैलास की तरफ बढ़े। एसडीएम आशीष जोशी ने कहा कि मौसम खुलने के बाद यात्रा शुरू कराई जा रही है। उन्होंने बताया कि, अब तक 2207 परमिट जारी किए जा चुके हैं।

उधर नैनीताल में मंगलवार देर शाम हल्की बारिश हुई, जबकि आसमान पूरे दिन बादलों से ढका रहा। मौसम विभाग द्वारा जारी पूर्वानुमान के अनुसार अगले दो दिन मौसम का मिजाज हल्की से मध्यम वर्षा के साथ बिगड़ा ही रहने वाला है। नगर में बादलों का जमावड़ा सुबह से शाम तक लगा रहा। तेज हवाएं भी आती जाती रही। जिस कारण तापमान सामान्य से नीचे ही बना रहा। जिस कारण सुबह के समय ठंड का आभास बना रहा।

आदि कैलास पर्वत का दृश्य। ● फाइल फोटो

प्रेम विवाह नहीं आया रास युवक ने खाया जहर, मौत

दो साल पहले दूसरे समुदाय की युवती से किया था विवाह

संवाददाता, कैंट

- निजी अस्पताल के आईसीयू में तीन दिन तक मौत से लड़कर हारा जिंदगी की जंग
- अप्रैल में दोनों ने एक दूसरे के विरुद्ध कैंट थाने में दी थी तहरीर, पुलिस ने कराई सुलह
- समझौते के दो दिन बाद ही परेशान युवक ने घर आकर खा लिया विषाक्त पदार्थ

मृतक प्रियांशु

अमृत विचार : दो साल पहले दूसरे समुदाय की युवती से प्रेम विवाह करने वाला युवक तीन दिन जिंदगी की जंग हार गया। शनिवार को जहरीला पदार्थ खाने के बाद अस्पताल में इलाज चल रहा था जहां देर रात उसकी मौत हो गई।

थाना कैंट के ग्राम चौबारी निवासी प्रियांशु सिंह (22) ने गांव की ही दूसरे समुदाय की युवती सफीना से प्रेम विवाह किया था। 20 अप्रैल को सफीना ने पति प्रियांशु पर मारपीट करने तथा जान से मारने की धमकी का आरोप लगाते हुए कैंट थाने में प्रार्थना पत्र दिया था। 29 अप्रैल को प्रियांशु सिंह ने भी पत्नी के विरुद्ध धर्म परिवर्तन करने का दबाव तथा झूठे मुकदमे में फंसाने की धमकी का आरोप लगाते हुए शिकायती पत्र दिया।

बीते शुक्रवार को दोनों पक्षों को थाने बुलाकर पुलिस द्वारा जनसुनवाई में मध्यस्थता करा दी गई।

लेकिन शनिवार को प्रियांशु ने पत्नी के पास से अपने घर जाकर जहरीला पदार्थ खा लिया। उसे अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां सोमवार देर रात उसकी मौत हो गई। इंस्पेक्टर कैंट संजय कुमार धीर ने बताया, कि कोई तहरीर नहीं मिली है।

मौखिक जानकारी में पता चला है, कि शनिवार को सुबह पति-पत्नी के बीच आपसी कलह हुई थी, लेकिन पत्नी ने सभी आरोपों से इनकार किया है। सूत्रों द्वारा पता चला है कि बड़ी बहन से मृतक का संपत्ति को लेकर विवाद होने की चर्चा सामने आ रही है।

ब्योधन बुजुर्ग में 67 लोगों को बुखार, संक्रमण नहीं

संवाददाता, सिरौली

ब्योधन बुजुर्ग गांव में चिकित्सा प्रभारी के नेतृत्व में चिकित्सकों ने ग्रामीणों के स्वास्थ्य की जांच कर दवा वितरित की।

- एक ग्रामीण की मौत के बाद स्वास्थ्य विभाग की टीम पहुंची गांव
- शिविर में 106 मरीजों की जांच की, बुखार और मलेरिया के मिले लक्षण
- बोले डाक्टर- कोई महामारी नहीं, बुखार आने पर सीएचसी पर आएं

अमृत विचार : संक्रमण फैलने और ग्रामीण की मौत होने की खबरों के बीच मंगलवार को स्वास्थ्य विभाग ने गांव में कैंप लगाया और 106 लोगों की जांच की। इसमें 67 लोगों को हल्का बुखार और मलेरिया के लक्षण बताए गए। डाक्टर ने इसे मौसम में बदलाव से होने वाला सामान्य लक्षण बताया है।

प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉ. सुनील कुमार के नेतृत्व में स्वास्थ्य विभाग की टीम ने मंगलवार को गांव में विशेष कैंप लगाकर ग्रामीणों का स्वास्थ्य परीक्षण किया। टीम ने करीब 106 ग्रामीणों की जांच की। गांव में किसी भी प्रकार के संक्रामक रोग या महामारी की पुष्टि नहीं हुई है।

जांच के दौरान 67 मरीजों में मामूली बुखार और मलेरिया के लक्षण पाए गए हैं। गांव में फैली दहशत की मुख्य वजह ग्रामीण अंजू पाल की अचानक हुई मौत थी। परिजनों ने बताया कि अंजू पाल की तबीयत अचानक बिगड़ी और उन्हें उल्टियां होने लगीं। उन्हें बिसौली के एक निजी अस्पताल ले जाया गया। वहां उन्हें हायर सेंटर रेफर कर दिया। चंदौसी ले जाते समय रास्ते में ही अंजू पाल ने दम तोड़ दिया।

प्रभारी चिकित्साधिकारी ने बताया कि गांव में किसी महामारी जैसी स्थिति नहीं है। बच्चों में हल्का बुखार होना आम बात है, जिसके लिए दवाएं वितरित कर दी गई हैं। टीम ने ग्रामीणों को सलाह दी है कि किसी भी प्रकार की बीमारी होने पर झोलाछाप के चक्कर में न पड़ें।

कटीले तारों की बिक्री पर लगाएं रोक

मीरगंज, अमृत विचार: क्षेत्र में खेतों की सुरक्षा के लिए लगाए जा रहे प्रतिबंधित ''ब्लेड वाले तारों'' से आवारा पशु और गौवंश गंभीर रूप से घायल हो रहे हैं।

इस मामले को लेकर गौ-प्रेमियों ने प्रशासन से इन तारों पर तत्काल रोक लगाने की मांग की है। मंगलवार को पशुप्रेमी सुनीता सिंह ने एसडीएम निधि शुक्ला को ज्ञापन देकर बताया कि खेतों के चारों ओर लगाए गए नुकीले ब्लेड वाले तारों से बड़ी संख्या में निराश्रित पशु घायल हो रहे हैं। समय पर उपचार न मिलने के कारण उनकी मृत्यु हो जाती है।उनका उद्देश्य किसानों का विरोध करना नहीं है, बल्कि पशुओं की सुरक्षा करना है।

ज्ञापन में मुख्य मांगों में ब्लेड वाले तारों की बिक्री पर रोक लगाने, ऐसे तार बेचने वाले दुकानदारों के खिलाफ कार्रवाई करने, घायल पशुओं के लिए त्वरित चिकित्सा उपलब्ध कराने की अपील की गई है।

बाइकों की भिड़ंत में दो युवक गंभीर घायल

संवाददाता, सिरौली

बाइक की भिड़त के बाद घायल के परिजन बिलख पड़े ● अमृत विचार

- लिंक रोड से अचानक हाईवे पर आने से अनियंत्रित हुई बाइक
- टक्कर के बाद दोनों दूर गिरे, पुलिस ने कराया भर्ती अस्पताल में चल रहा इलाज

अमृत विचार : थाना सिरौली क्षेत्र के ग्राम शिवपुरी के पास दो बाइकों की आमने-सामने की भिड़ंत में दो युवक गंभीर रूप से घायल हो गए हैं।

प्रत्यक्षदर्शियों के मुताबिक, दिनेश (35 वर्ष) अपनी बाइक से सिरौली की ओर से आ रहे थे। तभी आजमपुर (थाना मीरगंज) निवासी लाल सिंह (23 वर्ष) अपनी बाइक को लेकर लिंक रोड से अचानक हाईवे पर चढ़ गए।

चर्चा है कि लाल सिंह ने मुख्य मार्ग पर आने से पहले दाएं-बाएं देखना भी मुनासिब नहीं समझा। अचानक सामने आई बाइक को देख दिनेश संतुलन नहीं बना सके और दोनों गाड़ियों के बीच जोरदार टक्कर हो गई। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि दोनों बाइक सवार सड़क पर दूर जा गिरे और उनके वाहनों के परखच्चे उड़ गए। हादसे के बाद मौके पर ग्रामीणों की भारी भीड़ जमा हो गई। इस बीच जेब से मिले आधार कार्ड के बाद परिजन को सूचना दी गई। पुलिसकर्मियों ने घायलों को पास के अस्पताल में भर्ती कराया। चिकित्सकों के अनुसार दोनों को काफी चोटें आई हैं।

नदी में डूबे युवक का शव दो दिन बाद बरामद

संवाददाता,नवाबगंज

- बहेड़ी के हुसैननगला से मौसेरे भाई की शादी में आया था
- नवाबगंज में दोस्तो के साथ गया नहाने, नदी में उतराता मिला शव

मृतक दीपक कुमार

अमृत विचारः बहगुल नदी में डूबे युवक का शव दो दिन बाद बरामद होने से इलाके में शोक की लहर दौड़ गई। सूचना मिलने पर पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लिया और पोस्टमार्टम के लिए बरेली भेज दिया।

जानकारी के अनुसार बहेड़ी थाना क्षेत्र के हुसैन नगला निवासी 18 वर्षीय दीपक कुमार पुत्र हुकुम सिंह, नवाबगंज थाना क्षेत्र के कचनारी गांव में अपने मौसेरे भाई आकाश की शादी में शामिल होने आया था। रविवार दोपहर वह गांव के कुछ युवकों के साथ बहगुल नदी में नहाने गया, जहां नहाते समय अचानक गहरे पानी में जाने से वह डूब गया।

घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और गोताखोरों ने युवक की तलाश शुरू की, लेकिन काफी प्रयास के बावजूद उसका पता नहीं चल सका। मंगलवार को नदी में उसका शव उतराता हुआ दिखाई दिया, जिसके बाद पुलिस ने उसे बाहर निकलवाया।

युवक का शव मिलने की खबर जैसे ही परिजनों तक पहुंची, घर में कोहराम मच गया। परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने आगे की कार्रवाई शुरू कर दी है।

न्यूज डायरी

सचल मृदा परीक्षण वैन से किसानों ने जांची खेत की मिट्टी

रिठौरा, अमृत विचार : किसानों की आय दोगुनी करने के उद्देश्य से सोमवार को इफको बाजार (खाद गोदाम) केंद्र रिठौरा पर मृदा परीक्षण अभियान चलाया गया। कार्यक्रम में लखनऊ राज्य कार्यालय से आई अत्याधुनिक सचल मृदा परीक्षण वैन ने किसानों के बीच पहुंचकर उनके खेतों की मिट्टी का लाइव टेस्ट किया। मुख्य विशेषज्ञ संतोष त्रिपाठी ने टीम के सदस्यों कृष्णा द्विवेदी व पवन शर्मा के साथ मिलकर मिट्टी की उर्वरता पर चर्चा की। संतोष त्रिपाठी ने बताया कि खेत में किस पोषक तत्व की कमी है, यह जाने बिना खाद डालना नुकसानदायक है। कार्यक्रम का संयोजन जीवन सिरोही व अंकुर चौहान ने किया। इस दौरान क्षेत्र के गणमान्य नागरिक चौधरी सत्यवीर सिंह, विपेन्द्र सिंह, सुधीर सिंह उर्फ पप्पू फौजी, अमित चौधरी, बाबू सिंह व नरेन्द्र सिंह भी मौजूद रहे। इन्होंने किसानों को जागरूक करते हुए कहा कि आधुनिक खेती के लिए मिट्टी की जांच अनिवार्य है।सचल लैब के माध्यम से राहुल, विनय, मोहन, प्रेम सिंह, सुशील, सुभाष, गोविंदा, गोपाल, कुलदीप, रामकुमार, विजय, सुरेंद्र यादव, प्रेमपाल, शिवकुमार व भूपराम आदि रहे।

संगोष्ठी में किसानों ने बनवाई फार्मर आईडी

शेरगढ, अमृत विचार : क्षेत्र के गांव रोहिली में बहुउद्देशीय प्राथमिक ग्रामीण सहकारी समिति परिसर में कृषि व राजस्व विभाग की ओर से संयुक्त किसान संगोष्ठी का आयोजन किया गया, जिसमें बड़ी संख्या में किसानों ने शामिल हो अपनी फार्मर आईडी बनवाई। ब्लॉक तकनीकी प्रबंधक दर्शन लाल गंगवार ने सरकार द्वारा किसानों के लिए चलाईं जा रहीं कल्याणकारी योजनाओं के बारे में बताया। इस दौरान किसानों ने भूलेख संबंधी समस्याएं तहसीलदार भानू प्रताप सिंह के समक्ष रखीं। तहसीलदार ने लेखपाल अमित पटेल को एक सप्ताह में गांव में कैंप लगाकर समस्याओं के समाधान के निर्देश दिए। बैठक में सहायक निदेशक मृदा परीक्षण बिलवा नरेंद्र मौर्य, प्रेमपाल, एडीओ कृषि हरिनंदन प्रसाद और लेखपाल अमित पटेल आदि रहे।

डायट में प्रशिक्षुओं को स्वगणना की दी जानकारी

फरीदपुर अमृत विचार : डायट में जनगणना के संबंध में डीएलएड प्रशिक्षुओं को स्वगणना की जानकारी दी गई। जनगणना प्रशिक्षण में फील्ड ट्रेनर रहे डायट प्रवक्ता श्रीकांत मिश्रा द्वारा मकान सूचीकरण एवं मकान की गणना के लिए 34 प्रश्नों 7 से 21 मई तक स्व गणना करने तथा अपने आसपास के व्यक्तियों को भी स्व गणना हेतु प्रेरित करने का आह्वान किया। उन्होंने बताया कि स्व गणना करने के बाद आईडी बन जाएगी तथा प्रगणक के आने पर उन्हें वह स्वगणना आईडी बता दी जाएगी, जिससे वह भरे गए डाटा को सत्यापित अथवा संपादित करेंगे। इस अवसर पर डायट प्रवक्ता डॉ नीति माहौर, डॉ फहमिना तथा डीएलएड प्रशिक्षु उपस्थित रहे।

विद्यालय की टॉपर को उपहार में दी सिलाई मशीन

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : थाना क्षेत्र के सहसा गांव के विद्यालय माँ सन्तोषी पब्लिक स्कूल, में वार्षिक परीक्षाफल वितरण किए गए। कक्षा आठ की छात्रा अलफिजा निवासी सहसा, ने सर्वाधिक अंक प्राप्त करके विद्यालय टॉप किया। प्रबंधन ने छात्रा को सिलाई मशीन उपहार स्वरूप दी। इस अवसर पर प्रधानाचार्य कृष्ण कुमार मिश्रा ऋषिपाल सिंह, भूपेन्द्र गंगवार, गीता रानी, आंचल सक्सेना, प्रिया मौर्य विपाशा सक्सेना, पूनम शर्मा, एवं प्रबंधक सन्तोष कुमार सक्सेना , गौरव सक्सेना, ,विशाल गंगवार ,एवं छात्र छात्राओं के अभिभावक बन्धुओं की गरिमामयी उपस्थित रही।

आधी रात में तोड़े कार के शीशे, तीन पर रिपोर्ट

कैंट, अमृत विचार : तीन खुराफातियों ने शराब के नशे में आधी रात को ईंट मार कर कार के शीशे तोड़ दिए, तथा दरवाजे में भी ईंट पत्थर मारे। गाली गलौज तथा जान से मारने की धमकी देते हुए फरार हो गये। तहरीर पर कैंट पुलिस ने मंगलवार को तीन लोगों के खिलाफ केस दर्ज किया है।

थाना कैंट क्षेत्र के गांव चनेहटा निवासी जुबैर ने बताया, कि सोमवार रात आकाश यादव, गोविंद पटेल निवासी चेत गौटिया चनेहटा तथा एक अज्ञात व्यक्ति ने दरवाजे के बाहर खड़ी उसकी कार के शीशे ईंट मार कर तोड़ दिए। पड़ोसी अबरार अहमद फौजी के दरवाजे में भी ईंट पत्थर मारे। साथ ही समुदाय विशेष को गाली गलौज करते हुए जान से मारने की धमकी दी।

रबर फैक्ट्री कर्मियों ने सब रजिस्ट्रार पर लगाया उत्पीड़न का आरोप

फतेहगंज पश्चिमी, अमृत विचार : बंद पड़ी रबर फैक्ट्री कर्मचारियों ने ट्रस्ट का रजिस्ट्रेशन नहीं करने पर मीरगंज सब रजिस्ट्रार पर उत्पीड़न का आरोप लगाते हुए उप महानिरीक्षक पंजीयन से लिखित शिकायत करके कार्यवाही की मांग की है।

शिकायत कर्ता रबर फैक्ट्री कर्मी नत्थूलाल मौर्य, दलवीर सिंह, भोलानाथ, ओमवती, ओमवीर सिंह, लालाराम सागर आदि ने बताया 27 वर्ष पहले अचानक फैक्ट्री बंद होने से कर्मचारी भुखमरी का शिकार हो गए। करीब 650 कर्मचारियों की बकाया पैसे मिलने की आस में इलाज के अभाव में मौत हो गईं।बताया कि कर्मचारियों का आर्थिक शोषण बंद हो इससे निजात के लिए अपनी लड़ाई खुद लड़ने के लिए ट्रस्ट बनाने की योजना बनाई। ट्रस्ट का बायलॉज तैयार करके सब रजिस्ट्रार आवंतिका देवी से ट्रस्ट बनाने का आग्रह करने पर उन्होंने बायलॉज में कुछ संशोधन करने को कह दिया। उनके बताए अनुसार बायलॉज में संशोधन करके दो दिन जब उनसे दुबारा पंजीकरण का आग्रह किया।तो उन्होंने स्पष्ट मना कर दिया और कार्यालय से बाहर निकाल दिया। इस व्यवहार से क्षुब्ध कर्मचारियों ने सब रजिस्ट्रार के खिलाफ उप महानिरीक्षक पंजीयन और डीएम से शिकायत करके कार्यवाही की मांग की है।

अमृत विचार
क्लासीफाइड
विज्ञापन हेतु सम्पर्क करें
9756905552, 8445507002

सूचना

सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र फ्रांसिस इनिस उर्फ बाबू व उसकी पत्नी श्रीमती शिल्पी इनिस को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में इनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा इनसे कोई वास्ता नहीं होगा। **सोनिया मसीह पत्नी स्व. संदीप मसीह निवासी मो. गोपाल नगर निकट तीन मूर्ति भवन संजय नगर थाना बारादरी जिला बरेली।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अजय कुमार उर्फ अजीत व पुत्रवधु संगीता उर्फ गुड़िया को गलत आचरण, दुर्व्यवहार एवं झूठे केस में फंसाने की धमकी देने के कारण समस्त सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **मुकेश पुत्र रामचरन निवासी मोहल्ला नं. 1 कस्बा बिल्सी थाना बिल्सी जिला बदायूं।**

सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि मैंने अपने पुत्र अबनेश गुप्ता व उसकी पत्नी शिवागी गुप्ता उर्फ सुभी को गलत आचरण एवं दुर्व्यवहार के कारण सम्बन्ध विच्छेद कर अपनी समस्त चल-अचल सम्पत्ति से बेदखल कर दिया है। भविष्य में उनके द्वारा किए गए किसी भी कृत्य के लिए वह स्वयं जिम्मेदार होंगे। मेरा व मेरे परिवार से कोई वास्ता नहीं होगा। **अयोध्या प्रसाद उर्फ अजुध्या प्रसाद पुत्र होरी लाल निवासी ग्राम मल्हपुर पोस्ट फैजनगर, तहसील फरीदपुर जिला बरेली।**

वैधानिक सूचना :- समाचार पत्र में प्रकाशित किसी भी विज्ञापन जैसे टावर सम्बन्धी, नौकरी सम्बन्धी, ऋण सम्बन्धी या अन्य किसी भी प्रकार के विज्ञापन में पाठकों को सावधान किया जाता है। विज्ञापनदाता द्वारा किये गये दावे या उल्लेख, समर्थन की पुष्टि समाचार पत्र नहीं करता है।

न्यूज ब्रीफ

निधि शुक्ला ने एसडीएम मीरगंज का चार्ज संभाला

मीरगंज, अमृत विचार : एसडीएम आलोक कुमार को ट्रेनिंग पर जाने के दौरान मीरगंज तहसील की जिम्मेदारी निधि शुक्ला को सौंपी है ।तहसील में निधि शुक्ला ने नई उपजिलाधिकारी (एसडीएम) के रूप में कार्यभार ग्रहण कर लिया है । पदभार संभालने के बाद उन्होंने मीडिया से बातचीत में अपनी प्राथमिकताएं बताईं और प्रशासनिक कार्यप्रणाली को लेकर महत्वपूर्ण संकेत दिए । उन्होंने बताया कि उनकी पहली प्राथमिकता आम जनता की समस्याओं का त्वरित और प्रभावी समाधान करना है । इसके लिए उन्होंने प्रतिदिन सुबह 10 बजे से दोपहर 12 बजे तक जनसुनवाई का समय तय किया है । उन्होंने अवैध खनन के खिलाफ भी सख्त रुख अपनाने की बात कही ।अवैध खनन की शिकायत मिलने पर तत्काल जांच कराई जाएगी और दोषियों के विरुद्ध कड़ी कार्रवाई की जाएगी । नई एसडीएम के कार्यभार संभालने से तहसील क्षेत्र में प्रशासनिक सक्रियता बढ़ने की उम्मीद है ।

साइकिल रिक्शा योजना के लिए भरे गए फार्म

भुता, अमृत विचार : दिव्यांगजन सशक्तिकरण विभाग ने ब्लॉक कुआंडांडा सभागार में एक बैठक कर दिव्यांग जनों को आत्मनिर्भर बनाने हेतु साइकिल रिक्शा उपलब्ध कराने की योजना पर विशेष चर्चा की । इसमें आसपास के गांव से बड़ीसंख्या में दिव्यांगजन पहुंचे । लोगों की सहायता से दिव्यांगजनों को साइकिल रिक्शा योजना के लिए उनके आवेदन पत्र भरवाए गए ।

बेटों की लड़ाई के बीच वृद्ध मां की संदिग्ध हालात में मौत

शराब पीकर आपस में लड़ रहे थे भाई, पास में बैठी थी मां

फरीदपुर के पचौमी में रात में हुई घटना के बाद मौके पर पुलिस फोर्सके साथ सीओ भी पहुंच गये । ● अमृत विचार

संवाददाता, फरीदपुर

अमृत विचार : संदिग्ध परिस्थितियों में देर रात लगभग 10 बजे ओमवती पत्नी झम्मनलाल (70) की मृत्यु हो गई । सूचना पर पहुंचे सीओ ने शव को पोस्टमार्टम के लिए भेजा है । जानकार के अनुसार पचौमी गांव निवासी ओमवती के पुत्र कल्लू और बिट्टू शराब पीकर आपस में लड़ रहे थे और आरोप प्रत्यारोप लगा रहे थे। इसी बीच पास में चारपाई पर बैठी उनकी वृद्ध मां ओमवती चारपाई पर ही पीछे गिरती चली गई और उनकी मौत हो गई। घटना की सूचना पुलिस को दी गई सूचना पर क्षेत्राधिकारी संदीप कुमार, प्रभारी निरीक्षक राधेश्याम फरीदपुर पुलिस फोर्स के साथ मौक़े पर पहुंचे पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को कब्जे में लेकर शव के पंचायतनामा भर पोस्टमार्टम को भेज दिया।

नाबालिग किशोर की संदिग्ध हालात में मौत

शीशगढ़ अमृत विचार : थाना क्षेत्र के भैंसिया गांव में 2 तारीख को 13 वर्षीय किशोर विम्मी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत हो गई । घटना के बाद परिजनों ने गांव के कुछ लोगों पर हत्या का आरोप लगाते हुए पुलिस को तहरीर दी है । मृतक के ताऊ राजू के अनुसार, विम्मी के पिता विनोद मानसिक रूप से कमजोर हैं और उसकी मां बचपन में ही घर छोड़कर चली गई थी । राजू ही दोनों की देखभाल करते थे, लेकिन कुछ समय पहले वह काम के सिलसिले में बाहर चले गए थे । आरोप है कि उनके जाने के बाद गांव के कुछ लोग विम्मी से खेती-बाड़ी और घरेलू काम करवाते थे । 2 तारीख की सुबह वे लोग उसे घर से बुलाकर ले गए, जिसके कुछ देर बाद उसकी मौत हो गई । परिजनों का आरोप है कि जमीन कब्जाने के लालच में किशोर की हत्या की गई । वहीं दूसरे ताऊ जमुना प्रसाद ने बताया कि ग्रामीणों ने उन्हें बताया कि विम्मी को बुखार था, लेकिन सही इलाज नहीं कराया गया । हालत बिगड़ने पर उसे किच्छा के एक निजी अस्पताल से हल्द्वानी रेफर किया गया, जहां ले जाते समय उसकी मौत हो गई । शीशगढ़ इंस्पेक्टर जितेंद्र कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम रिपोर्ट में मौत का कारण स्पष्ट नहीं हुआ है । बिसरा रिपोर्ट आने के बाद ही आगे की कार्रवाई की जाएगी ।

● परिजन ने गांव के कुछ लोगों पर लगाया हत्या करने का आरोप

रतनगढ़ में चकबंदी प्रक्रिया पर सवाल डीएम से शिकायत

बहेड़ी अमृत विचार : गांव रतनगढ़ में चकबंदी प्रक्रिया में गड़बड़ी का आरोप लगाया गया है । प्रधान समेत गांव के तमाम लोगों ने बिना सहमति के चक बदलने का भी इल्ज़ाम लगाया है । जिलाधिकारी को दिए शिकायती पत्र में लेखपाल को हटाए जाने की मांग की गई है । ग्राम पंचायत रतनगढ़ में चकबंदी प्रक्रिया को लेकर ग्रामीणों में गुस्सा है । चकबंदी प्रक्रिया में पारदर्शिता न होने और गुपचुप चक बदलने से गांव के लोगों में डर पैदा हो गया है ।प्रधान गुरबचन सिंह के नेतृत्व में किसानों ने जिलाधिकारी को शिकायत पत्र देकर लेखपाल और पैमाइश टीम पर गंभीर आरोप लगाए हैं । किसानों का कहना है कि नौला फार्म क्षेत्र में चल रही चकबंदी के दौरान कब्जा परिवर्तन का काम उनकी बिना जानकारी और सहमति के किया जा रहा है । आरोप है कि कई जगहों पर किसानों की गैरमौजूदगी में ही पैमाइश कर मनमाने तरीके से बदलाव किए जा रहे हैं, जिससे उनकी जमीन पर असर पड़ सकता है । ग्रामीणों ने यह भी आरोप लगाया कि पूरी प्रक्रिया में पारदर्शिता नहीं बरती जा रही और नियमों को ताक पर रखकर काम किया जा रहा है । इससे गांव के चकदारों में नाराजगी है और आक्रोश बढ रहा है ।ग्रामीणों ने सम्बन्धित लेखपाल और पैमाइश टीम को हटाकर नए सिरे से पैमाइश करने और पूरी प्रिक्रिया पारदर्शी रखने की मांग की है । शिकायत पत्र पर बलविन्द राम, दीदार सिंह, लखबीर सिंह, जग्गा सिंह और धनपाल समेत कई किसानों के हस्ताक्षर हैं ।

कमीशन पर तमंचे बेचने वाला युवक गिरफ्तार

बहेड़ी में तमंचा बेचने वाले आरोपी पुलिस गिरफ्त में । ● अमृत विचार

संवाददाता, बहेड़ी

● बरेली बवाल में हथियार सप्लाई करने का आरोपी देता था हथियार

अमृत विचार : अवैध तमंचों को कमीशन बेसिस पर बेचने का धंधा करने वाले एक युवक को पुलिस ने गिरफ्तार किया है । उत्तराखंड के गांव दरऊ का रहने वाला यह युवक किच्छा में होटल चलाता है, और वहीं से यह लोगों को तमंचे बेचता था । बरेली बवाल में तमंचे सप्लाई करने का एक आरोपी ही इसको तमंचे देता था ।पुलिस ने उसके पास से 32 बोर का एक पिस्टल बरामद किया ।

पुलिस के मुताबिक कताई मिल के पास बंद पड़े एक ईंट भट्टे में किसी संदिग्ध युवक की जानकारी मिली । सूचना मिलते ही पुलिस टीम ने बंद पड़े ईंट भट्टे की घेराबंदी की । पुलिस ने वहाँ एक युवक को दबोच लिया । तलाशी लेने पर उसके पास 32 बोर का एक पिस्टल और कारतूस मिले ।पूछताछ में उसने अपना नाम समी पुत्र अकरम निवासी दरऊ टांडा (उत्तराखंड) बताया । समी बहेड़ी कोतवाली में पहले से दर्ज मुकदमे में वांछित था ।

दरअसल 19 फरवरी को बहेड़ी पुलिस ने सोमू खान और तस्लीम को गिरफ्तार किया था ।यह लोग कार से किच्छा की तरफ जा रहे थे ।उनके पास से पुलिस ने तमंचे बरामद किए थे । पुलिस ने खुलासा किया था कि बहेड़ी के गांव मंडनपुर निवासी इशरत के साथ ये बरेली बवाल के मामले में हथियार सप्लाई किए थे ।इस मुकदमे में समी को भी आरोपी बनाया गया था ।

पुलिस ने समी से पूछताछ की तो उसने बताया कि वह किच्छा में होटल चलाता है ।सोमू उसके होटल पर आता जाता था, जिसकी वजह से उसकी उससे जान पहचान हो गई थी । बरामद हुए पिस्टल के बारे में उसने बताया कि इसे 4 महीने पहले उसने इशरत से खरीदा था । समी ने बताया कि 19 फरवरी को इशरत के कहने पर सोमू और तस्लीम उसे 5 तमंचे देने आ रहे थे, लेकिन बहेड़ी पुलिस ने उनको गिरफ्तार कर लिया था । समी के खिलाफ बहेड़ी और उत्तराखंड में 8 मुक़दमे दर्ज हैं । पुलिस के मुताबिक समी कमीशन बेसिस पर इशरत से तमचे लेकर लोगों को बेचता था ।

लाइन से बचने के लिए सीएचसी में करें आनलाइन बुकिंग

मीरगंज, अमृत विचार: स्वास्थ्य सेवाओं को डिजिटल बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम उठाया गया है ।

आयुष्मान भारत डिजिटल मिशन (एबीडीएम) के तहत अब सीएचसी मीरगंज की ओपीडी के लिए ऑनलाइन बुकिंग की सुविधा शुरू की गई है । इससे मरीजों को लंबी कतारों से राहत मिलेगी और उनके समय की बचत होगी । चिकित्सा अधीक्षक डॉ. वैभव राठौर ने बताया कि इस सुविधा का लाभ उठाने के लिए मरीजों को अपने मोबाइल में आभा ऐप डाउनलोड करना होगा । इसके बाद सीएचसी पर उपलब्ध क्यूआर कोड को स्कैन करके ओपीडी के लिए ऑनलाइन पंजीकरण किया जा सकता है । उन्होंने स्पष्ट किया कि यह सुविधा केवल उन्हीं मरीजों के लिए उपलब्ध होगी जिनकी आभा आईडी पहले से बनी हुई है । डॉ. राठौर के अनुसार, ऑनलाइन बुकिंग करने के बाद मरीज को एक घंटे के भीतर सीएचसी पहुंचकर चिकित्सक से परामर्श लेना अनिवार्य होगा ।

निर्धारित समय सीमा में न पहुंचने पर बुकिंग रद्द की जा सकती है । इस नई व्यवस्था की एक और खास बात यह है कि ओपीडी के बाद कराई गई जांचों की रिपोर्ट भी सीधे मरीज के मोबाइल पर उपलब्ध होगी । इससे मरीजों को बार-बार अस्पताल आने की आवश्यकता नहीं पड़ेगी, जिससे इलाज की प्रक्रिया अधिक पारदर्शी और सुविधाजनक बनेगी ।

मंडल स्तरीय पावर लिफ्टिंग में शानदार प्रदर्शन

फतेहगंज पूर्वी, अमृत विचार : दो युवाओं ने मंडल स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर नगर का नाम रोशन किया है । इज्जतनगर स्थित क्लब में आयोजित मंडल स्तरीय पावर लिफ्टिंग प्रतियोगिता में दोनों खिलाड़ियों ने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए जीत हासिल की । लेखपाल कॉलोनी निवासी सुधांशु शंखधार ने प्रतियोगिता में 155 किलोग्राम डेडलिफ्ट कर द्वितीय स्थान प्राप्त किया । सुधांशु के पिता मुनीश चंद्र शर्मा पुरोहित है । बदायूं-दातागंज मार्ग निवासी आदर्श त्रिगुणायत ने शानदार प्रदर्शन करते हुए 175 किलोग्राम डेडलिफ्ट कर प्रथम स्थान हासिल किया । दोनों खिलाड़ियों ने बताया कि इससे पहले भी वे बदायूं और लखीमपुर खीरी में आयोजित प्रतियोगिताओं में प्रतिभाग कर चुके हैं । दोनों खिलाड़ियों ने अपनी सफलता का श्रेय कटरा स्थित जिम ट्रेनर वैभव बॉक्सर को दिया । प्रतियोगिता से लौटने पर वैभव बॉक्सर ने अपनी जिम में दोनों खिलाड़ियों का माला पहनाकर स्वागत किया और उनका उत्साहवर्धन किया ।

जाम की मार

बहेड़ी बाईपास पर मोहम्मदपुर चौराहे का उत्तर साइड का कट बंद कर दिए जाने से नारायण नगला रोड से आने वाले वाहन रॉग साइड से बरेली की तरफ निकलते हैं । चौराहे के दक्षिण की तरफ वाले कट पर दिन भर जाम की स्थिति बनी रहती है । चौराहे से थाड़ी -थोड़ी दूर पर कॉलेज हैं, जिससे छुट्टी के वक़्त जाम और ज़्यादा बढ़ जाता है । इस चौराहे के बाद नैनीताल की तरफ अगला कट रोडवेज बस स्टैंड के पास है । टोल रोड का संचालन करने वाली कम्पनी कट को बंद कर भूल गई, और उसने यह देखने की ज़रुरत नहीं समझी कि उनके इस कदम से क्या परेशानी हो रही है । पुलिस के ज़िम्मेदारों ने भी यहाँ लगने वाले जाम से हो रही परेशानी को देखने की ज़हमत नहीं की । **फोटो व विवरण :** ● अमृत विचार

करोड़ों का विकास, लेकिन जल निकासी की सुविधा नहीं

संवाददाता, फरीदपुर,

अमृत विचार : नगर में हल्की सी बारिश भी अब लोगों के लिए आफत बनती जा रही है । सोमवार सुबह हुई बारिश ने जल निकासी व्यवस्था की पूरी सच्चाई सामने ला दी । मोहल्ला परा और परा जाटवान के हालात ऐसे हो गए कि गलियों से लेकर घरों के आंगन तक पानी ही पानी नजर आने लगा । कई घरों में पानी घुस आया, जिससे लोगों का जनजीवन अस्त-व्यस्त हो गया । मंगलवार को भी क्षेत्र में पानी भरा रहा ।

स्थानीय लोगों का कहना है कि थोड़ी सी बारिश में ही यही हालात बन जाते हैं । नालियों की सफाई चौपट है नालियां बंद पड़ी,जहां नाली है वहां उनका पानी निकलने का कोई पुख्ता इंतजाम नहीं है । नतीजा यह होता है कि बारिश का पानी सड़कों पर ठहर जाता है और धीरे-धीरे घरों में घुसने लगता है ।

स्थिति की गंभीरता का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि सोमवार सुबह बारिश होने के बाद मंगलवार को शाम तक बीसलपुर रोड पर पानी सैलाब की तरह बहता दिखाई दिया । सड़क पर वहते पानी ने राहगीरों और वाहन चालकों की मुश्किलें बढ़ा दीं ।

जल निकासी की सुविधा नहीं होने से बीसलपुर रोड पर भरा पानी । ● अमृत विचार

शीशगढ़ नगर पंचायत का मुख्य मार्ग जलमग्न

शीशगढ़ अमृत विचार : शीशगढ़ में बारिश के दौरान नगर पंचायत के सामने पानी भरने से आवागमन बंद हो गया है । मुख्य मार्ग होने के कारण अब लोगों को गंदे पानी से होकर गुजरना पड़ा रहा है । जबकि पानी निकास को लेकर नगर पंचायत में कस्बे के लोगों ने कई बार शिकायत की है लेकिन पानी निकास के समाधान के लिए कोई खास पुख्ता इंतजाम नहीं किया गया है । वर्षों से बनी कस्बे की इस समस्या का समुचित समाधान नहीं निकाला गया है । नाले के ऊपर कस्बे के कुछ लोगों अवैध कब्जा कर दुकानें लगा ली है इससे नालों की सफाई नहीं हो पाती हे । इसकी शिकायत की गई तो अधिशासी अधिकारी ने फर्जी निस्तारण कर दिया लेकिन वह दुकानें आज भी नालों के ऊपर अवैध अतिक्रमण के रूप में लगी हुई है ।

बोर्ड बैठकों में विकास की बड़े बड़े दावे वास्तविकता में फुस्स नजर आ रहे हैं । बोर्ड बैठक में पारित प्रस्ताव के कार्यों का कोई दिशा नहीं दी गई । नगरवासियों में इस बात को लेकर गहरा रोष है कि बार-बार शिकायतों के बावजूद कोई ठोस कार्रवाई नहीं की जा रही ।

इस्लामनगर गौटिया में जलभराव, जर्जर रास्ता ठीक कराने की मांग

देवरनियां, अमृत विचार : नैनीताल हाईवे से सटा गांव इस्लामनगर गौटिया, मजरा शाहपुर डाड़ी, मूलभूत सुविधाओं के अभाव से जूझ रहा है । वर्षों से आबाद इस गांव की स्थिति ऐसी है । कि यहां के ग्रामीण सुचारु सड़क का इंतजार कर रहे हैं । बारिश होते ही गांव की गलियां कीचड़ और गंदे पानी से लबालब भर जाती हैं, जिससे लोगों का घरों से निकलना मुश्किल हो जाता है । ग्रामीणों के अनुसार गांव की सड़कों की हालत लंबे समय से खराब बनी हुई है । जगह-जगह गहरे गड्ढे होने के कारण पैदल चलना भी जोखिम भरा हो जाता है, जबकि दोपहिया वाहन निकालना और भी चुनौतीपूर्ण साबित होता है । बारिश के दिनों में हालात और ' 'गंभीर हो जाते हैं, जब गलियों में जलभराव के चलते बच्चों, बुजुर्गों और महिलाओं को बरसात का मौसम में गांव की गलियां कीचड़ और गंदे पानी से लबालब पड़ता है । ग्रामीणों ने प्रशासन से जल्द से जल्द सड़क निर्माण और जल निकासी की व्यवस्था कराने की मांग की है । ताकि बरसात के मौसम में होने वाली परेशानियों से राहत मिल सके ।

देवरिनयां के इस्लामनगर गौटिया गांव की खस्ताहाल सड़क । ● अमृत विचार

2027 में सपा सरकार के लिए अभी से जुटें कार्यकर्ता

संवाददाता, बहेड़ी,

बहेड़ी में बैठक को संबोधित करते वक्ता । ● अमृत विचार

अमृत विचार: विधायक अताउर रहमान ने पार्टी के जोन प्रभारियों,सेक्टर और सह सेक्टर प्रभारियों से विधान सभा चुनाव 2027 की तैयारियों में पूरी संजीदगी के साथ जुटने का आह्वान किया । उन्होंने कार्यकर्ताओं से तालमेल बनाकर सपा की नीतियों को जन-जन तक पहुँचाने और पीडीए की ज़रूरत और अहमियत के बारे में लोगों को बताने की अपील की ।

सपा कार्यालय पर आयोजित बैठक में उन्होंने कहा कि तानाशाही शासन को हटाने के लिए सभी वर्गो का एकजुट होना ज़रूरी है । अखिलेश यादव के नेतृत्व में पीडीए की सरकार बनने पर ही प्रदेश में सभी लोगों को राहत मिलेगी । विधान सभा क्षेत्र अध्यक्ष ने कहा कि बहेड़ी का सपा संगठन कई चुनावों में अपनी क्षमता दिखा चुका है, और 2027 के लिए भी पुरी तरह तैयार है । अपनी कमियों को वक्त रहते दुरुस्त कर हमें चुस्ती के साथ हर मुकाबले के लिए खड़े होना है ।

पूर्व प्रमुख वफ़ाउर रहमान ने कहा कि हम धर्म -जाति की राजनीति नहीं करते । विधायक निधि हर वर्ग हर जाति पर समान रूप से खर्च की गई । मंदिर, मस्जिद,गुरुद्वारा या कब्रिस्तान-शमशान और अम्बेडकर पार्कों में सभी जगह बिना भेदभाव सोलर लाइट लगवाई गईं ।

बैठक में चौधरी विजेंद्र सिंह, डॉक्टर ब्रह्म स्वरुप सागर,इक़बाल सिंह चीमा,परवीन जहां, आयशा बी, केंद्र पाल सिंह,चौधरी अमित सिंह, राजू मौर्या,चेतराम गंगवार व संतोष यादव आदि ने विचार व्यक्त किए ।

आंवला में संगठन मजबूत करने पर जोर

आंवला, अमृत विचार : आंवला विधानसभा क्षेत्र में समाजवादी पार्टी की मासिक बैठक एक निजी बारातघर में आयोजित हुई । बैठक में पूर्व जिला अध्यक्ष अगम मौर्य ने भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि जनता विरोधी नीतियों के चलते अब उसे सत्ता से हटाने का समय आ गया है । उन्होंने कार्यकर्ताओं से बूथ स्तर तक संगठन मजबूत करने का आह्वान किया । विधानसभा प्रभारी विजेंद्र सिंह यादव ने महंगाई, बेरोजगारी और महिलाओं की सुरक्षा के मुद्दे उठाते हुए कहा कि सरकार इन समस्याओं के समाधान में विफल रही है । विधानसभा क्षेत्र डॉ . इंद्रपाल सिंह ने बूथ स्तर पर पीडीए पंचायतें आयोजित करने पर जोर दिया । जिला पंचायत सदस्य अरविंद यादव ने आरोप लगाया कि सरकारी स्कूल बंद किए जा रहे हैं, जिससे गरीब बच्चों की शिक्षा प्रभावित हो रही है । बैठक में 2027 में भाजपा को सत्ता से हटाने का संकल्प लिया गया । बैठक में बी . डी वर्मा, पीयूष वर्मा, संगीता पाल, डा . जीराज सिंह, अमित राज सिंह, राकेश गौड़, शब्बीर हाफिज , रहीश अहमद, पदम सिंह, लक्ष्मण प्रसाद लोधी, सुनील लोधी, इंद्रपाल सागर , शिवम चौहान, जगन्नाथ सिंह, वीरेश मौर्य, राजेंद्र पांडेय, विकार अली, हाजी आफताब, अरविंद चौहान, राजेंद्र यादव, आदि रहे ।

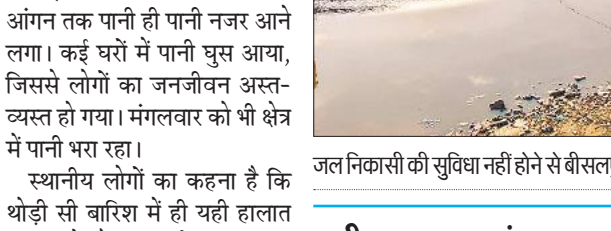

बूथ प्रभारियों की बैठक करते विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष । ● अमृत विचार

जोन प्रभारी, सेक्टर प्रभारियों की हुई बैठक

मीरगंज, अमृत विचार : मंगलवार को पार्टी कार्यालय पर सपा की बैठक हुई । विधानसभा क्षेत्र अध्यक्ष सुरेश गंगवार की अध्यक्षता में हुई बैठक में सभी जोन प्रभारी, सेक्टर प्रभारी नगर व ब्लाक अध्यक्ष सहित विधानसभा कमेटी के अध्यक्ष उपस्थित रहे । बैठक में सभी कार्यकर्ताओं को बूथ स्तर पर काफी काम करने की जरुरत बताते हुए प्रदेश में सरकार बनाने की अपेक्षा की गई है । कहा कि बूथ कमेटी अभी तक तैयार नहीं हो पाई है । बूथ प्रभारी इसे शीघ्र बनाकर दें । सभी सैक्टर प्रभारी सभी बूथ प्रभारियों की मॉनिटरिंग करेंगे । जिससे विधानसभा चुनाव ज्यादा से ज्यादा वोटों से जीत हासिल की जाए । बैठक का संचालन शिवम सक्सेना ने किया । बैठक में मनोहर सिंह पटेल , भद्रसेन गंगवार , नावेद खान, सरदार हरभजन सिंह, लोधी गंगा सिंह, लीरेश पाठक उर्फ सिंटू पाठक, तुलाराम राजपूत, जाहिर अन्सारी, नरेन्द्र गंगवार, अज़र अली,धर्मवीर शर्मा, हामिद खान, मनोज शर्मा, कुंवरसेन राजपूत, गौरव सक्सेना, विजय सिंह आदि कार्यकर्ता मौजूद रहे ।

● सपा के ज़ोन व सेक्टर प्रभारियों की बैठक

गलत स्थान पर नाला निर्माण का आरोप, शिकायत

फतेहगंज पूर्वी , अमृत विचार: क्षेत्र के ग्राम हरेली अलीपुर के ग्रामीणों ने गांव में कराए जा रहे नाला निर्माण कार्य को गलत स्थान पर कराए जाने का आरोप लगाते हुए मंगलवार को एसडीएम फरीदपुर को शिकायती पत्र सौंपकर जांच की मांग की है ।

आरोप है कि गांव में नाला निर्माण सड़क मार्ग पर कराया जा रहा है, जबकि नाले की जमीन अन्य स्थान पर मौजूद है । ग्रामीणों का कहना है कि जिस स्थान पर खुदाई कराई जा रही है, वह गांव का मुख्य निकास मार्ग है । यहां नाला बनने से ग्रामीणों को आवागमन में परेशानी होगी । यह भी आरोप लगाया गया है कि सड़क किनारे ग्राम समाज की काफी जमीन पड़ी हुई है, जिस पर कुछ लोगों ने कब्जा कर रखा है । आरोप है कि इसी वजह से ग्राम समाज की जमीन पर नाला निर्माण नहीं हो पा रहा है । ग्रामीणों ने प्रशासन से मामले की निष्पक्ष जांच कराकर सही स्थान पर नाला निर्माण कराए जाने की मांग की है । इस दौरान खुशालीराम, प्रियांशु गंगवार, छत्रपाल, श्यामबाबू, दीपक कुमार, मनोज सिंह, राजू, वीरपाल सिंह, राजकुमार, सत्यपाल और अभिषेक आदि लोग मौजूद रहे ।

विश्व हैंड वॉश डे पर बच्चों को दिया स्वच्छता का संदेश

संवाददाता, रिठौरा,

अमृत विचार : 'स्वच्छ हाथ, सुरक्षित जीवन' के संकल्प के साथ विश्व हैंड वॉश डे के अवसर पर रूहेलखंड प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र, रिठौरा द्वारा जागरूकता अभियान चलाया गया। यह अभियान रूहेलखंड मेडिकल कॉलेज एवं अस्पताल के तत्वावधान में आयोजित हुआ।

संस्थान की डॉ. रश्मि कत्याल और चिकित्सा प्रभारी डॉ. पीयूष गुप्ता के निर्देशन में नगर के आधा दर्जन से अधिक स्कूलों में छात्र-छात्राओं को हाथों की स्वच्छता का महत्व बताया गया। डॉ. गुप्ता ने कहा कि गंदे हाथ कई गंभीर बीमारियों के वाहक होते हैं और बिना हाथ धोए भोजन करने से डायरिया, टाइफाइड व अन्य संक्रमण फैल सकते हैं। उन्होंने बताया कि सही तरीके से हाथ धोने की आदत अपनाकर इन बीमारियों से बचाव संभव है।

अभियान के दौरान स्वास्थ्य टीम ने बच्चों को साबुन से सही तरीके से हाथ धोने की प्रायोगिक विधि सिखाई, जिसमें हथेलियों, नाखूनों और कलाई तक की सफाई पर जोर दिया गया।

विश्व हैंडवाश दिवस । ● अमृत विचार

इस अवसर पर डॉ. यश कुमार, कासिम हुसैन, कुलदीप गंगवार, पूजा शर्मा अनिल कुमार, अरमान अली, दीपमाला, राजीव, आशा, वेदपाल और जितेंद्र सिंह स्वास्थ्यकर्मी मौजूद रहे। स्कूलों के प्रधानाचार्यों व शिक्षकों ने भी इस पहल की सराहना करते हुए बच्चों को नियमित रूप से हाथ धोने की शपथ दिलाई।

न्यूज ब्रीफ

संभल में अंतर्राज्यीय तार चोर गिरोह का भंडाफोड़, दो पकड़े

संभल/बहजोई : जनपद संभल में बिजली विभाग की हाईटेंशन लाइनों के तार चोरी करने वाले अंतर्राज्यीय गिरोह का पुलिस ने खुलासा किया है। थाना बहजोई पुलिस ने इस मामले में दो शातिर अभियुक्तों को गिरफ्तार किया है, जबकि गिरोह के पांच अन्य सदस्य अभी फरार हैं। पुलिस ने आरोपियों के कब्जे से चोरी किए गए तारों की बिक्री के 2 लाख 52 हजार रुपये, 215 किलोग्राम वजन के 13 बंडल हाईटेंशन तार, दो मोबाइल फोन तथा घटना में प्रयुक्त दिल्ली नंबर की दो कारें बरामद की हैं। मंगलवार दोपहर बहजोई पुलिस कार्यालय पर पुलिस अधीक्षक कृष्ण कुमार बिश्नोई एवं अपर पुलिस अधीक्षक दक्षिणी मनोज कुमार रावत ने प्रेस वार्ता कर मामले का खुलासा किया। कार्रवाई का संचालन क्षेत्राधिकारी बहजोई डॉ. प्रदीप कुमार सिंह के नेतृत्व में किया गया। पुलिस अधीक्षक ने बताया कि 2 मई 2026 को बिजली विभाग के जूनियर इंजीनियर लखपत सिंह द्वारा कोतवाली बहजोई में तहरीर देकर कहा था कि अप्रैल माह के दौरान अलग-अलग तिथियों पर अज्ञात चोरों ने 33 केवी और 11 केवी की सरकारी हाईटेंशन लाइनों के तार काटकर चोरी कर लिए थे।

सिम छीनने पर भड़की पत्नी, पति पर हमला

बिलासपुर : पत्नी के अवैध संबंधों का विरोध करने पर पति पर जानलेवा हमला किया गया। पीड़ित पति ने पत्नी और ससुर के खिलाफ थाने में तहरीर देकर कानूनी कार्रवाई की मांग की है। पुलिस ने दोनों के खिलाफ रिपोर्ट दर्ज कर ली गई है। गांव चन्दपुरा जदीद निवासी राजपाल ने पुलिस को दी तहरीर में बताया कि उसकी पत्नी का किसी अन्य व्यक्ति से अवैध संबंध है। वह अक्सर चोरी-छिपे प्रेमी से फोन पर बात करती थी। जब भी उसने इस बारे में पूछा, तो वह टाल-मटोल कर जाती थी। पीड़ित के अनुसार बीती 29 अप्रैल की सुबह करीब सात बजे उसकी पत्नी प्रेमी से बात कर रही थी। शक होने पर जब पूछा तो पत्नी ने तुरंत मोबाइल से सिम निकालकर छिपाने का प्रयास किया।

पीटीआर में कार सवारों ने वनकर्मी पर किया हमला

कार्यालय संवाददाता, पीलीभीत

- महोफ रेंज वाच टावर के पास की घटना, कार सवार हिरासत में

अमृत विचार : एक तरफ पीटीआर के अफसर सुरक्षा बंदोबस्त सख्त करने की तैयारी कर तमाम दावे कर रहे है। वहीं, जंगल में अवैध तरीके से घुसपैठ रोकने के नाम पर नाकामी हाथ लग रही है। एक नया मामला और सामने आया है।

महोफ रेंज में करीब पांच लोग मौज मस्ती करने के लिए न सिर्फ पहुंचे बल्कि न्यूनतम वेतनभोगी कर्मचारी से अभद्रता कर मारपीट की गई। वायरलेस पर सूचना मिलने पर अलर्ट हुआ तो पुलिस और वनकर्मी ने पकड़ने का प्रयास किया और बमुश्किल पुलिस की मदद से पकड़ा जा सका। घायल वनकर्मी ने पुलिस को तहरीर दी है। घटना पीटीआर के महोफ रेंज की है। खटीमा रोड पर स्थित वाच टावर के पास मंगलवार को न्यूनतम वेतनभोगी श्यामविहारी तैनात थे। वाच टावर के पास कार सवार पांच लोग कच्चे रास्ते पर मौज मस्ती कर रहे थे। जब वनकर्मी ने विरोध किया तो कार सवार पांच लोग अभद्रता पर उतारू हो गए और मारपीट की गई।

सलेमपुर ग्राम पंचायत की सोशल मीडिया पर वायरल शिकायत पर डीएम ने लिया संज्ञान

मानवी की पुकार पर पहुंचे डीएम, सड़क दुरुस्त करने के निर्देश

कार्यालय संवाददाता, लखीमपुर खीरी

अमृत विचार: सोशल मीडिया पर कक्षा एक की नन्ही छात्रा मानवी सिंह की पुकार पर डीएम अंजनी कुमार सिंह ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल मौके पर पहुंचे। शहर से सटे सलेमपुर ग्राम पंचायत पहुंचकर डीएम ने न केवल जमीनी स्थिति का गहन आंकलन किया, बल्कि मौके पर ही अधिकारियों को सड़क दुरुस्त करने के निर्देश दिए।

सलेमपुर कोन के राजकीय पालीटेक्निक स्कूल के पास से गये मार्ग में जलभराव रहता है। इसी मार्ग मे सामुदायिक शौचालय, आयुष्मान सेंटर, आंबेडकर पार्क, पानी की टंकी बनी हुई है। यह मार्ग बहुत ही जर्जर है, जिसके चलते राहगीरों, स्कूली बच्चों को आने जाने मे काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता है। गांव की कक्षा एक की छात्रा मानवी सिंह सड़क निर्माण के लिए डीएम से भावुक अपील की।

सोशल मीडिया पर वायरल वीडियो में बच्ची कह रही है, हेलो डीएम अंकल, आप बहुत अच्छे हैं, मेरी सड़क बनवा दो। इसके बाद डीएम मौके पर पहुंच जाते हैं और बच्ची की उंगली पकड़कर सड़क का निरीक्षण करने के साथ अधिकारियों को एस्टीमेट बनाने का निर्देश देते हैं।

डीएम ने गांव की खड़ंजे वाली सड़क पर पैदल चलते हुए मानवी के घर तक पहुंचकर हालात देखे। इस दौरान उन्होंने बच्ची और उसके पिता से आत्मीय बातचीत की। मानवी की परेशानी सुनकर डीएम का संवेदनशील पक्ष सामने आया और उन्होंने मौके पर ही अधिकारियों को खड़ंजा मार्ग की मरम्मत के निर्देश दे दिए। निरीक्षण में सामने आया कि रास्ते पर खड़ंजा तो है, लेकिन बारिश के कारण वह कई जगह पर ऊंचा नीचे हो गया है और जलभराव ने समस्या को और बढ़ा दिया है। डीएम ने साफ कहा कि लोगों को अब इस परेशानी से जल्द राहत दिलाई जाएगी।

नन्ही मानवी से बात करते डीएम अंजनी कुमार सिंह। ● अमृत विचार

- मौके पर पहुंचकर मानवी के घर तक पैदल किया निरीक्षण

डंपर फिर मकान से टकराई बस, 30 घायल

ओवरस्पीड बनी हादसे की वजह, चालक के दोनों पैर टूटे, जिला अस्पताल में इलाज के लिए भर्ती

हादसे में क्षतिग्रस्त बस। ● अमृत विचार

संवाददाता, पलिया कलां (लखीमपुर खीरी)

- 13 घायलों की हालत गंभीर जिला अस्पताल किए रेफर

अमृत विचार : बसही से पलिया आ रही एक निजी तेज रफ्तार बस मंगलवार को अचानक अनियंत्रित हो गई। बस ने पहले सड़क किनारे लगे बिजली के पोल और पेड़ को टक्कर मारी, फिर सामने खड़े डंपर में जा घुसी और अंत में एक निर्माणाधीन मकान से टकरा गई। हादसे में बस में सवार 30 से अधिक लोग घायल हुए हैं। चालक के दोनों पैर टूट गए। घायलों में 13 की हालत गंभीर बनी हुई है। जिन्हें जिला अस्पताल रेफर किया गया है।

हादसा पलिया कोतवाली क्षेत्र की संपूर्णानगर रोड पर मंगलवार को सुबह करीब 8:30 बजे हुआ। सिंह बस सर्विस की बस इंडो-नेपाल बॉर्डर स्थित बसही से संपूर्णानगर होते हुए सवारियां भरकर पलिया आ रही थी। पलिया कस्बे में चालक तेज रफ्तार बस पर से नियंत्रण खो बैठा और हादसा हो गया। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और खून से लथपथ घायलों को बस से बाहर निकाला।

सूचना मिलते ही थानाध्यक्ष पंकज त्रिपाठी पुलिस बल के साथ मौके पर पहुंचे और घायलों को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र पलिया भेजा। सीएचसी अधीक्षक डॉ. भरत सिंह के नेतृत्व में चिकित्सकों की टीम ने उपचार शुरू किया।

खड़े ट्रक में घुसी बस, 25 यात्री घायल

संवाददाता, इस्लामनगर

अमृत विचार : गंगा एक्सप्रेस वे पर थाना इस्लामनगर क्षेत्र में एक स्लीपर बस पीछे से ट्रक में घुस गई। हादसे में बस में सवार 25 लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची। घायलों को पास में बहजोई के अस्पताल ले जाया गया जहां प्राथमिक उपचार के बाद 16 घायलों को बदायूं के जिला अस्पताल भेजा गया। चार लोगों की हालत गंभीर बनी हुई है।

हादसा मंगलवार सुबह लगभग पांच बजे गंगा एक्सप्रेस वे पर हुआ। निजी स्लीपर बस चालक जिला अमरोहा के हसनपुर निवासी चालक दानिश, बस क्लीनर जिला हरदोई के बेहटा गोकुल निवासी रहमान व सहमान के साथ 60 सवारियों को लेकर लुधियाना से हरदोई जा रहे थे। इस्लामनगर थाना क्षेत्र में गांव चंदोई-सिठौली के बीच टोल प्लाजा पार किया। इसी दौरान बस के ब्रेक फेल हो गए और बस आगे खड़े ट्रक में पीछे से घुस गई। मौके पर शोर मच गया। हादसे में दोनों क्लीनर, महिलाओं समेत 25 लोग घायल हो गए। सूचना मिलने पर गंगा एक्सप्रेस वे पर ड्यूटी कर रही एंबुलेंस व पेट्रोलिंग पुलिस के अलावा इस्लामनगर के थाना प्रभारी उदयवीर सिंह पुलिस बल के साथ घटनास्थल पर पहुंचे। सीओ बिल्सी केके तिवारी पहुंचे। क्रेन से दोनों वाहनों को गंगा एक्सप्रेस वे किनारे खड़ा कराया गया। घटना स्थल के पास गंगा एक्सप्रेस वे से नीचे उतरने का मार्ग न होने की वजह से घायलों को एंबुलेंस से जिला संभल के बहजोई के पास लहरावन इंटरचेंज से होते हुए वहां के अस्पताल ले जाया गया। इस्लामनगर पुलिस भी बहजोई के अस्पताल पहुंची। संभल के सीएमओ डॉ. तरुण पाठक ने घायलों का हाल जाना। बस सवार रमा ने बताया कि वह अपने चाचा व चाची के साथ लुधियाना से उन्नाव जा रहे थे। रास्ते में दो बार बस खराब हुई थी। बस के स्टाफ ने रास्ते में बस रोककर शराब पी थी।

हादसे में क्षतिग्रस्त स्लीपर बस।

घायल का इलाज करता अस्पताल कर्मी।

- एक्सप्रेस-वे पर थाना इस्लामनगर में चंदोई टोल के पास मंगलवार सुबह पांच बजे हुआ हादसा

पुलिस ने पकड़ा 11.5 टन ई-कचरा दो गिरफ्तार

मुरादाबाद : थाना सिविल लाइन पुलिस ने सोमवार को एक कैन्टर से करीब 155 बोरा (लगभग 11.5 टन) अवैध ई-कचरा बरामद किया। पुलिस ने मौके से दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने विभिन्न धाराओं में मुकदमा दर्ज कर आरोपियों को जेल भेजा है। पुलिस ने ई कचरे के अवैध कारोबार से जुड़े अन्य की तलाश शुरू कर दी गई है। सिविल लाइन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक मनीष सक्सेना ने मंगलवार को बताया कि चार मई की रात पुलिस टीम क्षेत्र में संदिग्ध वाहनों की चेकिंग कर रही थी।

पूर्वोत्तर रेलवे

ई प्रापण निविदा सूचना

भारत के राष्ट्रपति की ओर से मुख्य परियोजना प्रबन्धक/आर.एस.पी, पूर्वोत्तर रेलवे, लखनऊ द्वारा निम्नलिखित कार्य हेतु ई-प्रापण निविदायें आमंत्रित करते हैं।

क्रम सं. 1: ई प्रापण निविदा संख्या: NER-LJN-RSP-2026-10, कार्य का नाम: पूर्वोत्तर रेलवे के लखनऊ मण्डल के मुख्य परियोजना प्रबन्धक/आर.एस.पी/लखनऊ के लिये सामान्य परामर्श सेवाएं प्रदान करने हेतु सामान्य सलाहकार की नियुक्ति के लिये प्रस्ताव हेतु अनुरोध (आरएफपी) अनुमानित निविदा मूल्य ₹65583671.00 बयाना राशि (रू.) ₹477900.00, निविदा प्रपत्र का मूल्य (रू) रू 0.00, कार्य पूर्ण करने की अवधि: 36 महीने

बिड प्रारम्भ करने की तिथि—दिनांक 15.05.2026, उपरोक्त ई-निविदा जमा करने की अन्तिम तिथि: दिनांक 29.05.2026, 15.00 बजे तक। उपरोक्त ई-निविदा खुलने की तिथि— दिनांक 29.05.2026, 15.00 बजे। निविदा सूचना, योग्यता मानदण्ड, नियम एवं शर्तें वेबसाइट **https://www.ireps.gov.in** पर देखा जा सकता है। निविदा सूचना में यदि हिन्दी या अंग्रेजी के आलेखों में कोई भिन्नता होती है तो अंग्रेजी के ही आलेख मान्य होंगे।

उप मुख्य इंजीनियर/निर्माण/आर.एस.पी

गुजाधि/डब्लू—71 लखनऊ

गाड़ियों की छतों व पावदान पर कदापि यात्रा न करें।

किसान सहकारी चीनी मिल्स लि0, सम्पूर्णानगर-खीरी

अल्प-कालीन निविदा सूचना

केवल अनुभवी ठेकेदारों से इस मिल समिति में अल्प-कालीन निविदा दिनांक 08.05.2026 तक आमंत्रित की जाती है।

क्रम0 सं0	कार्य का विवरण	धरोहर धनराशि	निविदा प्रपत्र का मूल्य
1	सत्र 2025-26 के समाप्ति के उपरान्त मिल के अन्दर गन्ना यार्ड के समस्त गेटो की चिनाई, समस्त चीनी गोदाम के गेटो पर एक फिट हाइट में चिनाई, ड्रायर हाउस में ब्राउन शुगर के चारो तरफ चिनाई एवं ड्रायर हाउस में पिट का निर्माण कार्य।	रू0 3000/-	रू0 118/-

उक्त कार्यों की नियम व शर्तें निविदा प्रपत्र पर अंकित हैं निविदा प्रपत्र किसी भी कार्य दिवस में मिल में धरोहर धनराशि एवं निविदा प्रपत्र मूल्य जमा करने के उपरान्त मिल कार्यालय से प्राप्त किया जा सकता है तथा अधोहस्ताक्षरी को किसी एक अथवा समस्त निविदाओं को बिना कारण बताये निरस्त करने का अधिकार सर्व सुरक्षित होगा।

प्रधान प्रबन्धक

मझगई जंगल में मिला बाघिन का शव

संवाददाता, मझगई (लखीमपुर खीरी)

अमृत विचार: मझगई क्षेत्र के उत्तर खीरी वन प्रभाग की नीनिया बीट के जंगल में बाघिन का शव मिलने से सनसनी फैल गई। वन अधिकारियों ने घटना स्थल का निरीक्षण किया। अधिकारियों ने बाघिन की मौत आपसी संघर्ष में होने की आशंका जताई है।

घटना की सूचना मंगलवार सुबह करीब 6 बजे वन विभाग को मिली, जिसके बाद क्षेत्रीय वन अधिकारी और रेंज स्टाफ मौके पर पहुंचे। वन विभाग की टीम ने घटना स्थल को सुरक्षित किया और प्रारंभिक जांच शुरू की। निरीक्षण के दौरान कई अहम सुराग सामने आए हैं जो बाघिन की मौत को लेकर गंभीर संकेत दे रहे हैं। प्रारंभिक जांच में घटना स्थल पर दूसरे बाघ के पगमार्क पाए गए हैं। इसके अलावा मृत बाघिन के नाखूनों में किसी अन्य वन्य जीव या बाघ के बाल चिपके हुए मिले हैं।

बाघिन के शरीर पर भी गहरे जख्म, नाखूनों के निशान और केनाइन दांतों के स्पष्ट घाव पाए गए हैं। इन तथ्यों के आधार पर वन विभाग का मानना है कि बाघिन की मौत संभवतः अन्य बाघ के साथ संघर्ष में हुई है। विभाग ने इसे अभी प्राथमिक अनुमान बताया है। मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेषज्ञों का एक पैनल गठित किया गया है।

राष्ट्रीय बाघ संरक्षण प्राधिकरण के मानक प्रोटोकॉल के तहत बाघिन के शव का पोस्टमार्टम कराया गया है। साथ ही विसरा नमूने भी जांच के लिए सुरक्षित रखे गए हैं। उपनिदेशक बफरजोन कीर्ति चौधरी ने बताया कि बाघिन की मौत के वास्तविक कारणों की पुष्टि पोस्टमार्टम रिपोर्ट और प्रयोगशाला जांच के बाद ही हो सकेगी। फिलहाल जांच क्षेत्र की निगरानी बढ़ा दी गई है।

मृत पड़ी बाघिन।

- पगमार्क और शरीर पर मिले गहरे घाव दूसरे बाघ से भिड़ंत के दे रहे संकेत

युवती पर तेंदुआ का हमला, दरांती दिखाकर बचाई जान

पीलीभीत, अमृत विचार : पूरनपुर तहसील क्षेत्र के ग्राम निवाजपुर ताल्लुके चांदपुर में मंगलवार शाम खेत में घास काट रही युवती पर तेंदुआ ने हमला कर दिया। युवती ने हाथ में मौजूद दरांती सामने करते हुए शोर मचाना शुरू कर दिया। इस पर तेंदुआ गन्ने के खेतों की ओर भाग निकला। घायल युवती को आनन-फानन में सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में भर्ती कराया गया है।

ग्रामीण के मुताबिक गांव निवासी मुरारीलाल की 18 वर्षीय पुत्री सपना मंगलवार शाम करीब साढ़े पांच बजे अपनी छोटी बहन देववती के साथ गांव से करीब 500 मीटर दूर स्थित खेतों में पशुओं के लिए घास काटने गई थी। इसी दौरान झाड़ियों में छिपे तेंदुआ ने अचानक सपना पर हमला बोल दिया।

पुलिस मुठभेड़ में बदमाश पैर में गोली लगने से घायल, गिरफ्तार

कार्यालय संवाददाता, शाहजहांपुर

- 17 अप्रैल को दवा लेकर घर जा रही महिला से की थी लूट

> निगोही पुलिस वाहनों की चेकिंग कर रही थी। एक संदिग्ध व्यक्ति को रुकने का इशारा किया तो पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस ने जवाबी फायरिंग की तो बदमाश के एक पैर में गोली लग गई। महिला के साथ कुंडल लूट की घटना का स्वीकार किया है। बदमाश हरदोई जिले है।
>
> **-देवेंद्र कुमार** एएसपी सिटी

अमृत विचार : निगोही क्षेत्र में महिला के कुंडल लूटने वाले बदमाश की पुलिस से मुठभेड़ हो गई। पुलिस की गोली बदमाश के एक पैर में लगी और वह घायल हो गया। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से लूटे गए कुंडल, घटना में प्रयुक्त बाइक, मोबाइल और नकदी बरामद की है। पकड़ा गया बदमाश हरदोई का रहने वाला है।

निगोही प्रभारी निरीक्षक अशोक कुमार ने बताया कि 17 अप्रैल की दोपहर एक महिला कस्बा में दवा लेकर पैदल घर जा रही थी। बाइक पर सवार बदमाश ने झपट्टा मारकर महिला को सोने का कुंडल लूटकर भाग गया। बदमाश हेलमेट पहने हुए था। पुलिस ने दुकान पर लगे सीसीटीवी कैमरे चेक किए थे। पुलिस टीम बदमाश की तलाश कर रही थी। सोमवार की रात पुलिस निगोही रोड पर रेलवे क्रासिंग के पास चेकिंग कर रही थी। पुवायां की तरफ से एक संदिग्ध बाइक से आता दिखाई दिया। पुलिस ने उसे रोकने का प्रयास किया तो बाइक घुमाकर कटैया उस्मानपुर की तरफ भागने का प्रयास किया। वह बाइक छोड़कर खेत की तरफ भागा।

बदमाश ने जान से मारने की नीयत से पुलिस टीम पर फायर कर दिया। पुलिस टीम ने फायर किया तो बदमाश के एक पैर में गोली लगी। पकड़ा गया बदमाश वीरेश उर्फ शिवा राठौर निवासी कस्बा शाहाबाद थाना शाहाबाद जिला हरदोई है। पुलिस ने बदमाश के कब्जे से तमंचा, कारतूस, एक सोने का कुंडल, मोबाइल फोन, हेलमेट, घटना में प्रयुक्त बाइक और नगदी बरामद की है। पुलिस ने घायल बदमाश की अस्पताल में इलाज कराया। पुलिस ने बदमाश का चालान कर दिया। टीम में एसओजी प्रभारी मनोज कुमार, उप निरीक्षक दिलशाद खां, नितिन सोम, यशपाल सिंह, ओमकार सिंह, प्रमोद कुमार आदि शामिल थे।

कार्यालय ग्राम पंचायत भवानीपुर विकास खण्ड निगोही, शाहजहाँपुर

अल्पकालीन निविदा सूचना

समस्त अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं को सूचित किया जाता है कि विकास खण्ड निगोही शाहजहाँपुर वित्तीय वर्ष 26-27 मे मनरेगा योजना के अन्तर्गत ग्राम पंचायत भवानीपुर में निम्न कार्य को कराए जाने हेतु कार्यस्थल पर सामग्री सीमेन्ट, मौरंग, सरिया, रोड़ी, अव्वल ईंट, बजरी आपूर्ति हेतु सम्बन्धित ग्राम पंचायत के कार्यालय पर निविदायें आमंत्रित की जा सकती है। मोहरबन्द निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर निविदायें आमंत्रित की जा सकती है। मोहरबंद निविदायें ग्राम पंचायत के कार्यालय पर रखे टेण्डर बाक्स में इस निविदा के प्रकाशन के उपरान्त 05.05.26 के अन्दर डाली जा सकती है। जो उसी दिन 3:00 बजे सम्बन्धित प्रधान/सचिव द्वारा अधिकृत फर्मो/विक्रेताओं के प्रतिनिधियों के समक्ष खोली जायेगी।

1. मान सिंह के मकान से रतीराम के खेत तक पक्का नाला निर्माण कार्य
2. रतिराम के खेत से नन्हे के खेत तक पक्का नाला निर्माण कार्य

अन्जू देवी मौर्य - प्रधान   सचिव-श्रवण कुमार शर्मा

उच्च प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मियापुर विकास क्षेत्र - भोजीपुरा, बरेली।

पत्रांक :-वृ0रो0/925-26/2026-27/2026-27 दिनांक :- 05-05-2026

नीलामी विज्ञप्ति – सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि उच्च प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मियापुर विकास क्षेत्र – भोजीपुरा बरेली के प्रांगण में खडे 49 यूकेलिप्टिस, वृक्षों की नीलामी की जानी हैं इच्छुक बोलीदाता उच्च प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मियापुर विकास क्षेत्र – भोजीपुरा, बरेली में दिनांक: – 08. 05 .2026 समय 02:00 बजे आयोजित नीलामी में 16,000 / – धनराशि नकद जमा कर प्रतिभाग कर सकतें है। नीलामी की शर्तों किसी भी कार्यालय दिवस में विद्यालय में देखी जा सकती है। नीलामी को निरस्त करने का अधिकार विद्यालय के पास होगा।

इंचार्ज अध्यापक

उच्च प्राथमिक विद्यालय लक्ष्मियापुर विकास क्षेत्र - भोजीपुरा, बरेली।

12 हजार की रिश्वत लेते डीएफओ कार्यालय में तैनात बाबू को दबोचा

लखीमपुर खीरी : लखनऊ की एंटी करप्शन टीम ने शहर के विलोबी हाल के निकट डीएफओ नॉर्थ कार्यालय में तैनात बाबू विक्रांत नेगी को 12 हजार रुपये की रिश्वत लेते हुए रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। हल्द्वानी निवासी विक्रांत नेगी लखीमपुर की फॉरेस्ट कॉलोनी में रहता है। उसने दुधवा नेशनल पार्क की स्पेशल टाइगर प्रोटेक्शन फोर्स में तैनात सिपाही इंदल सिंह से ट्रांसफर के नाम पर 12 हजार की घूस की मांग की थी।

इंदल की पत्नी की खराब तबीयत के चलते महेशपुर पोस्ट पर ट्रांसफर चाहता था। आर्थिक तंगी के बावजूद जब इंदल का काम नहीं हुआ तो उसने परेशान होकर लखनऊ एंटी करप्शन टीम से संपर्क किया। शिकायत के बाद टीम ने योजना बनाकर मंगलवार को बिलोबी हाल गेट के पास ट्रैप बिछाया। इंदल सिंह ने जैसे ही विक्रांत नेगी को 12 हजार रुपये दिए, टीम ने उसे दबोच लिया।

कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, प्रखण्ड–बरेली।

कार्यालय का पता :–विकास भवन, बरेली।

(निविदा सूचना)

पत्रांक :–87 / ग्रा0अ0वि0 / निविदा / 2026–27 / दिनांक :–06.04.2026

महामहिम राज्यपाल, उ0प्र0 की ओर से अधोहस्ताक्षरी के द्वारा निम्नलिखित कार्यो हेतु ऑनलाईन निविदाएं प्रतिशत दर में श्रेणी ए0/बी0/सी0/डी0 में पंजीकृत ठेकेदारों से आमंत्रित की जाती है। निविदादाता एक या एक से अधिक कार्यो के लिए निविदा डाल सकता है :–

1. तालिका के अनुसार कार्यो का विवरण :–

क0सं0	जनपद का नाम	कार्य का नाम	अनुमानित लागत (लाख मे) (जीएसटी सहित)	धरोहर धनराशि (विड सिक्योरिटी) (लाख मे)	निविदा प्रपत्र का मूल्य (जी0एस0टी0 मूल्य सहित रूपये मे)	कार्य पूर्ण करने की अवधि (वर्षा ऋतु सम्मिलित करते हुये)
1	2	3	4	5	6	7
1.	बरेली	ग्राम पंचायत सिमरा बोरीपुर में श्री जयपाल मास्टर की दुकान के सामने एक नग यात्री शैड का निर्माण कार्य (एम0एल0सी0–क्यारा)	8.46	0.017	766.00	03 माह
2.	बरेली	ग्राम रिछोला चौधरी में चोखेलाल के घर से सोमपाल के घर तक सी0सी0 रोड व नाली निर्माण का कार्य। (वि0नि0–नवाबगंज)	5.697	0.012	766.00	03 माह
3.	बरेली	ग्राम पृथ्वीपुर नवदिया में सरकारी गल्ला गोदाम से पहारपुर डामर रोड तक मिट्टी एवं खडन्जा निर्माण कार्य। (वि0नि0–नवाबगंज)	7.377	0.015	766.00	03 माह
4.	बरेली	मो0 किला टंकी के निकट सांई मेडिकल से राम प्रकाश मिठाई वाले की दुकान तक इंटर लॉकिंग कार्य। (विधायक निधि–नगर)	8.622	0.173	766.00	03 माह

2. निविदा विक्री की अवधि दिनांक : 13.05.2026 से 15.05.2026 तक (पूर्वान्ह 11.00 बजे से अपरान्ह 4.00 बजे तक)
3. निविदा प्राप्ति का अन्तिम दिनांक एवं समय : दिनांक 16.05.2026 मध्याहन 12.00 बजे तक
4. निविदा प्राप्ति का स्थान : कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन जनपद–बरेली।
5. निविदा खुलने का दिनांक एवं समय : दिनांक 16.05.2026, अपरान्ह 12.30 बजे
6. अधिक जानकारी के लिये कार्यालय अधिशासी अभियन्ता, ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग, द्वितीय तल, विकास भवन जनपद–बरेली से सम्पर्क कर सकते हैं।

नोट :– उपरोक्त समस्त कार्यो की निविदायें बजट की प्रत्याशा में आमंत्रित की जा रही हैं।

UP - 250801 दिनांक: 04/05/2026

विज्ञापन वेबसाइट www.up.gov.in पर उपलब्ध है।

(विनय कुमार शर्मा)
अधिशासी अभियन्ता
ग्रामीण अभियन्त्रण विभाग
प्रखण्ड–बरेली।
राज्यपाल उ0प्र0 की ओर से

खेत पर लगे तारों में छोड़े गए करंट से महिला की मौत

संवाददाता, बिलसंडा

अमृत विचार: शौच के लिए गई महिला एक ग्रामीण द्वारा अपने खेत के चारों पर तरफ लगाए गए तारों में छोड़े गए करंट की चपेट में आ गई। महिला की मौत हो गई। सूचना मिलने पर पुलिस पहुंची और जानकारी की। शव पोस्टमार्टम को भेज दिया है।

थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरिया नवीराम की रहने वाली 30 वर्षीय अनीता पत्नी बेचेलाल मंगलवार सुबह करीब पांच बजे खेत की तरफ शौच के लिए गई थीं। बताते हैं कि वापस घर जाते वक्त एक ग्रामीण के मक्के के खेत किनारे लगे तारों की चपेट में आने उसे करंट लग गया। खेत पर लगे तारों में करंट छोड़ रखा था। महिला बेसुध होकर गिर गई। कुछ देर बाद जानकारी मिलने पर पहुंचे परिजन आनन-फानन में उसे सीएचसी लेकर पहुंचे, जहां मृत घोषित कर दिया गया। स्थानीय लोगों के अनुसार खेत पर लगे तारों में करंट छोड़ रखा था, जिससे महिला की मौत हुई। इसकी सूचना मिलने पर नायब तहसीलदार अवधेश कुमार पुलिस बल के साथ सहएचसी पहुंचे और जानकारी की। इसके बाद शव पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। परिवार में चीख पुकार मची रही। मृतका के तीं बच्चे शिवम, भारत, सुवानी हैं। मां की मौत के बाद तीनों का रोकर बुरा हाल रहा। एसओ सिद्धांत शर्मा का कहना है कि मामले की जांच करा रहे हैं। तहरीर मिलने पर कार्रवाई की जाएगी।

परिजन ले गए शव और रेत में दबाया : जिले के कई क्षेत्रों में करंट लगने के बाद पीड़ित को रेत के ढेर में दबाकर ग्रामीण देसी इलाज करने में समय बिताते रहते हैं। इसे स्वास्थ्य विभाग की ओर से अंधविश्वास करार देते हुए कई बार समय पर इलाज कराने की बात कही जा चुकी है। मगर, ग्रामीण अंचलों में इस तरह की तस्वीर अक्सर सामने आ जाती है। उक्त महिला को भी परिजन मृत घोषित करने के बाद ले गए थे और रेत में करीब एक घंटे तक दबाकर रखा था।

मां की मौत के बाद गुमसुम खड़े बच्चे।

- बिलसंडा थाना क्षेत्र के ग्राम खजुरिया नवीराम का मामला परिवार में मचा कोहराम
- नायब तहसीलदार ने पुलिस बल के साथ पहुंचकर जुटाई जानकारी

विचौला गांव में बंदरों की घुड़की से रिटायर्ड फौजी की छत से गिरकर मौत

कलान/शाहजहांपुर : विचौला गांव में रिटायर्ड फौजी मकान की छत पर बैठा हुआ था। इस दौरान बंदरों का झुंड आ गया। फौजी ने बंदरों को भगाने का प्रयास किया तो बंदर उसके ऊपर दौड़ पड़े। वह मकान की छत से नीचे गिर गए। परिवार वाले अस्पताल ले गए, जहां डॉक्टर ने उसे मृत घोषित कर दिया।

कलान थाना क्षेत्र के ग्राम विचौला निवासी रिटायर्ड फौजी अरविंद सिंह यादव मुरादाबाद-फर्रुखाबाद मार्ग पर मकान बनाकर रहने लगे थे। सोमवार शाम वह छत पर थे। इस दौरान बंदरों का एक झुंड छत पर आ गया। उन्होंने बंदरों को भगाने का प्रयास किया तो बंदरों का झुंड उनके ऊपर दौड़ पड़ा।

अमृत विचार

www.amritvichar.com

ममता बनर्जी का पद छोड़ने से इन्कार करना संसदीय लोकतंत्र में अभूतपूर्व

संविधान विशेषज्ञों ने कहा- नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण करते ही छोड़ना होगा पद, राज्यपाल के पास बर्खास्त करने का भी विकल्प

कोलकाता, एजेंसी

पश्चिम बंगाल में चुनाव हारने के बाद तृणमूल कांग्रेस प्रमुख ममता बनर्जी ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा देने से इन्कार करके देश की राजनीति में खलबली मची दी है। संविधान विशेषज्ञों का कहना है कि पहले कभी ऐसी कल्पना तक नहीं की गई थी कि कोई मुख्यमंत्री चुनाव हारने के बाद पद छोड़ने से इन्कार कर देगा। न ही देश में ऐसा कोई उदाहरण है जब विधानसभा चुनाव हारने के बाद किसी पराजित मुख्यमंत्री ने इस्तीफा देने से इन्कार किया हो। संविधान विशेषज्ञों का कहना है कि ममता को पद छोड़ना ही होगा। हालांकि राज्यपाल के पास उन्हें बर्खास्त करने का भी विकल्प है।

संविधान विशेषज्ञों ने कहा कि ममता बनर्जी अगर अपने रुख पर अडिग रहती हैं तो यह भारत के संसदीय लोकतंत्र के विकास में अभूतपूर्व क्षण साबित हो सकता है। संविधान विशेषज्ञ और लोकसभा के पूर्व महासचिव पीडीटी आचार्य ने कहा कि नए मुख्यमंत्री के शपथ ग्रहण करते ही ममता बनर्जी को पद छोड़ना होगा, क्योंकि एक राज्य में दो मुख्यमंत्री नहीं हो सकते। उन्होंने कहा कि ममता बनर्जी निवर्तमान विधानसभा के लिए निर्वाचित हुई थीं और विधानसभा का कार्यकाल 7 मई को समाप्त हो रहा है। संवैधानिक प्रावधानों के अनुसार सरकार विधायिका के प्रति जवाबदेह होती है। कार्यकाल समाप्त होने पर सरकार को भी जाना पड़ता है।

ममता बनर्जी के बयान के बाद पश्चिम बंगाल के राज्यपाल के सामने मौजूद संवैधानिक या कानूनी विकल्पों के बारे में पूछे जाने पर वरिष्ठ अधिवक्ता और संवैधानिक कानून विशेषज्ञ राकेश द्विवेदी ने कहा कि राजनीतिक नैतिकता और संवैधानिक अनुशासन के अनुसार उन्हें इस्तीफा देना चाहिए। उन्होंने कहा, नई विधानसभा का चुनाव हो चुका है और जल्द ही भाजपा का कोई नेता मुख्यमंत्री पद के लिए दावेदारी पेश करेगा और राज्यपाल उसे मुख्यमंत्री नियुक्त करेंगे। अगर ममता बनर्जी इस्तीफा नहीं देती हैं, तो राज्यपाल उन्हें बर्खास्त कर देंगे। वरिष्ठ अधिवक्ता और सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन के पूर्व अध्यक्ष दुष्यंत दवे ने कहा, राज्यपाल को उन्हें बर्खास्त करना चाहिए। वरिष्ठ अधिवक्ता अजित सिन्हा ने कहा कि ममता बनर्जी को इस्तीफा देना चाहिए, अन्यथा नए मुख्यमंत्री के पदभार संभालने और सदन में बहुमत साबित करने के बाद वह पद हट जाएंगी। सिन्हा ने कहा, ममता को इस्तीफा देना होगा। प्रावधानों के अनुसार, राज्यपाल को बहुमत वाली पार्टी को सरकार बनाने के लिए बुलाना होगा और सदन में बहुमत साबित करना होगा नए मुख्यमंत्री के पदभार संभालने के बाद, मान लिया जाएगा कि वह पद से हट गई हैं।

अभिषेक बनर्जी ने जताया ईवीएम बदलने का शक

कोलकाता। तृणमूल कांग्रेस के नेता अभिषेक बनर्जी ने चुनाव में बड़े पैमाने पर अनियमितताओं का आरोप लगाया। कालीघाट में पार्टी सुप्रीमो ममता बनर्जी की प्रेसवार्ता में भाग लेने के बाद अभिषेक ने पत्रकारों से बातचीत में दावा किया कि ईवीएम में दर्ज वोट भले ही बरकरार रहें, लेकिन मशीनों को बदला जा सकता है, जिससे मूल आंकड़े बदल जाएंगे। उन्होंने आरोप लगाया, चुनाव में जिस तरह से धांधली हुई, उससे ईवीएम को बदले जाने का संदेह है। उन्होंने मतगणना स्थल पर लाई गई ईवीएम के सीरियल नंबर और फॉर्म 17सी में दर्ज रिकॉर्ड में विसंगतियों का भी आरोप लगाया। सवाल उठाया कि लंबे समय तक इस्तेमाल की जाने वाली मशीनों में 90 प्रतिशत से अधिक असामान्य रूप से उच्च बैटरी स्तर कैसे दिखाई दिया। उन्होंने मांग की कि मतगणना के दिन दोपहर 12 से शाम 6 बजे के बीच की सीसीटीवी रिकॉर्डिंग जारी की जाए।

जनादेश को नकार रही हैं ममता बनर्जी : भाजपा

भाजपा ने ममता बनर्जी के दावों को सिरे से खारिज करते हुए उन पर लोकतांत्रिक संस्थाओं को कमजोर करने और जनता के फैसले को नकारने का आरोप लगाया। पार्टी प्रवक्ता देबोजित सरकार ने कहा, उनकी टिप्पणियों को स्वीकार नहीं किया जा सकता। हमें लगता है कि वह कुछ और दिनों तक सुर्खियां बटोरने के लिए इस तरह की बेतुकी टिप्पणियां कर रही हैं। सरकार ने कहा, निर्वाचन आयोग ने शांतिपूर्ण मतदान सुनिश्चित किया और कहा कि मतदान के दोनों चरणों के दौरान हिंसा, गोलीबारी या मृत्यु की एक भी घटना नहीं हुई। इस बीच, निर्वाचन आयोग ने तृणमूल कांग्रेस प्रमुख द्वारा भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में अनियमितताओं के आरोपों को बेबुनियाद बताते हुए खारिज कर दिया।

विजय ने कांग्रेस से मांगा समर्थन, तमिलनाडु की पार्टी इकाई ने जताई सहमति

नई दिल्ली। कांग्रेस ने मंगलवार को कहा कि तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) नेता विजय ने तमिलनाडु में सरकार गठन के लिए उससे समर्थन मांगा है और आलाकमान ने पार्टी की प्रदेश इकाई को राज्य की भावनाओं को ध्यान में रखते हुए अंतिम निर्णय लेने का निर्देश दिया है। तमिलनाडु इकाई ने इसके लिए हामी भी भर दी है। कांग्रेस ने यह भी कहा कि तमिलनाडु का जनादेश धर्मनिरपेक्ष सरकार के लिए है और वह भाजपा तथा उसके प्रतिनिधि समूहों को सत्ता से दूर रखने के लिए प्रतिबद्ध है। पार्टी अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे, पूर्व अध्यक्ष राहुल गांधी, संगठन महासचिव केसी वेणुगोपाल और तमिलनाडु प्रभारी गिरीश चोडानकर के बीच मंत्रणा के बाद कांग्रेस नेतृत्व ने राज्य इकाई को यह निर्देश जारी किया। वेणुगोपाल ने कहा, टीवीके अध्यक्ष ने तमिलनाडु में सरकार बनाने के लिए समर्थन का अनुरोध किया है। उन्होंने अपने राजनीतिक मिशन में पेरुमथलाईवर कामराज से भी प्रेरणा लेने की बात कही है। कांग्रेस का मानना है कि तमिलनाडु में जनादेश ऐसी धर्मनिरपेक्ष सरकार के लिए है, जो संविधान की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध हो।

स्टालिन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दिया

चेन्नई। द्रविड़ मुनेत्र कषगम (द्रमुक) को सत्ता से बेदखल करने वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) की चुनावी जीत के एक दिन बाद मंगलवार को एमके स्टालिन ने मुख्यमंत्री पद से इस्तीफा दे दिया। वहीं टीवीके प्रमुख विजय ने बहुमत की कमी के बावजूद सरकार बनाने का भरोसा जताया। स्टालिन ने कहा कि उनकी पार्टी विपक्ष में रहते हुए भी प्रभावी ढंग से काम करेगी।

ममता बनर्जी के आवास के बाहर सुरक्षा में कमी, बैरिकेड भी आंशिक रूप से हटाए गए

कोलकाता। दक्षिण कोलकाता में हरीश चटर्जी स्ट्रीट पर निवर्तमान मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के आवास के बाहर एक दशक से अधिक समय से लगे बैरिकेड मंगलवार को आंशिक रूप से हटा दिए गए। यह कदम तृणमूल कांग्रेस के पश्चिम बंगाल की सत्ता गंवाने और भवानीपुर विधानसभा क्षेत्र में ममता की हार के एक दिन बाद उठाया गया। मंगलवार को पुलिसकर्मियों को नीले और सफेद रंग के बैरिकेड को हटाते हुए देखा गया, जिनके जरिये 30बी स्थित उनके आवास के पास की सड़क पर आम जनता की आवाजाही को प्रतिबंधित कर दिया गया था। हालांकि, कोलकाता पुलिस की ओर से इस सिलसिले में कोई आधिकारिक अधिसूचना जारी नहीं की गई थी, लेकिन मौके पर मौजूद एक अधिकारी ने कहा कि उन्हें मंगलवार सुबह ममता के आवास के बाहर लगाए गए स्मार्ट बैरिकेड हटाने के निर्देश दिए गए। अधिकारी के मुताबिक, आदेश में बैरिकेड हटाने की कोई वजह नहीं बताई गई है। उन्होंने कहा, वहां पुलिस चौकी अभी मौजूद है, लेकिन इलाके में उच्च स्तरीय सुरक्षा तैनाती में स्पष्ट रूप से कमी आई है।

राहुल गांधी की बात नहीं सुनकर ममता बनर्जी ने की सबसे बड़ी गलती: राउत

मुंबई। शिवसेना (उबाठा) सांसद संजय राउत ने मंगलवार को कहा कि ममता बनर्जी ने कांग्रेस नेता राहुल गांधी की बात न सुनकर और उनसे गठबंधन के संबंध में वार्ता न करके बड़ी गलती की, वर्ना चुनाव के नतीजे कुछ और होते। राउत ने पत्रकारों से बात करते हुए दावा किया कि पश्चिम बंगाल में भाजपा की जीत लोकतंत्र की जीत नहीं है, क्योंकि एसआईआर के माध्यम से लाखों मतदाताओं के नाम हटा दिए गए। उन्होंने कहा कि विधानसभा चुनाव में ममता बनर्जी और तमिलनाडु के मुख्यमंत्री स्टालिन जैसे प्रमुख विपक्षी नेताओं की हार के बावजूद विपक्षी गठबंधन इंडिया का भविष्य उज्ज्वल है। उन्होंने कहा, लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल और तमिलनाडु के चुनावों में धांधली के बारे में जो कुछ भी कहा था, वह सच साबित हुआ। वह एक दूरदर्शी नेता हैं। उन्होंने यह भी कहा कि इंदिरा गांधी ने भी एक समय अधिकांश राज्यों में जीत हासिल की थी, फिर भी उन्हें बाद में करारी हार का सामना करना पड़ा। राउत ने कहा कि भाजपा भी इस समय शिखर पर है और भविष्य में उसे भी हार का सामना करना पड़ेगा।

न्यूज ब्रीफ

आयोग ने नवनिर्वाचित विधान सभा गठन की अधिसूचनाएं भेजीं

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने असम, केरल, तमिलनाडु और पश्चिम बंगाल तथा केंद्र शासित क्षेत्र पुडुचेरी में नयी विधान सभाओं के गठन के संबंध में संबंधित माननीय राज्यपालों और उप-राज्यपाल को अधिसूचनाएँ भेज दी हैं। यह जानकारी आयोग के अधिकारियों ने मंगलवार को दी। आयोग ने इन चारों विधान सभा के चुनाव कार्यक्रम 15 मार्च को घोषित किये थे। इन पांचो राज्यों/ केंद्र शासित क्षेत्रों में विधान सभा के आम चुनाव तीन चरणों में 9 अप्रैल, 23 अप्रैल और 29 अप्रैल को कराये गये थे। असम विधानसभा के 126 निर्वाचन क्षेत्रों, केरल के140, पुडुचेरी के 30 , तमिलनाडु के 234 तथा पश्चिम बंगाल विधान सभा के 294 में से 293 क्षेत्रों के चुनाव परिणाम सोमवार को मतगणना के बाद घोषित किये जा चुके हैं। पश्चिम बंगाल की एक सीटा (फाल्टा) पर 21 मई को पुनर्मतदान कराया जाएगा।

मतपत्रों से छेड़छाड़ पर भाजपा नेता पर दर्ज प्राथमिकी पर रोक

बेंगलुरु। कर्नाटक हाईकोर्ट ने भाजपा के नेता डीएन जीवराज के खिलाफ दर्ज उस प्राथमिकी पर मंगलवार को रोक लगा दी, जिसमें उन पर शृंगेरी विधानसभा क्षेत्र में डाक मतपत्रों की पुनर्गणना के दौरान उनमें छेड़छाड़ करके नतीजों में हेरफेर करने का आरोप लगाया गया है। न्यायमूर्ति वी श्रीशानंद की अध्यक्षता वाली पीठ ने राज्य सरकार को संबंधित सामग्री अदालत के समक्ष पेश करने का निर्देश दिया। जीवराज को 2023 में संपन्न कर्नाटक विधानसभा चुनाव के तीन साल बाद तीन मई 2026 को शृंगेरी विधानसभा क्षेत्र से विजेता घोषित किया गया था। इस विधानसभा क्षेत्र का प्रतिनिधित्व पहले कांग्रेस नेता टीडी राजेगौड़ा करते थे।

पश्चिम बंगाल : चुनाव परिणाम आते ही तृणमूल के कार्यालयों में तोड़फोड़, आगजनी की घटनाएं

राज्य भर में शुरू हुआ हिंसा का दौर, एक टीएमसी कार्यकर्ता की बेरहमी की हत्या, दो उम्मीदवारों के साथ भी मारपीट

कोलकाता, एजेंसी

विधानसभा चुनावों में भाजपा की भारी जीत सुनिश्चित होते ही पूरे पश्चिम बंगाल में हिंसा की घटनाएं शुरू हो गईं। अलग-अलग इलाकों में तोड़फोड़, मारपीट और हिंसा की घटनाएं हुईं। इस हिंसा में टीएमसी के नानूर अंचल समिति के सदस्य अबीर शेख की नानूर जिले के संतोषपुर गांव में बेरहमी से हत्या कर दी गई। अलीपुरदुआर कस्बे में एक बुजुर्ग महिला पर भी बेरहमी से हमला किया गया। तृणमूल के दो उम्मीदवारों को भी पीटा गया। हालांकि, भाजपा ने इन घटनाओं में पार्टी कार्यकर्ताओं का हाथ होने से इन्कार किया है।

सोमवार दोपहर से ही भाजपा के झंडे लिए भीड़ ने कोलकाता के टॉलीगंज और कस्बा के अलावा बारुईपुर, कमरहटी, बारानगर उपनगरों तथा हावड़ा एवं बहरामपुर स्थित टीएमसी कार्यालयों में आगजनी और तोड़फोड़ शुरू कर दीं। टॉलीगंज के बिजयगढ़-नेताजी नगर इलाके में तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार और पूर्व मंत्री अरूप बिस्वास के चुनाव कार्यालय में भीड़ ने तोड़फोड़ की। भीड़ में से कुछ लोगों को टूटे हुए होर्डिंग को लात मारते हुए देखा गया। रूबी क्रॉसिंग पर तृणमूल कांग्रेस पार्षद सुशांत घोष के कार्यालय में भाजपा के झंडे लिए भीड़ ने जमकर उत्पात मचाया। तृणमूल ने मुर्शिदाबाद में भी अपने पार्टी कार्यालय पर हिंसक हमले का आरोप लगाया। हावड़ा के उदयनारायणपुर में अपने उम्मीदवार पर हमले का आरोप लगाते हुए पार्टी ने कहा, हमारे उम्मीदवार समीर पांजा पर हुआ क्रूरतापूर्ण हमला भाजपा की हिंसक मानसिकता का प्रमाण है। यह लोकतंत्र नहीं है, सरासर गुंडागर्दी है।

उत्तरी कोलकाता के मानिकतला से तृणमूल कांग्रेस उम्मीदवार श्रेया पांडे ने सोशल मीडिया पर एक अधेड़ उम्र के पार्टी नेता का वीडियो साझा किया, जिनकी कमीज खून से सनी थी। उन्होंने आरोप लगाते हुए कहा कि यह व्यक्ति उनका चुनाव प्रतिनिधि था जिसे मतगणना के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं ने पीटा था। वह भाजपा के तापस रॉय से 15,644 वोट के अंतर से हार गईं। तृणमूल कांग्रेस ने सोशल मीडिया पर एक वीडियो पोस्ट किया जिसमें सिलीगुड़ी स्थित उसके पार्टी कार्यालय में आगजनी के दृश्य दिख रहे हैं। तृणमूल कांग्रेस के नोआपाड़ा से उम्मीदवार त्रिनांकुर भट्टाचार्य और बैरकपुर के राज चक्रवर्ती के साथ मतगणना केंद्रों से निकलते समय मारपीट की गई। उन्हें केंद्रीय बलों के कर्मियों ने सुरक्षित बाहर निकाला। भाजपा के राहुल सिन्हा ने हिंसा की निंदा की, लेकिन कहा कि यह 2021 जैसा नहीं है, जब मतगणना के तुरंत बाद तृणमूल ने हमारे पदाधिकारियों पर हमला किया था और कई पार्टी कार्यालयों में आग लगा दी थी तथा राज्य पुलिस ने कोई कार्रवाई नहीं की थी।

कोलकाता में तृणमूल कांग्रेस के कार्यालय के बाहर तोड़फोड़ करते उपद्रवी।

चुनाव आयोग ने दिए हिंसा न होने देने के निर्देश

नई दिल्ली। चुनाव आयोग ने पश्चिम बंगाल के प्रशासन और पुलिस तथा वहां चुनाव ड्यूटी भेजे गए केंद्रीय पुलिस बलों के शीर्ष अधिकारियों को राज्य में चुनाव के बाद चुनाव से जुड़ी किसी प्रकार की हिंसा की घटना के विरुद्ध सख्त रवैया अपनाने के निर्देश दिए हैं। आयोग के सूत्रों ने कहा, आयोग ने पश्चिम बंगाल के मुख्य सचिव , पुलिस महानिदेशक और केंद्रीय सशस्त्र पुलिस बलों को निर्देश दिया है कि वे चुनाव के बाद होने वाली किसी भी हिंसा की कतई अनदेखी न करें।

भाजपा ने सत्ता में आते ही रंग दिखा दिया: टीएमसी

इन घटनाओं की निंदा करते हुए तृणमूल कांग्रेस ने एक्स पर लिखा, भाजपा ने सत्ता में आते ही अपना असली रंग दिखा दिया है। तोड़फोड़ और अराजकता, यही भाजपा का असली चेहरा है। यह भाजपा के घटिया राजनीति में उतरने का संकेत है। टीएमसी सांसद सागरिका घोष ने शव का एक वीडियो साझा करते हुए लिखा, भयानक, दिल दहला देने वाला। व्यापक हिंसा में टीएमसी कार्यकर्ता की हत्या। निर्वाचन आयोग के एक अधिकारी ने कहा कि तोड़फोड़ और हमले में शामिल लोगों के खिलाफ सख्त कार्रवाई की जाएगी और आगे की कार्रवाई के लिए स्थानीय पुलिस से रिपोर्ट मांगी गई है।

हिंसा में शामिल लोगों को पार्टी से निकालेंगे : समिक

कोलकाता। भाजपा की प्रदेश इकाई के अध्यक्ष समिक भट्टाचार्य ने मंगलवार को प्रशासन से आग्रह किया कि वह चुनाव के बाद हिंसा करने वालों के खिलाफ उनकी राजनीतिक पार्टी की परवाह किए बिना कड़ी कार्रवाई करे। बिधाननगर पार्टी कार्यालय में शीर्ष नेतृत्व के साथ बैठक के बाद भट्टाचार्य ने कहा कि हिंसा में शामिल लोगों के खिलाफ कड़ी कार्रवाई की जानी चाहिए। ऐसी गतिविधियों में शामिल पाए गए भाजपा कार्यकर्ताओं को पार्टी से निष्कासित कर दिया जाएगा। चुनाव के बाद किसी भी तरह की हिंसा बर्दाश्त नहीं की जाएगी।

मैं अब आम इंसान, सड़कों पर रहूंगी और अत्याचारों के खिलाफ लड़ूंगी : ममता

ताजा विवाद के बीच ममता बनर्जी ने मीडिया से कहा, जब तक मैं कुर्सी पर थी, मैंने बहुत कुछ सहन किया। अब मैं एक स्वतंत्र पंछी हूं, एक आम इंसान हूं। मैं एक जमीनी कार्यकर्ता हूं। मैं सड़कों पर रहूंगी और सभी अत्याचारों के खिलाफ लड़ूंगी। उन्होंने यह भी संकेत दिया कि संवैधानिक विकल्प अभी भी खुले हैं। उन्होंने कहा, वे संवैधानिक मानदंडों के अनुसार कार्रवाई कर सकते हैं। ममता बनर्जी ने राष्ट्रीय स्तर पर ध्यान केंद्रित करने की भी कोशिश की और इस बात पर जोर दिया कि वह विपक्षी इंडिया गठबंधन को मजबूत करने पर काम करेंगी। उन्होंने कहा, इंडिया गठबंधन के नेताओं ने मुझे फोन करके एकजुटता व्यक्त की। सोनिया जी और राहुल गांधी ने भी मुझसे बात की है। उन्हें अरविंद केजरीवाल, उद्धव ठाकरे, अखिलेश यादव और हेमंत सोरेन जैसे नेताओं के भी फोन आए। हालांकि, राजनीतिक जानकारों का कहना है कि ममता बनर्जी का कांग्रेस से नजदीकी बढ़ाना थोड़ा विरोधाभासी है, क्योंकि उनकी पार्टी पहले कांग्रेस और उसके नेताओं, खासकर राहुल गांधी, की आलोचना करती रही है और कई राज्यों जैसे पश्चिम बंगाल और त्रिपुरा में दोनों के बीच अक्सर मतभेद भी रहे हैं। बनर्जी ने चुनाव के बाद हुई हिंसा से प्रभावित क्षेत्रों का दौरा करने और जमीनी स्थिति का आकलन करने के लिए 10 सदस्यीय तथ्यान्वेषी समिति के गठन की भी घोषणा की। उन्होंने 2021 में चुनाव के बाद हुई हिंसा के आरोपों को निराधार बताया।

- कहा- अब इंडिया गठबंधन को मजबूत करने का काम करूंगी

एक ही परिवार के तीन सदस्यों ने जीता चुनाव

चेन्नई/पुडुचेरी। तमिलनाडु और पुडुचेरी विधानसभा चुनाव में एक ही परिवार के तीन सदस्य अलग-अलग राज्यों और अलग-अलग दलों से चुनाव जीतकर विधायक बने हैं। ये तीनों लॉटरी किंग सैंटियागो मार्टिन के परिवार के सदस्य हैं। एक ने पुडुचेरी और दो ने तमिलनाडु से जीत दर्ज की है।पुडुचेरी में सैंटियागो मार्टिन के पुत्र जोस चार्ल्स मार्टिन ने राजग के उम्मीदवार के रूप में कामराज नगर सीट से जीत हासिल की। तमिलनाडु में उनकी मां लीमा रोज मार्टिन ने तिरुचिरापल्ली जिले की लालगुड़ी सीट से अन्नाद्रमुक उम्मीदवार के रूप में चुनाव जीता। चेन्नई के विल्लीवक्कम निर्वाचन क्षेत्र से अभिनेता विजय की पार्टी टीवीके के उम्मीदवार और अभियान प्रबंधन महासचिव आधव अर्जुना ने चुनाव जीता जो लीमा रोज मार्टिन के दामाद हैं।

बंगाल में आठ फीसदी बढ़ा भाजपा का वोट, 130 सीटों का हुआ लाभ

- जिन सीटों पर 85 % से ज्यादा मतदान, वहां ज्यादा बड़ी जीत

कोलकाता। पश्चिम बंगाल में 2021 के विधानसभा चुनाव के मुकाबले इस बार भाजपा के मत-प्रतिशत में लगभग आठ प्रतिशत की वृद्धि हुई है, जिससे पार्टी ने इस बार राज्य में 130 अतिरिक्त सीट हासिल कीं।

निर्वाचन आयोग के आंकड़ों के आधार पर विश्लेषकों का मानना है कि मत-प्रतिशत में इस स्तर की वृद्धि तभी संभव हो सकी है जब हिंदू एकजुट हुए, साथ ही अल्पसंख्यक समुदाय के मतों में भी कुछ हद तक बिखराव देखने को मिला। आंकड़ों का इशारा यह भी है कि जिन सीट पर मतदान 85 प्रतिशत से अधिक था, वहां भाजपा ने बड़ी जीत दर्ज की, जबकि जिन सीट पर 95 प्रतिशत या उससे अधिक मतदान हुआ, वहां दोनों प्रमुख दलों का प्रदर्शन लगभग बराबर रहा।

आयोग के अनुसार, भाजपा को इस बार 45.84 प्रतिशत वोट मिले, 2021 में उसे 37.97 प्रतिशत वोट मिले थे। तृणमूल कांग्रेस का मत प्रतिशत 2021 के 48.02 प्रतिशत से घटकर 40.8 प्रतिशत रह गया, यानी 7.22 प्रतिशत की गिरावट। उसे इससे 135 सीट का नुकसान हुआ।

कोलकाता के डीसीपी के खिलाफ ईडी ने जारी किया लुकआउट सर्कुलर

नई दिल्ली/कोलकाता, एजेंसी

- धनशोधन मामले में है वांछित, कई समन के बाद भी नहीं हुआ पेश

प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने धन शोधन मामले में कोलकाता पुलिस के उपायुक्त (डीसीपी) शांतनु सिन्हा बिस्वास के खिलाफ लुकआउट सर्कुलर जारी किया है ताकि वह देश छोड़कर न जा सकें। यह लुकआउट सर्कुलर बिस्वास की ओर से ईडी द्वारा धन शोधन मामले की जांच के सिलसिले में जारी किए गए कई समन को नजरअंदाज करने के बाद जारी किया गया है।

ईडी अधिकारियों के मुताबिक यह जांच बिस्वजीत पोद्दार उर्फ सोना पप्पू के नेतृत्व वाले अपराध से जुड़े एक गिरोह के खिलाफ है। ईडी ने पिछले महीने कोलकाता के बालीगंज इलाके में बिस्वास के घर पर छापा मारा था। इससे पहले ईडी ने स्थानीय कारोबारी जय एस कामदार को गिरफ्तार किया था। धन शोधन की जांच कोलकाता पुलिस द्वारा पोद्दार के खिलाफ दर्ज प्राथमिकी के आधार पर की जा रही है, जिसमें उस पर दंगा, हत्या के प्रयास, आपराधिक साजिश और शस्त्र अधिनियम के उल्लंघन में संलिप्तता का आरोप है। ईडी ने नौ अप्रैल को एक बयान में आरोप लगाया कि पोद्दार समेत आरोपी पश्चिम बंगाल राज्य में संगठित आपराधिक गिरोह की गतिविधियों में शामिल थे और गिरोह के संचालन के जरिए अवैध रूप से धन जुटा रहे थे।

पोद्दार कोलकाता के गोलपार्क के पास कंकुलिया रोड पर हुई हिंसा के एक मामले में भी पुलिस द्वारा वांछित है और फिलहाल फरार है। ईडी ने पोद्दार को भी पेशी के लिए समन जारी किया है।

जालंधर में बीएसएफ मुख्यालय के नजदीक धमाका, इलाके में दहशत

- पार्सल देने आए डिलीवरी ब्वाय की स्कूटी में था विस्फोटक, जांच शुरू

जालंधर, एजेंसी

सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) पंजाब फ्रंटियर जालंधर मुख्यालय के नजदीक मंगलवार को एक स्कूटी में धमाका होने से इलाके में दहशत का माहौल व्याप्त हो गया। यह धमाका जिस स्कूटी में हुआ, उसे फ्लिपकार्ट के डिलीवरी कर्मी से जुड़ा बताया जा रहा है। वह रात करीब 8:15 बजे स्कूटी खड़ी कर पार्सल देने बीएसएफ मुख्यालय परिसर में गया था। कुछ ही देर बाद स्कूटी में जोरदार धमाका हो गया।

पुलिस आधिकारिक सूत्रों के अनुसार स्कूटी में रखी किसी विस्फोटक सामग्री में धमाका हुआ हो सकता है। हालांकि अधिकारियों ने अभी तक विस्फोट के सटीक कारण की पुष्टि नहीं की है। घटना के समय बीएसएफ मुख्यालय से गुरुनानकपुरा जाने वाली सड़क के पास सब्जी मंडी क्षेत्र में कई लोग मौजूद थे। अचानक हुए तेज धमाके से खरीदारी कर रहे लोगों में अफरा-तफरी मच गई और शुरुआत में किसी को समझ नहीं आया कि हुआ क्या है। सूचना मिलते ही पुलिस टीमें मौके पर पहुंच गईं और इलाके को घेर लिया गया। सुरक्षा एजेंसियों के साथ बीएसएफ के अधिकारी भी घटनास्थल पर मौजूद हैं। मामले की विस्तृत जांच शुरू कर दी गई है।

अधिकारियों का कहना है कि जांच पूरी होने के बाद ही धमाके के असली कारण का पता चल सकेगा। पुलिस ने स्कूटी चालक को हिरासत में लेकर गहन पूछताछ शुरू कर दी है. सुरक्षा एजेंसियां हर पहलू से मामले की जांच में जुटी हैं। जालंधर पुलिस आयुक्त धनप्रीत कौर ने कहा कि स्कूटी पर दो लड़के आए थे दोनों लड़कों को पुलिस और सुरक्षा बलों ने हिरासत में रखा है।

स्कूटी में विस्फोट के बाद मौके पर जांच करते पुलिस अधिकारी।

अहम फैसले

केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में सरकार ने लिए किसानों के हित में कई निर्णय

गन्ना मूल्य 10 रुपये बढ़ाकर 365 रुपये प्रति क्विंटल किया

नई दिल्ली, एजेंसी

सरकार ने मंगलवार को अक्टूबर से शुरू होने वाले 2026-27 सत्र के लिए गन्ने का उचित और लाभकारी मूल्य 10 रुपये बढ़ाकर 365 रुपये प्रति क्विंटल कर दिया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में केंद्रीय मंत्रिमंडल की बैठक में गन्ने के उचित और लाभकारी मूल्य (एफआरपी) पर यह फैसला किया गया।

सूचना एवं प्रसारण मंत्री अश्विनी वैष्णव ने बताया, 10.25 प्रतिशत की मूल प्राप्ति (रिकवरी) दर के लिए एफआरपी 365 रुपये प्रति क्विंटल होगा। हर 10.25 प्रतिशत से ऊपर रिकवरी में 0.1 प्रतिशत की बढ़ोतरी पर, एफआरपी में 3.56 रुपये प्रति क्विंटल की बढ़ोतरी होती है। इससे ज्यादा रिकवरी को प्रोत्साहन मिलता है। मंत्री ने कहा कि एफआरपी उत्पादन लागत (अखिल भारतीय भारित लागत) का 200.5 प्रतिशत है।किसानों को एक लाख करोड़ रुपये से ज्यादा मिलने की उम्मीद है। सरकार कृषि लागत और मूल्य आयोग (सीएसीपी) की सिफारिशों के आधार पर गन्ने का एफआरपी तय करती है।

देश में कपास की उत्पादकता बढ़ाने को 5,659 करोड़ रुपये के मिशन को दी गई मंजूरी

नई दिल्ली। सरकार ने कपास क्षेत्र में घटती वृद्धि, उत्पादकता और गुणवत्ता संबंधी चुनौतियों से निपटने के लिए मंगलवार को 5,659 .22 करोड़ रुपये के एक पंचवर्षीय मिशन को मंजूरी दी। आधिकारिक बयान के मुताबिक, यह मिशन कपास क्षेत्र की बाधाओं को दूर करने और उत्पादकता बढ़ाने पर केंद्रित होगा। नवीनतम अनुमानों के मुताबिक, फसल वर्ष 2025-26 में देश का कपास उत्पादन 170 किलोग्राम की गांठों के हिसाब से 291 लाख गांठ रहा है। बयान के मुताबिक, यह मिशन सरकार के '5एफ विजन' यानी खेत (फार्म) से रेशा (फाइबर), फाइबर से कारखाना (फैक्ट्री), फैक्ट्री से फैशन और फैशन से विदेशी बाजार के अनुरूप है और इसका मुख्य जोर कपास की उत्पादकता बढ़ाने पर रहेगा। बयान में कहा गया कि उच्च उपज देने वाली और रोग-कीट प्रतिरोधी बीज किस्मों के विकास, आधुनिक कृषि तकनीकों के विस्तार और उनके व्यापक उपयोग के जरिए कपास की उत्पादकता बढ़ाई जाएगी।

अमृत विचार

बुधवार, 6 मई 2026

अपने जीवन से मनुष्य को सबसे बड़ी शिक्षा यह लेनी चाहिए कि संसार में दुःख है, किंतु उसे सुख में बदलना उसके हाथ में है।
–रवींद्र नाथ टैगोर, साहित्यकार

अंतरिक्ष में आत्मनिर्भरता

भारत के अंतरिक्ष कार्यक्रम में 'मिशन दृष्टि' का प्रक्षेपण एक महत्वपूर्ण तकनीकी उपलब्धि के साथ-साथ रणनीतिक आत्मनिर्भरता और अंतरिक्ष क्षेत्र में निजी क्षेत्र की परिपक्वता का सशक्त प्रमाण भी है। बेंगलुरु स्थित स्टार्टअप गैलेक्सआई द्वारा विकसित यह ऑप्टोसार उपग्रह, पृथ्वी अवलोकन की परंपरागत सीमाओं को तोड़ते हुए भारत को वैश्विक अंतरिक्ष प्रतिस्पर्धा में एक नई पहचान है। अमेरिका के कैलीफोर्निया में स्पेसएक्स के फॉकन 9 रॉकेट से 190 किलो वजनी देश के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र द्वारा निर्मित सबसे भारी उपग्रह का सफल प्रक्षेपण, वैश्विक साझेदारी और तकनीकी लचीलेपन का उदाहरण है, परंतु इस मिशन की वास्तविक शक्ति इसके 'ऑप्टोसार' तकनीक में निहित है, जहां इलेक्ट्रो-ऑप्टिकल और सिंथेटिक एपर्चर रडार सेंसर का संयोजन इसे हर मौसम और दिन-रात निगरानी में सक्षम बनाता है। यह क्षमता अब तक सीमित देशों या अलग-अलग प्रणालियों में बंटी हुई थी, जबकि भारत ने इसे एकीकृत रूप में प्रस्तुत किया है।

रणनीतिक दृष्टि से यह उपलब्धि 'गेम चेंजर' है। भारत को लंबे समय तक उच्च-रिज़ॉल्यूशन इमेजिंग के लिए विदेशी कंपनियों, विशेषकर अमेरिकी स्रोतों पर निर्भर रहना पड़ा। पहलगाम हमले के बाद की सैन्य कार्रवाइयों के दौरान सटीक उपग्रह चित्रों की कमी और बाहरी निर्भरता के कारण प्राप्त चित्रों को भी साझा न करने की हमारी कमजोरी को उजागर किया था। मिशन दृष्टि इस निर्भरता को समाप्त करता है और भारत को 'सॉवरेन स्पेस इंटेलिजेंस' की दिशा में ले जाता है। अब सेना को बादलों, अंधेरे या प्रतिकूल मौसम की बाधाओं के बिना वास्तविक समय में सीमा पार गतिविधियों की जानकारी मिल सकेगी और वह उसे साझा भी कर सकेगा। साथ ही साथ यह मिशन केवल रक्षा तक सीमित नहीं है। कृषि मॉनिटरिंग, आपदा प्रबंधन, तटीय सुरक्षा और शहरी नियोजन जैसे क्षेत्रों में इसकी उपयोगिता व्यापक है। बाढ़ या चक्रवात के समय त्वरित और सटीक डेटा निर्णय लेने की क्षमता को कई गुना बढ़ा सकता है। इस प्रकार, मिशन दृष्टि 'ड्यूल-यूज़ टेक्नोलॉजी' का उत्कृष्ट उदाहरण है, जहां नागरिक और सैन्य दोनों लाभ एक साथ प्राप्त होते हैं। इस का सबसे महत्वपूर्ण पहलू यह है कि यह भारत के निजी अंतरिक्ष क्षेत्र की तीव्र बढ़त को दर्शाता है। गैलेक्सआई जैसे स्टार्टअप का मात्र पांच वर्षों में इस स्तर की तकनीक विकसित करना बताता है कि सरकारी सुधार, जैसे निजी भागीदारी को प्रोत्साहन और इसरो की वाणिज्यिक इकाई के साथ साझेदारी, अब परिणाम देने लगे हैं। यह परिवर्तन भारत के अंतरिक्ष पारिस्थितिकी तंत्र को सरकारी एकाधिकार से निकालकर नवाचार-प्रधान मॉडल की ओर ले जा रहा है।

वैश्विक संदर्भ में देखें तो अमेरिका, चीन और यूरोप जैसे देश पृथ्वी अवलोकन में अग्रणी रहे हैं, लेकिन ऑप्टोसार जैसी एकीकृत प्रणाली भारत को तकनीकी बढ़त देती है। यह न केवल सुरक्षा बल्कि 'स्पेस इकोनॉमी' में भी भारत की हिस्सेदारी बढ़ाने का माध्यम बन सकता है, क्योंकि डेटा सेवाओं का वैश्विक बाजार तेजी से विस्तार कर रहा है। 'मिशन दृष्टि' भारत की अंतरिक्ष यात्रा में एक निर्णायक मोड़ है। यह आत्मनिर्भरता, नवाचार और रणनीतिक सोच के संगम का प्रतीक है।

प्रसंगवश

जन विश्वास अधिनियम दंड से संवाद तक

कानूनों की दुनिया में 'विश्वास' एक सरल शब्द नहीं है। यह केवल प्रशासनिक सुविधा या आर्थिक गतिशीलता का प्रश्न नहीं, बल्कि राज्य और नागरिक के बीच उस अदृश्य संबंध का सूचक है, जिसकी मजबूती पर लोकतंत्र की वास्तविकता टिकी होती है। ऐसे में संसद द्वारा पारित जन विश्वास अधिनियम, 2026 को केवल एक विधायी संशोधन के रूप में पढ़ना पर्याप्त नहीं होगा, इसे उस दीर्घकालिक प्रवृत्ति के रूप में देखना होगा, जिसमें भारतीय राज्य अपने दंडात्मक ढांचे की पुनर्समीक्षा कर रहा है।

पहली नज़र में, यह विधेयक एक सकारात्मक और व्यावहारिक हस्तक्षेप की तरह सामने आता है। लंबे समय से यह शिकायत रही है कि भारत की नियामक व्यवस्था में छोटे-छोटे उल्लंघनों को भी आपराधिक दायरे में रख दिया गया था, जिससे न केवल न्यायालयों पर अनावश्यक बोझ बढ़ता था, बल्कि

जय प्रकाश पांडेय
लेखक

व्यापार और सामान्य जीवन दोनों में एक प्रकार का 'अनिश्चित भय' बना रहता था। इस भय का सीधा असर अनुपालन पर नहीं, बल्कि पहल करने की इच्छा पर पड़ता था।' इस संदर्भ में, इस विधेयक का उद्देश्य व्यवसाय करने की सहजता और जीवन-यापन की सरलता को सुदृढ़ करना केवल नीतिगत नारा नहीं, बल्कि एक वास्तविक प्रशासनिक आवश्यकता के रूप में सामने आता है।

717 प्रावधानों का डिक्रिमिनलाइजेशन, 79 केंद्रीय अधिनियमों में 784 संशोधन, और 'चेतावनी–सुधार–दंड' जैसी ग्रेडेड प्रवर्तन प्रणाली ये सभी संकेत देते हैं कि शासन अब दंडात्मक नियंत्रण से हटकर अनुपालन-आधारित ढांचे की ओर बढ़ना चाहता है। 'सुधार सूचना' जैसी अवधारणा विशेष रूप से उल्लेखनीय है, जहां पहली बार उल्लंघन को सुधार के अवसर के रूप में देखा गया है, न कि तत्काल अपराध के रूप में। यह परिवर्तन, कम से कम सिद्धांत रूप में, राज्य और नागरिक के बीच संबंध को अधिक संवादात्मक और कम दमनकारी बनाने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

इसके अतिरिक्त, 'निर्णयन अधिकारी' और 'अपील प्राधिकरण' की व्यवस्था न्यायिक प्रक्रिया को अधिक सरल और समयबद्ध बनाने का प्रयास है। छोटे मामलों को अदालतों से बाहर निकालकर प्रशासनिक स्तर पर निपटाने की यह सोच, यदि पारदर्शिता के साथ लागू होती है, तो न्यायिक लंबित मामलों के संकट को कुछ हद तक कम कर सकती है। इसी तरह, दंड और जुर्मानों की आवधिक समीक्षा (हर तीन वर्ष में 10 प्रतिशत वृद्धि) यह संकेत देती है कि कानून को स्थिर नहीं, बल्कि समयानुकूल बनाए रखने का प्रयास किया गया है।

यहां यह स्वीकार करना होगा कि 717 प्रावधानों का 'डिक्रिमिनलाइजेशन' केवल सांख्यिकीय उपलब्धि नहीं है, बल्कि यह उस लंबे समय से चली आ रही दंड-केंद्रित सोच से एक आंशिक विचलन है। यह उस मानसिकता में परिवर्तन का संकेत है, जहां राज्य अपने नागरिक को संभावित अपराधी के रूप में देखने के बजाय एक त्रुटिपूर्ण किंतु सुधार योग्य इकाई के रूप में देखने का प्रयास कर रहा है। चेतावनी, सलाह और सुधारात्मक नोटिस जैसे प्रावधान इसी दिशा में संकेत करते हैं। मानो शासन यह स्वीकार कर रहा हो कि हर त्रुटि के पीछे अपराधबोध नहीं, कभी-कभी केवल अज्ञान या प्रक्रिया की जटिलता होती है।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

जनगणना-2027 देर आयद दुरुस्त आयद

अनिल त्रिगुणायत
लखनऊ

2021 में होने वाली जनगणना कोविड त्रासदी की भेंट चढ़ गई। लोगों के मन में यह प्रश्न जरूर है कि उसके बाद इस आवश्यक प्रक्रिया में इतनी देर क्यों कर दी गई?

विश्व की सर्वाधिक आबादी वाले देश भारत में जनगणना करीब पांच वर्ष की देरी के बाद अंततः शुरू हो गई है। 2021 में होने वाली जनगणना कोविड की भेंट चढ़ गई। आम भारतीय में यह प्रश्न जरूर है कि केंद्र व राज्य सरकार की भारी-भरकम मशीनरी ने वास्तव में इस आवश्यक प्रक्रिया में इतनी देर क्यों कर दी? जब जनगणना प्रक्रिया को डिजिटल स्वरूप ही प्रदान करना था, तो दो-तीन वर्ष पूर्व क्यों नहीं की गई? इसका ठोस जवाब कदाचित संबंधित एजेंसी के पास भी नहीं है। समय पर जनगणना न होने से सरकारी योजनाओं के क्रियान्वयन, संसाधनों के आवंटन व नीति-निर्माण में अनेकानेक बाधाएं आती हैं। ...तो यह मान लिया जाए कि विगत करीब पांच वर्ष तक केंद्र व राज्य की संदर्भित गतिविधियां स्मृति या कयास आधारित रही? उक्त दिनों में नीति-नियंताओं को योजना बनाने में कठिनाई हुई होगी, संसाधनों का त्रुटिपूर्ण आवंटन भी किया गया होगा। गरीब तबके को असमान संसाधन वितरण का सामना करना पड़ा होगा। निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन में दिक्कतें आई होंगी, स्वास्थ्य व आपातकालीन प्रबंधन भी प्रभावित हुआ होगा।

जनगणना किसी देश की जनसंख्या से संबंधित जानकारी एकत्र करने की एक महत्वपूर्ण प्रक्रिया है। इसमें देश के लोगों की संख्या, आयु, लिंग, शिक्षा, रोजगार, निवास स्थान आदि के बारे में विस्तृत जानकारी प्राप्त की जाती है। इसके माध्यम से सरकार को यह पता चलता है कि देश में कितने लोग रहते हैं, उनकी सामाजिक व आर्थिक स्थिति कैसी है। इस जानकारी के आधार पर सरकार शिक्षा, स्वास्थ्य, आवास, रोजगार और परिवहन जैसी योजनाएं बनाती है। यदि सही जनगणना न हो, तो सरकार को लोगों की वास्तविक आवश्यकताओं का पता नहीं चल पाएगा। योजनाओं का लाभ लोगों तक सही ढंग से नहीं पहुंच सकेगा। जनगणना से यह भी जानकारी होती है कि किसी क्षेत्र में जनसंख्या कितनी तेजी से बढ़ या घट रही है। इससे भविष्य के नियोजन में सहायता मिलती है। संसाधनों का सही वितरण करने में सहायता मिलती है। भारत में पहली आधुनिक जनगणना ब्रिटिश औपनिवेशिक काल के दौरान वर्ष 1865 से 1872 तक आयोजित की गई थी, लेकिन यह देश के सभी क्षेत्रों में एक साथ नहीं हुई थी। पहली गैर-समकालिक जनगणना वर्ष 1872 में लॉर्ड मेयो (तत्कालीन वायसराय) के समय हुई थी। लार्ड रिपन के समय में भारत की पहली समन्वित जनगणना वर्ष 1881 में आयोजित की गई थी। वर्ष 1949 के बाद से गृह मंत्रालय के अधीन भारत के महारजिस्ट्रार एवं जनगणना आयुक्त द्वारा जनगणना कराई जाती है।

जनगणना भारत के संविधान के अनुच्छेद 246 के अनुसार संघ का विषय है। संविधान की सातवीं अनुसूची के क्रम संख्या 69 में सूचीबद्ध है। आजाद भारत ने अपनी पहली जनगणना वर्ष 1951 में आयोजित की। सातवीं जनगणना वर्ष 2011 में कराई गई थी। वर्ष 2027 की जनगणना स्वतंत्रता के बाद से आठवीं जनगणना है। देश के 28 राज्यों और आठ केंद्र शासित प्रदेशों में होने वाली जनगणना में करीब सात हजार कस्बे तथा लगभग छह लाख 40 हजार गांव शामिल हैं। जनसांख्यिकीय, सामाजिक, सांस्कृतिक व आर्थिक आंकड़ों के संग्रह, संकलन, विश्लेषण तथा प्रसार की प्रक्रिया के माध्यम से अनेकानेक तथ्यात्मक सूचनाएं आधिकारिक रूप से प्राप्त की जाएंगी।

देश में पहली बार डिजिटल माध्यम से की जाने वाली इस जनगणना में करीब तीन करोड़ कार्मिक स्मार्टफोन पर मोबाइल एप्लिकेशन जैसे डिजिटल उपकरणों का उपयोग करके आमजन से 33 प्रश्न पूछेंगे, आंकड़ा एकत्र करेंगे। व्यक्तियों के पास ऑनलाइन पोर्टल के माध्यम से स्वयं जनगणना करने का विकल्प भी होगा। 16वीं जनगणना की प्रक्रिया दो चरणों में पूरी की जाएगी। पहले चरण में मकानों की संख्या, उनकी स्थिति व उपलब्ध सुविधाओं का आंकड़ा एकत्र किया जाएगा, जबकि दूसरे चरण में वास्तविक जनसंख्या की गणना होगी। लाखों कर्मियों को इस कार्य के लिए तैनात किया गया है। अंतिम आंकड़े एक मार्च 2027 को घोषित हो जाएंगे। यह जनगणना न केवल आबादी का सही आंकड़ा देगी, बल्कि केंद्र व राज्य की विकास योजनाओं, संसाधनों के वितरण और नीतियों को आकार देने में भी मदद करेगी। पहले चरण में ग्रामीण और शहरी दोनों क्षेत्रों के घरों का सर्वेक्षण होगा, जिसमें बिजली, पानी, शौचालय जैसी बुनियादी सुविधाओं की जानकारी ली जाएगी। दूसरे चरण में जनसंख्या गणना के दौरान प्रत्येक व्यक्ति का नाम, उम्र, लिंग, शिक्षा, रोजगार और प्रवास जैसे विवरण दर्ज किए जाएंगे। डिजिटल माध्यम से यह कार्य तेज और त्रुटिरहित होगा। कर्मियों को हैंडहेल्ड डिवाइस दिए जाएंगे, जिनमें जीपीएस की मदद से स्थान का पता चलेगा।

अनाधिकारिक व अनौपचारिक जनगणना की बात करें तो भारत में इसका शुरुआती संदर्भ कौटिल्य के अर्थशास्त्र (321-296 ईसा पूर्व) में मिलता है। बाद के काल में सम्राट अकबर के शासनकाल के दौरान अबुल फजल की कृति 'आइन-ए-अकबरी' में भी इसका उल्लेख है। मौर्य प्रशासन में जनगणना तो एक नियमित प्रक्रिया थी। जेम्स प्रिंसेप द्वारा वर्ष 1824 में इलाहाबाद (प्रयागराज) व 1827-28 में बनारस (वाराणसी) में जनगणना की गई। किसी भारतीय शहर की पहली पूर्ण जनगणना वर्ष 1830 में हेनरी वाल्टर द्वारा ढाका में की गई थी।

यूं तो 16वीं, किंतु स्वतंत्रता प्राप्ति के बाद भारत की आठवीं जनगणना का आधिकारिक वर्ष 2027 होगा। इसके लिए जमीनी कार्य का पहला चरण एक अप्रैल 2026 से शुरू होकर सितंबर 2026 तक चलेगा। अंतिम जनसंख्या गणना का काम फरवरी 2027 में पूरा होगा। जनगणना में हुई अभूतपूर्व देरी के लिए सरकारी निर्णय व प्रशासनिक मशीनरी उदासीन बनी रही, हालांकि इस देरी के पीछे कोरोना महामारी, लॉजिस्टिक व राजनीतिक कारक भी रहे। खैर, अति विलंब से ही सही, जनगणना शुरू कर केंद्र सरकार ने देर आयद दुरुस्त आयद के जुमले को चरितार्थ किया है।

आमने सामने

भवानीपुर सीट की मतगणना के दौरान काउंटिंग सेंटर में गड़बड़ी हुई। वहां गुंडों ने घुसकर माहौल बिगाड़ा, अधिकारियों और एजेंटों को डराया-धमकाया और उनके साथ मारपीट तक की गई। मतगणना के दौरान पारदर्शिता नहीं रखी गई और उनके एजेंटों को भी अंदर से हटाया गया।

–ममता बनर्जी
अध्यक्ष, टीएमसी

चार राज्यों में गड़बड़ी नहीं हुई, केवल बंगाल में हार के बाद उन्हें गड़बड़ी नजर आ रही है। निर्वाचन आयोग ने निष्पक्ष और भय रहित चुनाव कराए। बंगाल के भाजपा कार्यकर्ताओं का भी दिल से आभार कि उन्होंने जान हथेली पर रख कर ममता के गुंडों से संघर्ष किया।

–दामोदर अग्रवाल
भाजपा सांसद

बंगाल: शाह की रणनीति व मोदी का करिश्मा

विवेक शुक्ला
वरिष्ठ पत्रकार

पश्चिम बंगाल ने एक बार फिर पुराना राजनीतिक इतिहास दोहराया है। यहां की जनता सत्ता परिवर्तन के लिए किसी एक पार्टी को भरपूर बहुमत देने की परंपरा रखती है।

पश्चिम बंगाल ने एक बार फिर अपना पुराना राजनीतिक इतिहास दोहराया है। यहां की जनता सत्ता परिवर्तन के लिए किसी एक पार्टी को भरपूर बहुमत देने की परंपरा रखती है। इस बार यह पुरस्कार और आशीर्वाद भारतीय जनता पार्टी को मिला है। बंगाल की जनता ने न केवल स्थानीय स्तर पर बल्कि पूरे देश और विदेश के राजनीतिक विश्लेषकों को चौंका दिया। परंतु और किंतु की कोई गुंजाइश नहीं छोड़ी। एक स्पष्ट, भारी जनादेश प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और गृह मंत्री अमित शाह के भरोसे पर दिया गया है।

देश ही नहीं, विदेश के राजनीतिक आलोचक भी भाजपा की करामाती लीडरशिप पर हैरान हैं। आखिर यह पार्टी जनता का विश्वास कैसे जीत लेती है? लोग कह रहे हैं— पहले ओडिशा और अब बंगाल। कमाल है कमाल! हिंदी पट्टी से अपनी यात्रा शुरू करने वाली भाजपा अब सर्वव्यापी होती जा रही है।

राजनीति में चोर दरवाजे से घुसने वालों की सफलता अक्सर अल्पकालिक होती है। शॉर्टकट कोई स्थाई फॉर्मूला नहीं है। भाजपा इस सच्चाई को सबसे बेहतर समझती और मानती है। वह सतत प्रयास, निरंतरता और अथक परिश्रम पर विश्वास रखती है। बंगाल में मिली इस ऐतिहासिक सफलता के पीछे भी यही कहानी है। इस बार का नेतृत्व आक्रामक कार्यशैली वाला है। प्रधानमंत्री मोदी का करिश्माई व्यक्तित्व और अमित शाह की फूलप्रूफ रणनीति इसकी मजबूत नींव बनी।

बंगाल जीतना भाजपा के लिए लोहे के चने चबाने जैसा था। कई चुनौतियां थीं। सबसे बड़ी चुनौती राज्य की जनसंख्या संरचना थी। यहां देश का सबसे बड़ा मुस्लिम वोट बैंक है। लगभग 85 विधानसभा सीटों का फैसला मुस्लिम मतदाता करते हैं, जो पारंपरिक रूप से भाजपा को वोट नहीं देते। 2021 में तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) ने इन 85 मुस्लिम प्रभावित सीटों में से 75 पर जीत हासिल की थी। इस बार भी कुल मिलाकर करीब उतनी ही सीटें टीएमसी के पास दिख रही हैं, लेकिन बड़ा बदलाव यह है कि मुस्लिम वोट का एक हिस्सा भाजपा की ओर छिटक गया।

मुस्लिम महिलाओं और युवाओं ने भाजपा पर भरोसा जताया। मोदी सरकार की कल्याणकारी योजनाओं और अमित शाह के धरातलीय प्रयासों का यह नतीजा है। अमित शाह ने मुस्लिम मतदाताओं को राजनीतिक समीकरण का यंत्र बनने के बजाय आर्थिक सशक्तिकरण का भागीदार बनाने का प्रस्ताव रखा। उन्होंने सभी वर्ग की महिलाओं के साथ मुस्लिम महिलाओं को भी यकीन दिलाया कि भाजपा सरकार में उन्हें बिना भेदभाव के लाभ मिलेंगे। खासकर मासिक आर्थिक सहायता का वादा। टीएमसी के दावों से दोगुना, यानी हर महीने 3,000। यह संदेश घर-घर पहुंचा।

भाजपा की बंगाल विजय का सबसे बड़ा कारण राजनीतिक हिंसा पर पूर्ण अंकुश था। ममता बनर्जी सत्ता बचाने के लिए कम्युनिस्ट-युग की हिंसा की नीति पर चल रही थीं। समर्थक को संरक्षण, विरोधी का दमन। चुनाव के बाद भाजपा कार्यकर्ताओं पर हमले, फांसी तक की घटनाएं आम थीं। टीएमसी ने लोकतंत्र को ताख पर रख दिया था। इस बार गृह मंत्री अमित शाह ने चुनाव आयोग के साथ मिलकर केंद्रीय सशस्त्र बलों की भारी तैनाती की। स्थानीय गुंडों और पुलिस की मनमानी बंद हुई। शाह का सख्त संदेश— 'मतदान के बाद किसी को प्रताड़ित किया तो उल्टा लटकाएंगे' ने आम मतदाता के मन से भय निकाल दिया। नतीजतन, मतदान प्रतिशत 90 के पार पहुंच गया।

पहले कहा जाता था कि भाजपा के पास बंगाल में कोई स्वीकार्य स्थानीय चेहरा नहीं है। पार्टी नेतृत्व इस कमी को समझता था। इस बार रणनीति बदली गई। शुभेंदु अधिकारी अकेले नहीं, कई स्थानीय चेहरे आगे आए। भवानीपुर से ममता बनर्जी के खिलाफ शुभेंदु को उतारना अमित शाह का मास्टर स्ट्रोक साबित हुआ। तृणमूल ने इसे 'बंगाली अस्मिता बनाम बाहरी' का मुद्दा बनाने की कोशिश की, लेकिन शाह ने साफ कहा— बांग्ला बोलने वाला, बंगाल का ही मुख्यमंत्री बनेगा। लोगों ने इस यकीन को स्वीकार किया।

मोदी का जादू और जमीन स्तर पर मजबूत संगठन— यह कॉकटेल भाजपा के लिए काम करता रहा। ओडिशा चुनाव खत्म होते ही अमित शाह ने महासचिव सुनील बंसल को संगठन मजबूत करने भेजा। संघ के साथ समन्वय बढ़ाया गया। इस बार केवल धार्मिक ध्रुवीकरण पर निर्भरता नहीं रखी गई। बूथ स्तर तक कार्यकर्ता पहुंचे। देश भर से भाजपा कार्यकर्ता बंगाल पहुंचे और मतदाताओं को बूथ तक लाने का जिम्मा संभाला। उलट टीएमसी नेतृत्व बिखरा नजर आया। ममता बनर्जी पर पूरा दारोमदार था, लेकिन वे खुद घिरी हुई थीं। अदालतों ने उनकी दलीलें खारिज कीं— चाहे एसआईआर का मामला हो या राज्य कर्मचारियों का।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

सोशल फोरम

'हमसे बेहतर' की समस्या

अच्छी बातें जहां भी मिलें वहां से लेनी चाहिए। यह प्रवृत्ति हमें लानी पड़ेगी। अगर हम ऐसा नहीं कर रहे हैं, तो हम इस देश में कितनी भी अच्छी बातें कर लें सौहार्द, प्रेम और गंगा-जमुनी तहजीब की- पर वो आएगी नहीं। मुझे लगता है दुनिया की हर कौम को, समाज को हर कम्युनिटी को बीच-बीच में अपनी समीक्षा करनी चाहिए कि अगर

ओमा अक
लेखक

उसका पतन हो रहा है, उसके खिलाफ लोगों की आवाज बुलंद हो रही है, तो सारी कमी हमारे विपक्षी की नहीं होती। बहुत सी कमियां हमारे भीतर व्याप्त होती हैं।

मुझे लगता है कि आज वह समय है कि देश और दुनिया के मुसलमान बैठें और सोचें कि उनसे कहां पर कौन सी गलती होती चली जा रही है, जिसकी वजह से एक बहुत बड़ा हिस्सा, बहुत बड़ा तबका उसके खिलाफ हो चुका है, उसके मुखालिफ है। ये बातें सुनने में अजीब लग सकती हैं। मैं यहां बहुत मीठी बातें कर सकता हूं। आप लोगों को बहुत अच्छा बता सकता हूं। इस्लाम धर्म की महानता गिना सकता हूं, पर इसका कोई अर्थ नहीं है।

हम मुसलमान हैं, या हम हिंदू हैं, या हम ईसाई हैं, या हम सिख हैं- इन बातों से दुनिया में किसी को कोई बैर नहीं होता। इन बातों से किसी को कोई समस्या नहीं होती कि हम कौन हैं। सारी समस्या यहां से शुरू होती है जब हम कहते हैं कि- हमसे बेहतर कोई नहीं है। आपके मुसलमान होने से इस दुनिया को कोई तकलीफ नहीं होती।

याद रखिए, आज मुसलमानों के बीच में एक सामान्य बात फैला दी गई है। मेरे पास अक्सर बहुत सारे मुस्लिम ऐसे मीम, ऐसे मैसेज। ऐसे वीडियोज फॉरवर्ड करते हैं जिसमें हिंदू लोग मुसलमानों को मार रहे हैं- या कोई गुरु उकसा रहा है- या कोई गुरु इस्लाम को गालियां दे रहा है- या कोई नेता मुसलमानों के विरुद्ध बोल रहा है। मैं कई बार सोचता हूं कि जवाब में फिर मैं वो सारे वीडियोज निकाल दूं, जिसमें कि मुसलमान नेता पूरी दुनिया को गाली दे रहे हैं- मुस्लिम नेता-मौलाना पूरी दुनिया से नाराज घूम रहे हैं- उनको दुनिया में कोई अच्छा नहीं लगता। ऐसी बातें भरी पड़ी हैं।

बहुत बदकिस्मती की बात है कि भारत में ज्यादातर मुसलमान पढ़ते नहीं है। मैं बीस बाईस सालों से मुसलमानों के संपर्क में हूं। मैंने निरंतर यह कहा कि पढ़ो। तुम्हारी किताब का ही नाम पढ़ो। कुरान के मानी होता है पढ़ना, स्टडी करना। पर तुम नहीं पढ़ते हो। जब तुम नहीं पढ़ते हो तो तुम इतिहास भी नहीं पढ़ते हो और जब तुम इतिहास नहीं पढ़ते हो, तो तुम अपनी रूट्स नहीं खोज पाते हो, अपनी जड़ नहीं खोज पाते हो।

–फेसबुक वॉल से

सामयिकी

5 राज्यों के चुनाव नतीजे भविष्य की दिशा के संकेत

पांच राज्यों के विधानसभा चुनावों और सात सीटों पर हुए उपचुनावों के जीत-हार के नतीजे, केवल क्षेत्रीय राजनीतिक घटनाएं नहीं हैं, बल्कि वे देश के व्यापक राजनीतिक मानस, दलों की रणनीति और भविष्य की दिशा का संकेत देते हैं। इन परिणामों को समग्रता में देखने पर स्पष्ट होता है कि भारतीय मतदाता अब अधिक व्यावहारिक, मुद्दा-आधारित और नेतृत्व-केंद्रित होता जा रहा है। सबसे पहले, वामपंथ की स्थिति पर विचार करें। अब देश में कहीं भी पूर्ण वामपंथी सरकार का न होना, यह संकेत अवश्य देता है कि वाम दल अपनी पारंपरिक जमीन खो चुके हैं, हालांकि वामपंथ अभी भी वैचारिक स्तर पर मौजूद है, खासकर श्रमिक, छात्र और नागरिक आंदोलनों में। राजनीतिक रूप से उसका प्रभाव सीमित हुआ है, समाप्त नहीं।

पश्चिम बंगाल के नतीजों में कई कारकों की भूमिका रही। एसआईआर और मतदाता सूची की सघन जांच ने चुनावी पारदर्शिता को प्रभावित किया, वहीं स्थानीय नेतृत्व, संगठनात्मक ताकत और केंद्र-राज्य संबंधों की बहस भी अहम रही। फिलहाल अब केंद्र और राज्य में एक ही दल की सरकार होगी तो विकास योजनाओं के क्रियान्वयन में गति आ सकती है, लेकिन बंगाल जैसे राज्य में राजनीतिक प्रतिस्पर्धा और क्षेत्रीय अस्मिता भी उतनी ही निर्णायक होगी। केरल के सत्ता पलट नतीजे बताते हैं कि सत्ता-विरोधी रुझान, प्रशासनिक थकान और स्थानीय मुद्दों ने यहां निर्णायक भूमिका निभाई।

संजय श्रीवास्तव
वरिष्ठ पत्रकार

वहीं तमिलनाडु में आईडीएमके और अन्ना द्रमुक की सरकारों के दशकों बाद टीवीएम के उदय से द्रविड़ राजनीति नए रूप में ढलती दिखती है, जहां कल्याणकारी नीतियों के साथ-साथ विकास और पहचान की राजनीति का संतुलन बन रहा है। असम और पुडुचेरी में सत्ताधारी दलों की वापसी यह दर्शाती है कि यदि सरकारें अपेक्षाकृत स्थिर और प्रदर्शन आधारित हों, तो मतदाता उन्हें पुनः अवसर देने में संकोच नहीं करता। भाजपा का दक्षिण भारत में बढ़ता मत प्रतिशत भी इसी प्रवृत्ति का संकेत है। वह अभी पूर्ण प्रभुत्व में नहीं है, परंतु विस्तार की दिशा में स्पष्ट रूप से आगे बढ़ रही है। नई सरकारों के लिए लोकलुभावन वादों को लागू करना सबसे बड़ी परीक्षा होगी। मुफ्त योजनाएं और सब्सिडी अल्पकालिक लोकप्रियता तो देती हैं, लेकिन दीर्घकाल में वित्तीय अनुशासन पर दबाव डालती हैं।

इन चुनाव परिणामों को आगामी आम चुनावों का सीधे पूर्वाभास मानना भी सावधानी की मांग करता है। विधानसभा और लोकसभा चुनावों के मुद्दे, मतदाता व्यवहार और नेतृत्व के आयाम अलग होते हैं, हालांकि यह जरूर कहा जा सकता है कि यदि सत्ताधारी दल इसी तरह संगठनात्मक मजबूती और कल्याणकारी योजनाओं के साथ आगे बढ़ता रहा, तो उसे लाभ मिल सकता है, परंतु यह निष्कर्ष निकालना कि विपक्ष पूरी तरह अप्रासंगिक हो जाएगा, लोकतांत्रिक यथार्थ के विपरीत होगा।

विपक्ष की रणनीति- लोकसभा में एकजुटता और विधानसभा में अलग-अलग लड़ना- व्यावहारिक तो है, लेकिन इससे उसका सामूहिक संदेश कमजोर पड़ता है। मतदाता अब स्थिरता, स्पष्ट नेतृत्व और ठोस एजेंडे को प्राथमिकता देता है। इन चुनावों ने भारतीय जनमानस का एक स्पष्ट संदेश दिया है- वोट अब केवल विचारधारा पर नहीं, बल्कि प्रदर्शन, भरोसे और नेतृत्व की विश्वसनीयता पर पड़ता है। यही लोकतंत्र की परिपक्वता का संकेत भी है और भविष्य की राजनीति का मार्गदर्शन भी।

(यह लेखक के निजी विचार हैं।)

स्वामी-रुहेलखंड इंटरप्राइजेज के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक हरि ओम गुप्ता द्वारा अमृत विचार प्रकाशन, नवादा जोगियान, चक रोड, रोहिलखंड मेडिकल कॉलेज के सामने, बरेली (उ.प्र.), पिन कोड-243006 से मुद्रित एवं 932 कटरा चांद खां, भारत पेट्रोल पंप के सामने पीलीभीत बाईपास रोड बरेली (उ.प्र.) पिन कोड-243005 से प्रकाशित। **संपादक- राजेश श्रीनेत, स्थानीय संपादक- नवीन गुप्ता*** 0581-4000222 (कार्यालय), ईमेल- editorschoice@amritvichar.com, आर.एन.आई नं0-UPHIN/2019/78502, *इस अंक में प्रकाशित समाचार के चयन एवं संपादन हेतु पी.आर.बी. एक्ट की धारा 7 के अंतर्गत उत्तरदायी। (नोट-सभी विवादों का न्यायक्षेत्र बरेली होगा)।

कहां गुम गया अजूबे कारनामे वाला सर्कस

संसार में सर्कस का इतिहास, अति प्राचीन है। सर्कस का प्रादुर्भाव ईसा पूर्व पहली शताब्दी में हुआ माना जाता है, जब लोग एक विशेष स्थान पर इकट्ठा होकर घोड़ों की दौड़ का आनंद लेते थे। जूलियस सीजर के समय रोम में घुड़दौड़ के साथ रथदौड़ भी लोग देखने-दिखाने लगे थे। ईसा पश्चात छठी शताब्दी में इटली में जब ईसाइयों का आधिपत्य स्थापित हुआ तो उन्होंने सर्कस में नए किंतु एक दर्दनाक खेल को भी शामिल कर लिया। वे न्यायालय से मौत की सजा पाए व्यक्ति को, लोगों के सामने खूंखार नरभक्षी जंगली जानवरों के पिंजड़े में डाल देते थे और जब वह नरभक्षी जानवर उस व्यक्ति से लड़ता और फिर टुकड़े-टुकड़े करता तो सर्कस देखने आए लोग सिहर कर खड़े हो जाते। काफी वर्षों तक सर्कस का यही रूप प्रचलित रहा तो धीरे-धीरे लोगों को इस खेल से घृणा होने लगी।

शिवचरण चौहान
लेखक

भारत में सर्कस का प्रादुर्भाव

सर्कस की दुनिया को नया मोड़ सन् 1768 ई. में मिला, जब इंग्लैंड की सेना के सेनापति फिलिप एस अली तथा उसके साथी च्यूली ने मिलकर घोड़ों की पीठ पर बैठकर करतब दिखाने शुरू किए। एस्टली, एक गोल घेरे के मैदान में घोड़े की पीठ पर बैठकर तरह-तरह के करतब दिखाता था। यह खेल इंग्लैंड में इतना लोकप्रिय हुआ कि 1782 में एस्टली के एक अन्य साथी ह्यूज ने रायल सर्कस नाम से एक सर्कस कंपनी ही बना डाली। तभी से इस अनोखे खेलों का नाम सर्कस पड़ा। भारत तथा पड़ोसी देशों में सर्कस का प्रादुर्भाव कब हुआ ठीक से नहीं कहा जा सकता, किंतु यहां की 'नट' और 'करनट' जातियां घूम-घूम कर गांवों में अनोखें खेल दिखाया करती थीं। वैसे भारत में सर्कस का जन्म 19 वीं शताब्दी के आखिरी दशक में हुआ माना जाता है, जब एक विदेशी सर्कस कंपनी भारत आई और उसने मुंबई में एक स्थान पर सर्कस लगाया। इस कंपनी के एक कलाकार विलियम शायनी को घोड़ों के करतब देखने के लिए मुंबई क्या पूरे महाराष्ट्र की जनता उमड़ पड़ी थी। शायनी को अभिमान था कि उसके जैसे करतब भारत में कोई नहीं दिखा सकता है। उसके इस घमंड को कुरंदाबाद (कोल्हापुर) के राजा की सेना के घोड़ों के सईस पंत विनायक छत्ते ने तोड़ा। छत्ते ने सर्कस के मैदान में शायनी का घोड़ा छीनकर ऐसे करतब दिखाए कि खुद शायनी ने दांतों तले अंगुली दबा ली। वह आग को जलते गोले से घोड़े समेत निकल जाता था। छत्ते ने प्रथम सर्कस कंपनी 'छत्तेस न्यू इंडियन सर्कस' स्थापित की। इसके बाद रायल, ताराबाई, कमला सर्कस कंपनियां आईं। सर्कस को भारत में विकसित करने व लोकप्रिय करने का श्रेय केरल के तेल्लिचेरी गांव के जिमनास्ट कन्निकणन को है। कन्निकणन ने अपने गांवों के लड़के-लड़कियों को एकत्र कर उन्हें शारीरिक करतबों में ऐसा प्रशिक्षित किया कि देश-विदेश से उसके द्वारा प्रशिक्षित कलाकारों की मांग होने लगी। कन्निकणन के सहयोग से ही अमर सर्कस, भारत सर्कस तथा ओरियंट सर्कस कंपनियों ने विदेशों तक में अपने तंबू गाड़े व अपनी पताका फहराई।

नए सिरे से खड़ी होतीं सर्कस कंपनियां

एक समय आया था जब सिनेमा, भारत में बहुत लोकप्रिय हो गया था और लगा था कि शायद अब सर्कस का अस्तित्व समाप्त हो जाएगा, किंतु ऐसा नहीं हुआ, क्योंकि सर्कस ने भी समय के अनुसार आधुनिकतम रूप ले लिया। आज सर्कस कंपनियां कम है, जिन्हें सरकारी मदद देकर सामाजिक प्रोत्साहन देकर और बढ़ाया जा सकता है। जहां सर्कस लगता है, वहां सर्कस गांव स्थापित हो जाता है। सर्कस कंपनियां, अपना डेरा-तंबू, सामान, हाथी, घोड़ों, शेरों के पिंजड़ों को लाने ले जाने के लिए अपने वाहन रखती हैं। कई कंपनियां तो रेल के डिब्बे भी प्रयोग में लाती हैं। सर्कस में जानवरों के प्रदर्शन पर रोक लगने से सर्कस को झटका लगा है। सर्कस में जानवरों के रोक लग जाने पर निश्चित तौर से सर्कस के मालिकों और कलाकारों को झटका लगा है। आज भारत में कस्बों मेलों शहरों में कहीं-कहीं सर्कस कंपनियां अपने करतब करते दिखाई दे जाती हैं। मोबाइल गेम के कारण वे बच्चे सर्कस देखने कम आते हैं। पर सर्कस अब नए रूप में आ रहा है। दुनियाभर में सर्कस कंपनियां नए सिरे से खड़ी हो रही है। सर्कस कंपनियों में अब जादूगर भी अपने खेल दिखाने लगे हैं।

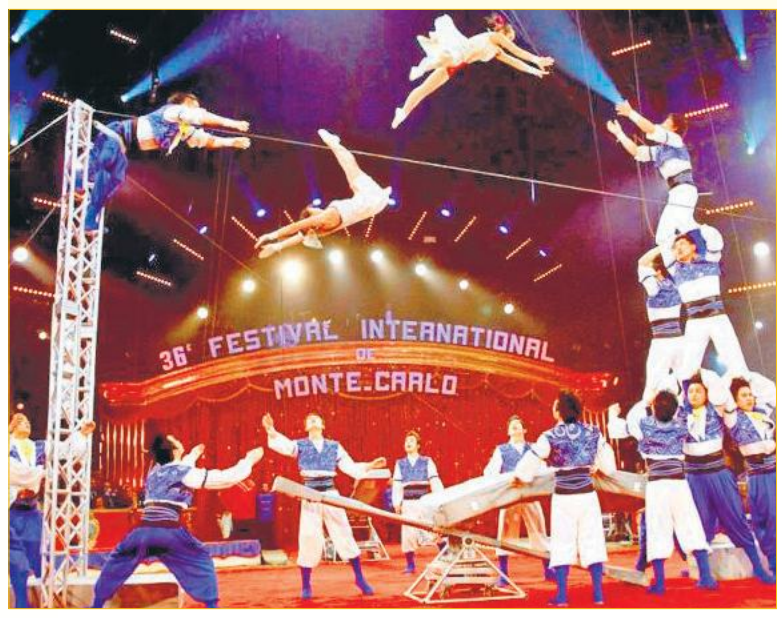

विदेश में भी लोकप्रिय है सर्कस

एक समय भारत में करीब पांच सौ छोटी बड़ी सर्कस कंपनियां थीं जो हाट, बाजारों, मेलों, ठेलों, शहरों में करतब करती थीं। आज मुश्किल से कुछ सर्कस बची है। भीरबाट, कमला, अपोलो, भारत जंबो कंपनियां आईं। एक जमाने में मशहूर कमला सर्कस के बहुत से कलाकार मर गए और भारत में सर्कस कंपनियां चलाने में लोगों के रुके नहीं रही। सर्कस, एशिया, यूरोप, अमेरिका, इटली, चेकोस्लोवाकिया आदि देशों में बहुत लोकप्रिय खेल रहा है। जर्मनी के घुमक्कड़ सर्कस कलाकार पूरी दुनियाभर में मशहूर थे। सर्कस को आधुनिक रूप देने में अमेरिका का नाम प्रमुख है। अमेरिका में ही सबसे पहले जानवरों शेर, चीता, भालू, हाथी, कुत्तों, घोड़ों, तोतों आदि के अद्भुत करतब दिखाने शुरू किए। आंबर्ग, पाला कलाकार था, जो शेर के मुंह में अपना सिर घुसेड़ देता था। तब के सोवियत संघ में सर्कस ने नए-नए करतबों का विकास हुआ। जोकरों का प्रयोग, सर्कस में रूस की ही देन है। बौने, लंबे, मोटे जोकर विदूषक अपने करतबों से खूब हंसाते हैं। लड़कियों का अंग तोड़ना तथा झूले का आश्चर्यजनक खेल, आज सभी सर्कसों में दिखाया जाता है। ये भी अमेरिका की देन है। जानवरों के खेल, करतब मौत का कुंआ, शेर से कुश्ती सहित अनेक अद्भुत खेल, आज सर्कस में दिखाए जाते हैं, जिन्हें देखकर दर्शक दांतों तले अंगुली दबा लेते हैं।

छापा-चित्रों में अतियथार्थवादी छाप : मनोहर लाल भूगड़ा

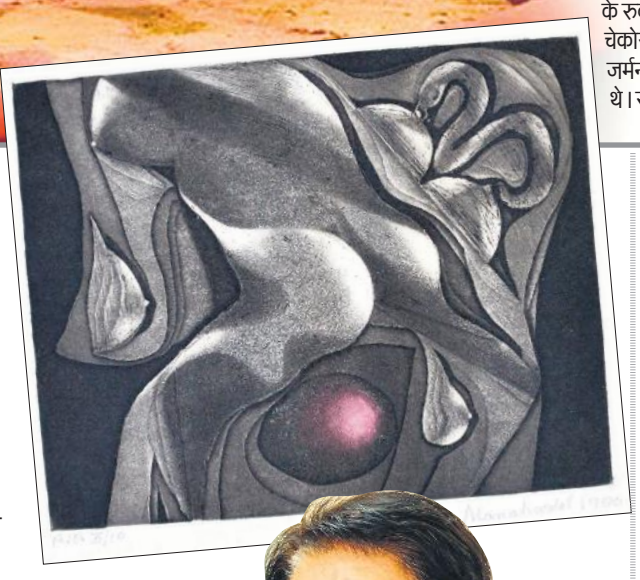

इसे भारतीय कला जगत की विसंगति ही कहा जाना चाहिए कि आजादी के बाद से हमारी आधुनिक या समकालीन कला महानगर केंद्रित रही है। इसका परिणाम यह रहा कि हमारे जिन वरिष्ठ कलाकारों या कला-गुरुओं ने महानगर-परिक्रमा से परहेज रखा, उन्हें अपने ही शहर में वह ख्याति नहीं मिल पाई, जिसके वे वास्तविक हकदार थे। ऐसे ही कला-गुरुओं में एक हैं मनोहर लाल भूगड़ा। लखनऊ कला महाविद्यालय में अपनी शिक्षा से लेकर अध्यापन-काल तक उन्होंने प्रिंटमेकिंग या छापा-चित्रण जैसे जटिल माध्यम की तकनीकों को साधते हुए कला-सृजन जारी रखा। वर्ष 1988/89 के दौरान मुझे उनके सान्निध्य का अवसर मिला था। जाहिर है, तब उनके छापा-चित्रों और उसकी तकनीक ने मुझे बेहद प्रभावित किया था।

सुमन कुमार सिंह
कलाकार/कला लेखक

समकालीनों से अलग पहचान

लखनऊ ही नहीं, देश के समकालीन ग्राफिक कलाकारों में मनोहर लाल भूगड़ा का स्थान अत्यंत महत्वपूर्ण है। 1 अगस्त 1947 को जन्मे भूगड़ा ने लखनऊ के गवर्नमेंट कॉलेज ऑफ आर्ट एंड क्राफ्ट से 1968 में पंचवर्षीय डिप्लोमा तथा 1971 में छापा-चित्रण (प्रिंटमेकिंग) में पोस्ट डिप्लोमा प्रथम श्रेणी में प्राप्त किया। आगे की उच्चस्तरीय शिक्षा के लिए उन्हें 1973 से 1975 के बीच शांतिनिकेतन में प्रख्यात प्रिंटमेकर सोमनाथ होर के निर्देशन में अध्ययन का अवसर मिला। इसके उपरांत 1979 से 1981 तक भारत सरकार के सांस्कृतिक विभाग के अंतर्गत 'प्रिंटमेकिंग के विभिन्न माध्यमों और सामग्रियों का अन्वेषण' परियोजना पर शोध-फेलो के रूप में उन्होंने छापाकला की नई संभावनाओं पर गंभीर प्रयोग किए। मनोहर की रचनात्मकता का मूल आधार उनकी प्रयोगधर्मी दृष्टि रही है। उन्होंने कोलोग्राफ, टोनल वैरिएशन, एचिंग, ड्राई प्वॉइंट, एंग्रेविंग, विस्कोसिटी, डीप एचिंग, एल्युमिनियम प्लेट पर ड्राई प्वॉइंट, लिथोग्राफी और सॉफ्ट-इफेक्ट जैसी विविध तकनीकों में कार्य किया। यह बहुआयामी तकनीकी दक्षता उन्हें अपने समकालीनों से अलग पहचान देती है।

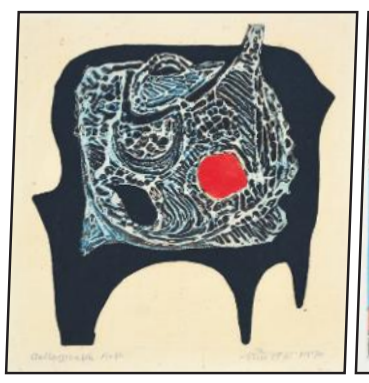

पिकासो के नियो-क्लासिकल के दौर की याद

विषय-वस्तु की दृष्टि से उनके छापा-चित्रों में नारी-आकृति प्रमुखता से उभरती है। श्वेत-श्याम संयोजन के माध्यम से वे एक रहस्यमय और गहन मनोवैज्ञानिक परिदृश्य रचते हैं। उनकी आकृतियां मांसल, सुदृढ़ और त्रिआयामी प्रभाव लिए होती हैं, जिनमें प्रकाश और अंधकार का द्वंद्व स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। मानो वे यह संकेत दे रहे हों कि प्रकाश हमें प्रकाशित करता है, जबकि अंधकार हमें सजग बनाता है और दोनों एक-दूसरे के पूरक हैं। उनकी नारी-आकृतियां कहीं-कहीं पाब्लो पिकासो के नियो-क्लासिकल और यथार्थवादी दौर की याद दिलाती हैं, किंतु भूगड़ा की दृष्टि पूरी तरह भारतीय संदर्भों में रची-बसी है। आकृतियों में लयात्मकता, ऊर्जा और आंतरिक तनाव का संतुलित संयोजन दिखाई देता है। यह ऊर्जा केवल दृश्य नहीं, बल्कि चेतन और अचेतन मन की गहराइयों से उपजती प्रतीत होती है। मनोहर के छापा-चित्रों की एक विशिष्ट विशेषता उनका अतियथार्थवादी आयाम है। यद्यपि आकृतियों की मूल संरचना यथार्थपरक होती है, किंतु उनके मुख-भाग, अंगुलियों या अन्य अंगों में किए गए विकृत एवं कल्पनाशील हस्तक्षेप दर्शक को एक मनोवैज्ञानिक और स्वप्निल संसार में ले जाते हैं। यह वह बिंदु है, जहां कला मूर्त से अमूर्त की ओर अग्रसर होती है और पुनः एक नए रूप में मूर्तता ग्रहण करती है। इस प्रक्रिया में सत्य और स्वप्न के बीच का अंतर मिटता हुआ प्रतीत होता है।

रंगों के माध्यम से लयात्मकता और संगीतात्मक प्रभाव

प्रतीकों का प्रयोग भी उनके कार्य का महत्वपूर्ण पक्ष है। सर्प, पक्षी, सूंड और मछली जैसे रूपांकनों के माध्यम से वे भारतीय पौराणिक और सांस्कृतिक अर्थ-संदर्भों को जोड़ते हैं। सर्प भय, शक्ति और सृजनात्मक ऊर्जा का प्रतीक है, पक्षी आकाश और पृथ्वी के मध्य दैवीय सेतु, सूंड शक्ति और स्थायित्व का द्योतक, जबकि मछली जीवन और लय का संकेत देती है। इन प्रतीकों के माध्यम से उनके चित्र एक गहन सांस्कृतिक संवाद स्थापित करते हैं। रंगों के प्रयोग में भी उनकी विशिष्टता स्पष्ट है। टरक्वॉइज ब्लू, वेरिडियन ग्रीन और लाल रंग के प्रति उनका विशेष आकर्षण रहा है, जिन्हें वे गहरे पृष्ठभूमि रंगों और भूरे टोन के साथ संयोजित करते हैं। इनके बीच उभरता श्वेत रंग एक स्पंदन उत्पन्न करता है, जो पूरी रचना में जीवन का संचार करता है। वे केवल रेखाओं से ही नहीं, बल्कि रंगों के माध्यम से भी लयात्मकता और संगीतात्मक प्रभाव उत्पन्न करते हैं। मनोहर लाल भूगड़ा का योगदान केवल एक कलाकार के रूप में ही नहीं, बल्कि एक शिक्षक के रूप में भी महत्वपूर्ण रहा है। उन्होंने 1976 से 2010 तक लखनऊ विश्वविद्यालय से संबद्ध कला एवं शिल्प महाविद्यालय में अध्यापन किया और अनेक विद्यार्थियों को प्रिंटमेकिंग की जटिल तकनीकों से परिचित कराया। सेवानिवृत्ति के बाद भी वे सक्रिय रूप से सृजनरत हैं। प्रख्यात कलाकार और पूर्व प्राचार्य जय कृष्ण अग्रवाल के अनुसार, लखनऊ में क्रिएटिव प्रिंटमेकिंग विभाग की स्थापना और विकास में मनोहर की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण रही। सीमित संसाधनों के बावजूद उन्होंने तकनीकी उत्कृष्टता और प्रयोगधर्मिता के माध्यम से न केवल स्वयं को स्थापित किया, बल्कि अन्य छात्रों को भी प्रेरित किया। उस दौर में, जब प्रिंटमेकिंग को पर्याप्त मान्यता नहीं मिल रही थी, मनोहर ने इस माध्यम की असीम संभावनाओं को सिद्ध किया। अंततः मनोहर लाल भूगड़ा की कला-यात्रा हमें यह समझाती है कि प्रिंटमेकिंग केवल तकनीकी कौशल का माध्यम नहीं, बल्कि गहन संवेदनशीलता, प्रतीकात्मकता और वैचारिक गहराई का क्षेत्र भी है। उनकी कृतियां न केवल दृश्य-सौंदर्य का अनुभव कराती हैं, बल्कि दर्शक को एक गहरे आत्मिक और मनोवैज्ञानिक संवाद में भी ले जाती हैं।

लोकयान

संथाली लोक नृत्य : प्रकृति से जुड़ी लोकधारा

संथाली लोक नृत्य मुख्य रूप से झारखंड, पश्चिम बंगाल, ओडिशा, बिहार और असम का एक प्रमुख पारंपरिक आदिवासी नृत्य है। संथाली नृत्य झारखंड की संथाल जनजाति द्वारा प्रस्तुत किया जाने वाला एक जीवंत और आकर्षक लोकनृत्य है, जो उनकी समृद्ध सांस्कृतिक विरासत और सामुदायिक जीवन का सशक्त प्रतीक है। संथाल, भारतीय उपमहाद्वीप के प्राचीन निवासियों में से एक है और ऑस्ट्रोएशियाई भाषा परिवार की मुंडा शाखा से संबंधित हैं। उनकी प्रमुख भाषा संथाली है, जो उनकी पहचान और परंपराओं को जीवित रखने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती है। झारखंड और पश्चिम बंगाल में इनकी सबसे अधिक आबादी पाई जाती है, जबकि ओडिशा, बिहार, असम और त्रिपुरा में भी इनकी उपस्थिति उल्लेखनीय है।

यह नृत्य केवल मनोरंजन का माध्यम नहीं, बल्कि संथाल समाज की एकता, आस्था और प्रकृति के प्रति गहरे संबंध का प्रतीक है। संथाली नृत्य की लोकप्रियता इतनी व्यापक है कि इसे भारतीय सिनेमा में भी स्थान मिला है, जैसे कि प्रसिद्ध फिल्मकार सत्यजीत रे की फिल्म 'अगांतुक' में इसकी झलक देखने को मिलती है।

संथाली नृत्य सामूहिक रूप से किया जाता है, जिसमें पुरुष और महिलाएं मिलकर भाग लेते हैं। नर्तक-नर्तकियां वृत्त या अर्धवृत्त बनाकर, एक-दूसरे की भुजाएं थामे लयबद्ध गति से नृत्य करते हैं। इस दौरान वे अलग-अलग समूह संरचनाएं बनाते हैं, जो नृत्य को और भी आकर्षक बनाती हैं। नृत्य में बांसुरी, ढोल, झांझ और पाइप जैसे पारंपरिक वाद्ययंत्रों का उपयोग किया जाता है, जिनकी धुन पर नर्तक अपनी भावनाओं को अभिव्यक्त करते हैं। साथ ही गायक भी मधुर गीतों के माध्यम से वातावरण को उत्सवमय बना देते हैं।

यह नृत्य विशेष रूप से वसंत ऋतु के उत्सवों के दौरान प्रस्तुत किया जाता है, जब संथाल समुदाय प्रकृति के नवजीवन का उत्सव मनाता है। वन क्षेत्रों में आयोजित यह नृत्य वनदेवताओं के प्रति श्रद्धा अर्पित करने का माध्यम भी है। इसके अलावा, अतिथियों के स्वागत में भी इसे प्रस्तुत किया जाता है। वेशभूषा की दृष्टि से भी संथाली नृत्य अत्यंत विशिष्ट है। पुरुष पारंपरिक धोती और पगड़ी पहनते हैं तथा स्वयं को पेड़ों की शाखाओं, पत्तियों और फूलों से सजाते हैं। वहीं महिलाएं लाल किनारी वाली सफेद या पीली साड़ी धारण करती हैं और बालों में जंगली फूलों का श्रृंगार करती हैं।

यह प्राकृतिक सजावट उनके प्रकृति से गहरे जुड़ाव को दर्शाती है। संथाली नृत्य की मनोहारी प्रस्तुति को देखने के लिए देश-विदेश से पर्यटक झारखंड आते हैं, विशेषकर वसंत उत्सव के समय। इसकी लोकप्रियता निरंतर बढ़ रही है और शोधकर्ता भी इसके इतिहास, महत्व और सांस्कृतिक पहलुओं पर गहन अध्ययन कर रहे हैं।

बाजार	सेंसेक्स ↓	निफ्टी ↓
बंद हुआ	.	.
गिरावट	.	.
प्रतिशत में	0.33	0.36

सोना 1,52,500 प्रति 10 ग्राम

चांदी 2,51,000 प्रति किलो

अमृत विचार

बरेली, बुधवार, 6 मई 2026

www.amritvichar.com

कारोबार

बरेली मंडी

वनस्पति तेल तिलहन– तुलसी 2595, राज श्री 1970, फ़ॉर्चून कि. 2705, रविन्द्रा 2560, फॉर्चुन 13kg 2375, जय जवान 2140, सचिन 2350, सूरज 2140, अवसर 2125, उजाला 2110, गृहणी 13 kg 2185, क्लासिक (kg) 2480, मोर 2330, चक्र टिन 2565, ब्लू 2455, आशीर्वाद मस्टर्ड 2440, स्वास्तिक 2550

किराना– निजामाबाद हल्दी 16000–18000, जीरा 25500, लाल मिर्च 21500–24000, धनिया 14000–18000, अजवायान 14000–19000, मेथी 7000–8000 सौंफ 11000–20000, सोंठ 33000, (प्रतिकि0) लौंग 850–1000, बादाम 750–1050, काजू 2 पीस 830, किसमिस पीली 330–380, मखाना 800–1150

चावल–(प्रति कु0)– डबल चाबी सेला 10800, आभा स्पाइस 8300, शरबती कच्ची 6500, शर्बती स्टीम 6500, मंसूरी 4500, महबूब सेला 4600, गौरी रॉयल 10200, राजभोग 8250, हरी पत्ती (1kg,5kg) 11700, हरी पति नेचुरल 10900, गौरी स्पेशल 10100, गौरी प्रीमियम 11500, जन्नत 3700, गौरी डिलाइट 10800, मंसूरी पनघट 4400,लाडली 4400

दाल दलहन– मूंग दाल इंदौर 9900, मूंग धोवा 10100, राजमा चित्रा 11500–13000, राजमा भूटान नया 10100, मलका काली 7250–7450 मलका दाल 7450–9600, मलका छाँटी 7250, दाल उड़द बिलासपुर 8800–9800, मसूर दाल छोटी 10700–12200, दाल उड़द दिल्ली 11200, उड़द साबुत दिल्ली 10500, उड़द धोवा इंदौर 12700, उड़द धोवा 9800–11500,चना काला 7200, दाल चना 7250, दाल चना मोटी 7100, मलका विदेशी 7200, रूपकिशोर बेसन 7400, चना अकोला 6600, डबरा 7000–8400, सच्चा मोती 8700, मोटा सफेद 9700, अरहर गोला मोटा 8800, अरहर पटका मोटा 9500, अरहर कोरा मोटा 9800, अरहर पटका छोटा 11000–11600, अरहर कोरी छोटी 12600

चीनी– द्वारकेश 4320, बहेड़ी 4300, सितारगंज 4270

बरेली सर्राफा

सोना प्रति 10 ग्राम : पक्के आभूषण 150700, गिन्नी जेवर 146600,

चांदी : पक्की 2430 अनुमानित

बिजनेस ब्रीफ

कोल इंडिया ने गुजरात में चालू की 100 मेगावाट सौर ऊर्जा परियोजना

नई दिल्ली। सार्वजनिक क्षेत्र की कंपनी कोल इंडिया लिमिटेड (सीआईएल) ने मंगलवार को गुजरात में 100 मेगावाट क्षमता की सौर ऊर्जा परियोजना के चालू होने की घोषणा की। यह कंपनी के नवीकरणीय ऊर्जा क्षेत्र में विस्तार की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। कोल इंडिया ने मंगलवार को शेयर बाजार (बीएसई) को दी सूचना में बताया कि उसे गुजरात ऊर्जा विकास एजेंसी (जीईडीए) से 100 मेगावाट क्षमता के सौर ऊर्जा संयंत्र के लिए चालू होने का प्रमाण पत्र मिल गया है। यह परियोजना 31 मार्च, 2026 से प्रभावी मानी गई है।

जीडीपी वृद्धि दर 6.5 % से नीचे ला सकता है पश्चिम एशिया संकट

सीआईआई अध्यक्ष ने कहा-समुद्री आपूर्ति बाधाएं और ऊंची ऊर्जा कीमतें बड़ा खतरा

नई दिल्ली, एजेंसी

उद्योग मंडल सीआईआई के अध्यक्ष राजीव मेमानी ने मंगलवार को कहा कि पश्चिम एशिया में लंबा खिंचने वाला संघर्ष, समुद्री आपूर्ति में बाधाएं और ऊंची ऊर्जा कीमतें भारत की आर्थिक वृद्धि के लिए बड़ा खतरा बन सकती हैं और देश की सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर को 6.5 प्रतिशत से नीचे ला सकती हैं।

मेमानी ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण पैदा हुआ मौजूदा ऊर्जा संकट यदि लंबे समय तक जारी रहता है, तो यह भारत सहित पूरी दुनिया की आर्थिक वृद्धि के लिए सबसे बड़ा जोखिम बन सकता है।

उन्होंने कहा कि यदि पश्चिम एशिया का यह संकट समय पर सुलझ जाता है, तो आर्थिक वृद्धि की रफ्तार फिर तेज हो सकती है और यह 6.5 से सात प्रतिशत के बीच रह सकती है। लेकिन यदि यह बहुत लंबे समय तक खिंचता है, तो वृद्धि दर 6.5 प्रतिशत से नीचे रह सकती है। हालांकि, उन्होंने माना कि जब तक पश्चिम एशिया का संकट समाप्त नहीं होता, तब तक जीडीपी वृद्धि और ब्याज दरों को लेकर स्पष्ट आकलन करना कठिन है।

आधिकारिक अनुमान के अनुसार, वित्त वर्ष 2025-26 में देश की वास्तविक सकल घरेलू उत्पाद (जीडीपी) वृद्धि दर 7.6 प्रतिशत रहने का अनुमान है। मेमानी ने भारतीय रिजर्व बैंक की मौद्रिक नीति के रुख पर पूछे जाने पर कहा कि ब्याज दरों में निकट भविष्य में कमी की संभावना नहीं है।

100 डॉलर से ऊपर तेल की कीमत करेगी प्रभावित

पिछले 10–12 वर्षों में, बीच–बीच में कुछ अवधियों को छोड़कर, कच्चे तेल की कीमतें सामान्य रूप से संतुलित रही हैं और इससे भारत को मजबूत आर्थिक वृद्धि हासिल करने में मदद मिली है। 100 डॉलर प्रति बैरल से ऊपर की कोई भी कीमत आर्थिक वृद्धि को प्रभावित करेगी, क्योंकि हम अभी तक अपनी मांग के ढांचे में पर्याप्त बदलाव नहीं कर पाए हैं।

कारोबार सुगमता और न्यायिक सुधार जरूरी

सीआईआई के अध्यक्ष ने कारोबार सुगमता और न्यायिक सुधारों में तेजी लाने की आवश्यकता पर भी जोर दिया। कहा– पिछले 12–18 महीनों में इन क्षेत्रों में सरकार ने सराहनीय काम किया है। बोले– हमें विवादों की संख्या कम करने का तरीका ढूंढना होगा। साथ ही, यदि कोई विवाद होता है तो उसके शीघ्र समाधान की व्यवस्था भी होनी चाहिए...। उन्होंने एमएसएमई को राहत देने के लिए सरकार से लक्षित उपाय करने की भी वकालत की। केंद्रीय बैंक की छह सदस्यीय मौद्रिक नीति समिति ने आठ अप्रैल को सर्वसम्मति से नीतिगत रेपो दर को 5.25 प्रतिशत पर अपरिवर्तित रखने का फैसला किया था। समिति ने पश्चिम एशिया संकट के कारण कच्चे तेल की कीमतों में तेज बढ़ोतरी, रुपये में कमजोरी और व्यापार प्रवाह में बाधा से बढ़ी अनिश्चितता का भी उल्लेख किया था।

प. एशिया में तनाव से शेयर बाजार में गिरावट, सेंसेक्स 252 अंक फिसला

86.50 अंक टूटकर 24,032.80 अंक पर बंद हुआ निफ्टी

मुंबई, एजेंसी

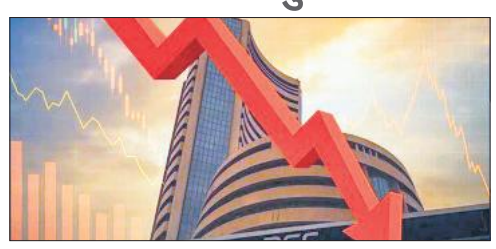

वैश्विक तनाव बढ़ने और कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच मंगलवार को घरेलू शेयर बाजारों में बिकवाली के दबाव की वजह से गिरावट दर्ज की गई। सेंसेक्स में 252 अंक की गिरावट आई जबकि निफ्टी 86 अंक टूटकर बंद हुआ। विश्लेषकों के मुताबिक, होर्मुज जलडमरूमध्य क्षेत्र में बढ़ता तनाव और अमेरिका-ईरान के बीच संघर्ष विराम पर दबाव घरेलू बाजार में गिरावट की मुख्य वजह रही। इसके अलावा कच्चे तेल की ऊंची कीमतों के बीच रुपये के रिकॉर्ड निचले स्तर पर पहुंचने से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई।

बीएसई का 30 शेयरों पर आधारित मानक सूचकांक सेंसेक्स उतार-चढ़ाव भरे सत्र में 251.61 अंक यानी 0.33 प्रतिशत गिरकर 77,017.79 अंक पर बंद हुआ। कारोबार के दौरान एक समय यह 754.37 अंक लुढ़ककर 76,515.03 के स्तर तक आ गया था। वहीं, एनएसई का 50 शेयरों वाला मानक सूचकांक निफ्टी 86.50 अंक यानी 0.36 प्रतिशत टूटकर 24,032.80 अंक पर बंद हुआ।

- **नुकसान में रहे शेयर** :–आईसीआईसीआई बैंक, टेक महिंद्रा, एक्सिस बैंक, भारती एयरटेल और लार्सन एंड टुब्रो के शेयर नुकसान में रहे।
- **लाभ में रहे**:–महिंद्रा एंड महिंद्रा, अल्ट्राटेक सीमेंट, बजाज फिनसर्व और बजाज फाइनेंस बढ़त में रहे।

- वैश्विक तेल मानक ब्रेंट क्रूड 113 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहा।
- रुपया दो पैसे कमजोर होकर अमेरिकी डॉलर के मुकाबले 95.25 के सर्वकालिक निचले स्तर पर पहुंच गया।
- विदेशी संस्थागत निवेशकों (एफआईआई) ने सोमवार को 2,835.62 करोड़ रुपये की शुद्ध खरीदारी की थी।
- एशिया के अन्य बाजारों में दक्षिण कोरिया, जापान और चीन के बाजार बंद रहे जबकि हांगकांग का हैंगसेंग सूचकांक गिरावट में रहा।
- यूरोपीय बाजार मिलेजुले रुख के साथ कारोबार कर रहे थे। अमेरिकी बाजार सोमवार को गिरावट के साथ बंद हुए थे।

चांदी 1,500 रुपये मजबूत, सोना फिसला

नई दिल्ली, एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी के सर्राफा बाजार में मंगलवार को चांदी की कीमत 1,500 रुपये बढ़कर 2.51 लाख रुपये प्रति किलोग्राम पहुंच गयी। पश्चिम एशिया में जारी तनाव के बीच वैश्विक बाजारों में मजबूत रुख के साथ घरेलू बाजार में चांदी में तेजी आई। पिछले कारोबारी सत्र में चांदी 2,49,500 रुपये प्रति किलोग्राम रही थी। हालांकि, 99.9 प्रतिशत शुद्धता वाला सोना 300 रुपये घटकर 1,52,500 रुपये प्रति 10 ग्राम (सभी करों सहित) रहा। सोने का भाव सोमवार को 1,52,800 रुपये प्रति 10 ग्राम रहा था।

मजबूत वृद्धि और महंगाई स्थिर रहने पर मुद्रास्फीति लक्ष्य में कमी संभव

- **आरबीआई की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने कहा, 4 फीसदी का लक्ष्य**

नई दिल्ली, एजेंसी

भारतीय रिजर्व बैंक (आरबीआई) की डिप्टी गवर्नर पूनम गुप्ता ने मंगलवार को कहा कि यदि अगले कुछ वर्षों में आर्थिक वृद्धि मजबूत और महंगाई दर स्थिर रहती है तो देश मुद्रास्फीति लक्ष्य को घटाने और उसके संतोषजनक दायरे में कटौती पर विचार कर सकता है। इसके साथ ही गुप्ता ने कहा कि अगर वैश्विक माहौल पिछले छह वर्षों की तरह चुनौतीपूर्ण बना रहता है, तो मौजूदा रूपरेखा को बनाए रखना जरूरी होगा।

सरकार ने आरबीआई से परामर्श के बाद 31 मार्च, 2031 तक के लिए मुद्रास्फीति लक्ष्य ढांचे को अधिसूचित किया है, जिसके तहत वित्त वर्ष 2026-27 से 2030-31 तक महंगाई दर को दो प्रतिशत घट-बढ़ के साथ चार प्रतिशत पर बनाये रखने का लक्ष्य है। डिप्टी गवर्नर ने यहां एक सेमिनार में कहा कि भविष्य का महंगाई लक्ष्य ढांचा इस बात पर निर्भर करेगा कि आने वाले वर्षों में वृद्धि और महंगाई का संतुलन किस दिशा में जाता है।

उन्होंने कहा कि यदि पिछले दशक की तरह मजबूत वृद्धि और कम एवं स्थिर महंगाई का रुझान जारी रहता है, तो अन्य देशों की तरह लक्षित दर को थोड़ा कम करने और दायरा संकुचित करने का मामला बन सकता है।

आयातित तेल पर कम करें निर्भरता

मुंबई, एजेंसी। पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष ने ऊर्जा झटकों के प्रति भारत की संरचनात्मक कमजोरी को उजागर किया है, जिससे आयातित कच्चे तेल पर निर्भरता कम करने एवं ऊर्जा सुरक्षा को मजबूत करने के प्रयासों में तेजी लाने की जरूरत और अधिक रेखांकित हुई है। आरबीआई की मौद्रिक नीति समिति के बाहरी सदस्य एवं 'इंस्टीट्यूट फॉर स्टडीज इन इंडस्ट्रियल डेवलपमेंट' के निदेशक नागेश कुमार ने कहा कि भारत के लिहाज से घरेलू स्तर पर तेल अन्वेषण बढ़ाने और वैकल्पिक स्रोतों की ओर बदलाव को तेज करने पर ध्यान देना आवश्यक है। उन्होंने एक साक्षात्कार में कहा कि आयातित कच्चे तेल पर अत्यधिक निर्भरता भारतीय अर्थव्यवस्था को हाइड्रोकार्बन बाजार की अस्थिरता के प्रति बेहद संवेदनशील बनाती है। हालांकि भारत की व्यापक आर्थिक बुनियाद मजबूत बनी हुई है।

एफडीआई आवेदनों के निपटान के लिए एसओपी जारी

नई दिल्ली, एजेंसी। उद्योग एवं आंतरिक व्यापार संवर्धन विभाग (डीपीआईआईटी) ने प्रत्यक्ष विदेशी निवेश प्रस्तावों के निपटान के लिए अद्यतन मानक संचालन प्रक्रिया (एसओपी) जारी की है।

मानक संचालन प्रक्रिया के अनुसार, प्रस्तावों पर निर्णय लेने के लिए अधिकतम 12 सप्ताह का समय निर्धारित किया गया है। इसमें आवेदकों द्वारा प्रस्तावों में कमियों को दूर करने या सक्षम प्राधिकारी द्वारा मांगी गई अतिरिक्त जानकारी उपलब्ध कराने में लगा समय शामिल नहीं होगा। डीपीआईआईटी ने कहा कि इस एसओपी का मकसद प्रत्यक्ष विदेशी निवेश आवेदन प्रक्रिया को पूरी तरह कागजरहित बनाना है।

एसओपी के अनुसार, भारत के साथ भूमि सीमा साझा करने वाले देशों से आने वाले निवेश प्रस्तावों तथा अन्य आवश्यक मामलों में सभी आवेदनों को निर्धारित समय सीमा के भीतर टिप्पणियों/अनुमोदन के लिए विदेश मंत्रालय को भेजा जाएगा। किसी भी प्रस्ताव पर परामर्श के लिए शामिल सभी मंत्रालयों एवं विभागों (जिनमें आरबीआई, गृह मंत्रालय और विदेश मंत्रालय शामिल हैं) को निर्धारित समय सीमा के भीतर अपनी टिप्पणियां देनी होंगी।

यदि निर्धारित समय में टिप्पणियां प्राप्त नहीं होती हैं, तो माना जाएगा कि उन्हें कोई आपत्ति नहीं है।

ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म के बदलेंगे नियम

कार्यालय संवाददाता, कानपुर

अमृत विचार: भारतीय प्रतिभूति एवं विनिमय बोर्ड (सेबी) ने ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म प्रोवाइडर्स के लिए नियामकीय ढांचे में अहम बदलावों का प्रस्ताव रखा है। सेबी ने तीन बड़े संशोधनों का सुझाव दिया है, जिनका उद्देश्य बॉन्ड बाजार में कारोबार को आसान बनाना, निवेशकों के लिए विकल्प बढ़ाना और नियामकीय स्पष्टता लाना है।

इस पर सार्वजनिक टिप्पणियां 26 मई तक मांगी गई हैं। प्रस्तावित बदलाव लागू होने पर ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म के जरिये अब विदेशी वित्तीय सेवा केंद्र के तहत विनियमित उत्पाद, टैक्स बचत वाले 54ईसी बॉन्ड और अनुपालन अधिकारी नियुक्ति संबंधी अधिक लचीला ढांचा उपलब्ध होगा।

सेबी ने प्रस्ताव दिया है कि ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म अब अंतरराष्ट्रीय वित्तीय सेवा केंद्र प्राधिकरण द्वारा विनियमित उत्पाद, प्रतिभूतियां और सेवाएं भी पेश कर सकेंगे। अभी ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म केवल सेबी, रिजर्व बैंक, आईआरडीएआई और पीएफआरडीए द्वारा नियंत्रित उत्पाद ही उपलब्ध करा सकते हैं। हालांकि विदेशी मुद्रा प्रबंधन अधिनियम (फेमा), ओवरसीज इन्वेस्टमेंट नियम और लिबरलाइज्ड रेमिटेंस स्कीम की शर्तों का पालन जरूरी होगा।

सेबी ने ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म को आयकर अधिनियम की धारा 54ईसी के तहत जारी टैक्स-सेविंग बॉन्ड्स उपलब्ध कराने का प्रस्ताव रखा है। ये बॉन्ड पूंजीगत लाभ कर बचाने के लिए उपयोग किए जाते हैं। वर्तमान में इन्हें प्रमुख सरकारी कंपनियां जारी करती हैं। अभी तक ऐसे बॉन्डों को सूचीबद्धता से छूट प्राप्त होने के कारण ऑनलाइन प्लेटफॉर्म पर उपलब्ध कराने को लेकर अस्पष्टता थी। सेबी ने कहा है कि ऑनलाइन प्लेटफार्म पर इन बॉन्ड्स के साथ लॉक-इन अवधि, निवेश सीमा, गैर-हस्तांतरणीय स्थिति, कर लाभ, आवेदन राशि, पात्र जारीकर्ता जैसी जानकारियां स्पष्ट रूप से प्रदर्शित करनी होंगी।

- **सेबी ने नियामकीय ढांचे में अहम बदलावों को किया प्रस्तावित**
- **विदेशी बॉन्ड और टैक्स-सेविंग बॉन्ड में निवेश होगा आसान**

इसलिए जरूरी हैं बदलाव

विशेषज्ञों के अनुसार देश का बॉन्ड बाजार अभी भी खुदरा निवेशकों के लिए सीमित पहुंच वाला है। यदि ये प्रस्ताव लागू होते हैं तो खुदरा निवेशकों को अधिक बॉन्ड विकल्प मिलेंगे, टैक्स प्लानिंग आसान होगी, विदेशी डेट मार्केट तक पहुंच बढ़ेगी, ऑनलाइन बॉन्ड प्लेटफॉर्म का दायरा विस्तृत होगा, कारोबार सुगमता को बढ़ावा मिलेगा।

निवेशकों को शेयर ट्रेडिंग जैसी सहजता

यदि ये बदलाव मंजूर होते हैं तो आने वाले समय में ऑनलाइन बॉन्ड निवेश शेयर ट्रेडिंग जितना सहज हो सकता है। खासकर उन निवेशकों के लिए जो सुरक्षित रिटर्न, टैक्स बचत और पोर्टफोलियो विविधीकरण चाहते हैं, यह बड़ा अवसर साबित हो सकता है।

संकटकालीन नयी ऋण गारंटी योजना का निर्णय साहसिक, दूरदर्शी : बनर्जी

नयी दिल्ली,एजेंसी

भारतीय उद्योग परिसंघ (सीआईआई) के महानिदेशक चंद्रजीत बनर्जी ने कहा है कि संकटकालीन ऋण सहायता पर गारंटी की नयी योजना- ईसीएलजीएस 5.0 की स्वीकृति सरकार का एक साहसिक और दूरदर्शी कदम है, जो पश्चिम एशिया संकट से उत्पन्न बढ़ते आर्थिक दबावों से भारतीय उद्योग को सुरक्षा प्रदान करेगा। गौरतलब है कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की अध्यक्षता में मंत्रिमंडल की मंगलवार को हुई इस बैठक में इस योजना को मंजूरी दी गयी। सीआईआई महानिदेशक श्री बनर्जी ने कहा कि हम इस बात की सराहना करते हैं कि यह योजना वित्त मंत्रालय को सीआईआई द्वारा दी गई विशिष्ट सिफारिश को दर्शाती है, जो उद्योग की चिंताओं के प्रति सरकार की निरंतर संवेदनशीलता को दिखाती है।' इस योजना में सरकार ने कुल 2.55 लाख करोड़ के नये कर्जों के लिए गारंटी की सुविधा प्रदान करने का लक्ष्य रखा है जिससे बैंकों को संकट के इस दौर में नकदीय प्रवाह के संकट का सामना कर रही व्यावसायिक इकाइयों को कर्ज सहायता देने में आसानी होगी। स्वीकृत योजना के तहत एमएसएमई के लिए 100 प्रतिशत और एयरलाइन कंपनियों सहित गैर-एमएसएमई क्षेत्रों को दिये जाने वाले कर्ज पर 90 प्रतिशत गारंटी कवरेज देने का प्रावधान है।

ट्रूकॉलर रिपोर्ट : स्पैम कॉल प्रभावित देशों में 5वें स्थान पर है भारत

नई दिल्ली,एजेंसी

भारत दुनिया में पांचवें सबसे अधिक स्पैम कॉल प्रभावित देशों में शामिल है। बिक्री और टेलीमार्केटिंग कॉल्स इस समस्या का प्रमुख कारण बनी हुई हैं। कॉल करने वालों की पहचान की सुविधा देने वाले मंच 'ट्रूकॉलर' की एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई है। स्पैम कॉल से सबसे अधिक प्रभावित देशों की वैश्विक सूची में इंडोनेशिया शीर्ष पर है। इसके बाद चिली, वियतनाम और ब्राजील का स्थान है। ट्रूकॉलर के 50 करोड़ वैश्विक उपयोगकर्ताओं के गुमनाम और एकीकृत डेटा पर आधारित इन आंकड़ों से पता चला है कि कंपनी ने साल 2025 में दुनिया भर में 68 अरब से अधिक स्पैम और धोखाधड़ी करने वाली कॉल की पहचान की।

भारत में स्पैम कॉल की तीव्रता 66 प्रतिशत दर्ज की गई। आंकड़ों के अनुसार, भारत में कुल स्पैम गतिविधि में 'सेल्स' और 'टेलीमार्केटिंग' कॉल की हिस्सेदारी सबसे अधिक 36 प्रतिशत रही, जिसके बाद वित्तीय सेवाओं का स्थान (18 प्रतिशत) रहा। वहीं, देश में कुल स्पैम कॉल में धोखाधड़ी का हिस्सा 12 प्रतिशत पाया गया।

ऐसे रोकें स्पैम कॉल

- **DND सक्रिय करें** : अपने फोन से 1909 पर "START 0" लिखकर SMS भेजें, या अपनी टेलीकॉम कंपनी की ऐप/वेबसाइट से DND सक्रिय करें।
- **फोन सेटिंग्स का उपयोग** : फोन एप की Settings -> Caller ID & Spam में जाकर 'Filter spam calls' को सक्षम करें।
- **नंबर ब्लॉक और रिपोर्ट** : बार-बार आने वाले नंबरों को कॉल लॉग में जाकर 'Block/Report Spam' विकल्प से ब्लॉक करें।
- **संचार साथी पोर्टल** : यदि आपको परेशान करने वाली कॉल जारी रहती हैं, तो सरकार के संचार साथी पोर्टल पर रिपोर्ट करें।

रिपोर्ट | **लागत के अनुरूप पेट्रोल–डीजल दाम नहीं बढ़ने पर तेजी से घट सकती है कर पूर्व आय : फिच रेटिंग्स**

महंगे कच्चे तेल से भारतीय कंपनियों पर बढ़ेगा दबाव

नई दिल्ली, एजेंसी

कच्चे तेल की कीमतें ऊंचे स्तर पर बने रहने और घरेलू ईंधन कीमतों में समय पर वृद्धि नहीं होने की स्थिति में भारत की तेल विपणन कंपनियों (ओएमसी) पर आर्थिक दबाव बढ़ सकता है। इससे उनकी कमाई और नकदी प्रवाह भी प्रभावित होगा। फिच रेटिंग्स ने मंगलवार को यह अनुमान जताया।

रेटिंग एजेंसी ने अपनी एक रिपोर्ट में कहा कि कच्चे तेल की ऊंची लागत के अनुरूप पेट्रोल-डीजल की कीमतों में वृद्धि नहीं होने पर तेल कंपनियों की कर-पूर्व आय (ईबीआईटीडीए) तेजी से घट सकती है। इसके अलावा बड़े स्तर पर भंडारण और अधिक रिफाइनिंग मात्रा के कारण कार्यशील पूंजी की जरूरत भी बढ़ेगी, जिससे मुक्त नकदी प्रवाह पर दबाव आएगा।

फिच रेटिंग्स ने कहा कि कच्चे तेल में अल्पकालिक उतार-चढ़ाव के बजाय लंबे समय तक ऊंची कीमतें बने रहना एक बड़ा जोखिम है। रेटिंग एजेंसी के मुताबिक, भारतीय पेट्रोलियम कंपनियों के व्यवसाय मॉडल और पूंजीगत व्यय के आधार पर उनके क्रेडिट प्रोफाइल में अंतर दिखेगा। इंडियन ऑयल का विविधीकृत कारोबार उसे अपेक्षाकृत अधिक मजबूत बनाता है, जबकि भारत पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (बीपीसीएल) पर विस्तार और ऊर्जा बदलाव से जुड़े खर्च के कारण दबाव रह सकता है।

वहीं, हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉरपोरेशन लिमिटेड (एचपीसीएल) की स्थिति संयुक्त उपक्रम परियोजनाओं के पूरा होने के साथ बेहतर हो सकती है। हालांकि लंबे समय तक ऊंचे दाम बने रहने पर ऐसा होने में देरी हो सकती है। फिच रेटिंग्स ने कहा कि यदि 2026 में ब्रेंट क्रूड औसतन 100 डॉलर प्रति बैरल के आसपास रहता है, तो केवल रिफाइनिंग पर आधारित कंपनियां बेहतर प्रदर्शन कर सकती हैं। खुदरा ईंधन कीमत नियंत्रण से प्रभावित कंपनियां दबाव में रहेंगी।

रिपोर्ट के मुताबिक, एशिया-प्रशांत क्षेत्र में कंपनियों की रेटिंग सरकारी स्वामित्व से जुड़ी हुई है, जिससे कमजोर स्वतंत्र क्रेडिट प्रोफाइल का असर सीमित रहता है। सरकारी नीतियां और मूल्य स्थिरीकरण तंत्र इस क्षेत्र में प्रमुख भूमिका निभाते रहेंगे।

रेटिंग एजेंसी मूडीज ने कहा-झटकों से निपटने में बेहतर स्थिति में है देश

भारत सबसे मजबूत उभरती अर्थव्यवस्था

नई दिल्ली, एजेंसी

भारत उभरते बाजारों में 2020 के बाद से सबसे मजबूत अर्थव्यवस्था बना हुआ है और इसके बड़े विदेशी मुद्रा भंडार ने वैश्विक झटकों के दौरान मुद्रा की अस्थिरता को नियंत्रित करने तथा विश्वास को मजबूत करने में मदद की है। साख तय करने वाली एजेंसी मूडीज रेटिंग्स ने मंगलवार को यह बात कही।

उभरते बाजारों पर अपनी रिपोर्ट में मूडीज ने कहा कि स्पष्ट एवं भरोसेमंद मौद्रिक नीति रूपरेखा, मुद्रास्फीति अपेक्षाओं का स्थिर रहना और जरूरत पड़ने पर विनिमय दरों का समायोजित हो पाना, इन सभी कारणों से भारत भविष्य के झटकों से निपटने के लिए अच्छी स्थिति में है। मूडीज ने कहा कि उभरते देशों में भारत 'बेहतर स्थिति' में है और भविष्य में किसी भी तनाव के समय में देश मजबूत सुरक्षा बनाए रखेगा।

रेटिंग एजेंसी ने कहा कि घरेलू वित्त पोषण पर भारत की निर्भरता स्थानीय बाजारों की मजबूती और बेहतर भंडार से संतुलित होती है। हालांकि, भारत का अपेक्षाकृत उच्च ऋण बोझ और कमजोर राजकोषीय संतुलन लगातार झटकों से निपटने के लिए उपलब्ध गुंजाइश को सीमित करता है। इसमें कहा गया कि हाल के दबाव से पहले ही भारत ने स्थिरता को समर्थन देने वाले महत्वपूर्ण नीतिगत निर्णय लिए थे।

इन देशों पर किया गया अध्ययन

मूडीज ने उभरती अर्थव्यवस्थाओं की अस्थिर वित्तीय परिस्थितियों में उनके वित्त पोषण लागत और बाजार पहुंच के आधार पर उनकी जुझारू क्षमता का आकलन किया। इसमें भारत, इंडोनेशिया, मेक्सिको, मलेशिया, थाईलैंड, ब्राजील, दक्षिण अफ्रीका, नाइजीरिया, तुर्किये और अर्जेंटीना जैसे बड़े उभरते बाजार देशों पर ध्यान केंद्रित किया गया।

भारतीय निवेश से अमेरिका में बढ़ रहे रोजगार के अवसर

वॉशिंगटन,एजेंसी। भारत से अमेरिका में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगभग 16.4 अरब अमेरिकी डॉलर रहा जिससे रोजगार के करीब 70,800 अवसर उत्पन्न हुए। अमेरिका के एक वरिष्ठ अधिकारी ने यह जानकारी दी। अमेरिका के वाणिज्य विभाग में नीति एवं अंतरराष्ट्रीय व्यापार प्रशासन के अमेरिकी उप अवर सचिव ब्रैंडन रेमिंगटन ने सोमवार शाम मैरीलैंड के नेशनल हार्बर में आयोजित 'सेलेक्ट यूएसए' निवेश शिखर सम्मेलन में 'सीआईआई इंडिया रिसेप्शन' को संबोधित करते हुए कहा कि भारत से अमेरिका में प्रत्यक्ष विदेशी निवेश (एफडीए) करीब 16.4 अरब डॉलर रहा जिससे करीब 70,800 नौकरियों को समर्थन मिला। उन्होंने कहा कि भारतीय कंपनियों ने अमेरिका में अनुसंधान एवं विकास पर 33 करोड़ डॉलर भी खर्च किए हैं। रेमिंगटन ने कहा कि हम भारत से आपके निवेश का स्वागत करते हैं।

उपलब्ध संचयी आंकड़ों के अनुसार, अमेरिका में भारत से कुल प्रत्यक्ष विदेशी निवेश लगभग 16.4 अरब डॉलर रहा है।

होर्मुज को जबरन खोलने के अमेरिकी प्रयास से फिर युद्ध भड़कने का खतरा

यूएई में ड्रोन और मिसाइल हमले ने भड़काई चिंगारी, हालांकि अभी युद्धविराम कायम

दुबई, एजेंसी

अमेरिकी की ओर से वाणिज्यिक जहाजों के लिए होर्मुज जलडमरूमध्य को जबरन खोलने की कोशिश के बाद ईरान के साथ फिर से युद्ध भड़कने का खतरा मंडराने लगा है। अमेरिका ने ईरान के होर्मुज पर नियंत्रण को खत्म करने के लिए उन्नत सुरक्षा क्षेत्र बनाने की घोषणा की है। उसकी इस कोशिश के खिलाफ ईरान ने जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी है। इस बीच मंगलवार को संयुक्त अरब अमीरात ने ईरान पर मिसाइल और ड्रोन से हमले करने का आरोप लगाया, हालांकि इसके बावजूद युद्धविराम फिलहाल बरकरार है।

होर्मुज पर ईरान के नियंत्रण को खत्म करने की अमेरिकी घोषणा के बाद एक प्रमुख ईरानी अधिकारी ने अमेरिका पर क्षेत्रीय सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाया और जवाबी कार्रवाई करने की चेतावनी दी। अमेरिका की सेना ने कहा कि सोमवार को अमेरिकी ध्वज वाले दो व्यापारिक जहाज होर्मुज से सफलतापूर्वक गुजर गए, लेकिन यह देखना बाकी है कि मंगलवार को और जहाज गुजरेंगे या नहीं। जहाज ट्रैकिंग डेटा से पता चला कि फारस की खाड़ी में लंगर डालने के बाद मंगलवार सुबह पनामा के ध्वज वाला एक तेल टैंकर जलडमरूमध्य के केंद्र की ओर बढ़ रहा था, हालांकि यह स्पष्ट नहीं था कि वह गुजरने की कोशिश करेगा या नहीं। समुद्री यातायात और जहाज की जानकारी देने वाली वेबसाइट के अनुसार, टैंकर का गंतव्य सिंगापुर था।

ईरान की ओर से होर्मुज को बंद करने के बाद से ईंधन की कीमतें आसमान छू रही हैं और वैश्विक अर्थव्यवस्था हिल गई है। विश्व के करीब 20 फीसदी तेल और प्राकृतिक गैस का कारोबार होर्मुज जलडमरूमध्य के जरिए होता है और यह मार्ग उर्वरक और अन्य पेट्रोलियम उत्पादों के कारोबार के लिए भी अहम है। ईरान के लिए होर्मुज युद्ध समाप्त करने के लिए जारी वार्ता में एक बड़ा रणनीतिक लाभ साबित हुआ है। होर्मुज में ईरान के नियंत्रण को खत्म करने से वैश्विक आर्थिक चिंताएं जरूर कम होंगी लेकिन तेहरान को प्रमुख लाभप्रद स्थिति से वंचित हो जाएगा। ऐसे में इन प्रयासों से बड़े पैमाने पर वह युद्ध फिर भड़कने का खतरा है, जिसके कारण ईरान ने इस जलडमरूमध्य को बंद कर दिया था।

संयुक्त अरब अमीरात के फुजैरा में एक तेल क्षेत्र पर मिसाइल हमले के बाद उठता धुआं।

अमेरिकी पहल युद्धविराम का उल्लंघन : कलिबफ

ईरान ने कहा है कि अमेरिका का नया प्रयास तीन सप्ताह से अधिक समय से कायम नाजुक युद्धविराम का उल्लंघन है। ईरान की संसद के अध्यक्ष और मुख्य वार्ताकार मोहम्मद बगेर कलिबफ ने मंगलवार को एक पोस्ट में अमेरिका पर होर्मुज जलडमरूमध्य में जहाजरानी सुरक्षा को कमजोर करने का आरोप लगाया। चेतावनी दी कि होर्मुज में एक नया समीकरण आकार ले रहा है। उन्होंने कहा, तेहरान ने अभी तक जलमार्ग को फिर से खोलने के अमेरिकी प्रयास पर पूरी तरह प्रतिक्रिया नहीं दी है। कहा, हम भली-भांति जानते हैं कि यथास्थिति जारी रहना अमेरिका के लिए असहनीय है, जबकि हमने अभी तक शुरुआत भी नहीं की है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने रविवार को चेतावनी दी थी कि जलडमरूमध्य से आवागमन रोकने के ईरानी प्रयासों से सख्ती से निपटना होगा। उन्होंने कहा कि जलडमरूमध्य को फिर से खोलने का अमेरिकी प्रयास, जिसे 'प्रोजेक्ट फ्रीडम' नाम दिया गया है, युद्ध शुरू होने के बाद से फारस की खाड़ी में अटके सैकड़ों जहाजों पर फंसे नाविकों की सहायता के लिए है।

दावा... ईरान की 15 मिसाइलों चार ड्रोन को नाकाम किया

संयुक्त अरब अमीरात के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि उसकी हवाई रक्षा प्रणाली ने ईरान की ओर से दागी गई 15 मिसाइलों और चार ड्रोनों को नाकाम कर दिया। फुजैराह के अधिकारियों ने बताया कि एक ड्रोन हमले से एक महत्वपूर्ण तेल संयंत्र में आग लग गई, जिसमें तीन भारतीय नागरिक घायल हो गए। ब्रिटिश सेना ने संयुक्त अरब अमीरात के तट पर दो मालवाहक जहाजों में आग लगने की सूचना दी। हमलों की पुष्टि या खंडन किए बगैर मंगलवार सुबह ईरान के विदेश मंत्री अब्बास अराघची ने कहा कि अमेरिका और यूएई दोनों को दलदल में फिर घसीटे जाने से सावधान रहना चाहिए। अमेरिका-ईरान के बीच मध्यस्थता कर रहे पाकिस्तान और सऊदी अरब दोनों ने फुजैराह में हुए हमलों की निंदा की। अमेरिकी नाकाबंदी के कारण तेहरान को तेल राजस्व से वंचित होना पड़ा है, जिसकी उसे अपनी कमजोर अर्थव्यवस्था को सहारा देने के लिए आवश्यकता है।

रूस का युद्धविराम की घोषणा के बाद कीव पर हमला, 22 की मौत

मॉस्को, एजेंसी

- विजय दिवस मनाने के लिए की थी दो दिन के युद्धविराम की घोषणा, बाद में बिजली ग्रिड को बनाया निशाना, 39 घायल

रूस के रक्षा मंत्रालय ने द्वितीय विश्व युद्ध में नाजी जर्मनी की पराजय की 81वीं वर्षगांठ के उपलक्ष्य में शुक्रवार और शनिवार को यूक्रेन में एकतरफा युद्धविराम की घोषणा की। हालांकि इसके बाद कीव पर मिसाइल और ड्रोन से हमला भी किया जिसमें 22 लोगों की मौत हो गई और 39 लोग घायल हो गए।

रूस अपने सबसे अहम कार्यक्रम विजय दिवस समारोह मनाने की तैयारी कर रहा है। इसके तहत मॉस्को के रेड स्क्वायर पर पारंपरिक सैन्य परेड का आयोजन किया जाएगा। हालांकि यूक्रेन की ओर से हमलों की आशंका के कारण कार्यक्रम को सीमित कर दिया गया है। रूस के रक्षा मंत्रालय ने कहा कि अगर यूक्रेन ने शनिवार को हो रहे समारोह में बाधा डाली तो रूस कीव के बीचोंबीच बड़ा मिसाइल हमला करेगा। ऐसे में वहां के नागरिक और विदेशी दूतावासों के कर्मचारी शहर तुरंत छोड़ने को तैयार रहें।

जेलेंस्की ने जवाब में कहा कि हालांकि कीव को युद्धविराम के लिए कोई आधिकारिक अनुरोध प्राप्त नहीं हुआ है, लेकिन बुधवार आधी रात तक बचे समय में युद्धविराम लागू करना संभव है। उन्होंने क्रेमलिन से आग्रह किया कि वह युद्ध समाप्त करने के लिए ठोस कदम उठाए, इसलिए भी क्योंकि रूस के रक्षा मंत्रालय ने स्वीकार कर लिया है कि वह यूक्रेन की सहमति के बिना मॉस्को में परेड आयोजित नहीं कर सकता।

रूस के मिसाइल हमले से एक ट्रक में लगी आग बुझाते यूक्रेन के बचावकर्मी।

जेलेंस्की ने कहा- जवाबी कार्रवाई करेंगे

कीव। रूस ने युद्धविराम की घोषणा के बाद रात के दौरान यूक्रेन के बिजली ग्रिड को निशाना बनाकर हमले किए। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की ने कहा कि रूस का दो दिनों के लिए एकतरफा युद्धविराम की घोषणा के बाद हमले शुरू करना अत्यंत निंदनीय है। जेलेंस्की ने एक्स पर पोस्ट किया, रूस किसी भी क्षण युद्धविराम कर सकता है और इससे युद्ध और हमारी प्रतिक्रियाएं रुक जाएंगी। शांति की आवश्यकता है और इसके लिए ठोस कदम उठाने होंगे। यूक्रेन भी उसी तरह कार्रवाई करेगा। यूक्रेनी वायुसेना ने बताया कि रूसी सेना ने सोमवार रात के दौरान यूक्रेन पर 11 इस्कंदर-एम बैलिस्टिक मिसाइल और 164 ड्रोन दागे, जिनमें जेटचालित शाहेद ड्रोन भी शामिल था। वायु रक्षा इकाइयों ने 149 ड्रोन और एक मिसाइल को रोक दिया लेकिन अन्य ड्रोन लक्ष्य तक पहुंचने में सफल रहे।

यूक्रेन ने भी रूस पर दागीं मिसाइलें और ड्रोन

यूक्रेन ने भी रूसी सीमावर्ती क्षेत्रों पर लंबी दूरी के हमले जारी रखे और तेल इकाइयों को निशाना बनाया। रूस के रक्षा मंत्रालय ने बताया कि उसकी सेना ने रात भर में रूस के 18 क्षेत्रों में 289 यूक्रेनी ड्रोन नष्ट किए। क्रीमिया प्रायद्वीप जिसे रूस ने 2014 में यूक्रेन से छीन लिया था और आजोव सागर के ऊपर भी ड्रोनों को रोका गया। मॉस्को के पूर्व में स्थित और यूक्रेनी सीमा से 900 किलोमीटर से अधिक दूर चेबोकसारी शहर में यूक्रेनी ड्रोन हमले में तीन लोग घायल हो गए। स्थानीय गवर्नर अलेक्सांद्र द्रोजदेन्को ने बताया कि यूक्रेनी ड्रोन ने सेंट पीटर्सबर्ग के पास लेनिनग्राद क्षेत्र में किरीशी तेल रिफाइनरी पर भी हमला किया जिससे शहर के औद्योगिक क्षेत्र में आग लग गई।

वर्ल्ड ब्रीफ

दो भारतीय पत्रकार पुलित्जर पुरस्कार से किए गए सम्मानित

न्यूयॉर्क। भारतीय पत्रकार आनंद आरके और सुपर्णा शर्मा को डिजिटल निगरानी और साइबर धोखाधड़ी पर उनके काम के लिए प्रतिष्ठित पुलित्जर पुरस्कार से सम्मानित किया गया है। सोमवार को घोषित इस पुरस्कार में आनंद और सुपर्णा को 'इलस्ट्रेटेड रिपोर्टिंग एंड कमेंट्री' श्रेणी में यह सम्मान मिला। इस पुरस्कार को उन्होंने ब्लूमबर्ग की नताली ओबिको पियर्सन के साथ साझा किया। पुलित्जर पुरस्कार की वेबसाइट के अनुसार, ट्रैप्ड शीर्षक से ब्लूमबर्ग के लिए तैयार की गई यह खबर भारत की एक न्यूरोलॉजिस्ट की रोंगटे खड़े कर देने वाली कहानी बयां करती है, जिन्हें जालसाजों ने डिजिटल अरेस्ट किया था। इस खबर ने डिजिटल निगरानी और साइबर ठगी के बढ़ते वैश्विक खतरे को बेहद प्रभावशाली तरीके से उजागर किया।

मॉरिटानिया की दो सांसदों को राष्ट्रपति के अपमान पर कारावास

नोवाक्शोत (मॉरिटानिया)। मॉरिटानिया में राष्ट्रपति का अपमान करने और उनपर नस्लीय भेदभाव करने के आरोप लगाने के बाद विपक्षी दल की दो महिला सांसदों को चार साल कारावास की सजा सुनाई गई। सांसद मरियम शेख डिएंग और गामौ अचौर ने पिछले महीने राष्ट्रपति मोहम्मद औलद ग़ज़ौनी की आलोचना करते हुए सोशल मीडिया पर पोस्ट किया था। इसके बाद सांसदों पर सरकारी प्रतीकों पर हमला करने और सार्वजनिक सुरक्षा को कमजोर करने के उद्देश्य से सभाएं बुलाने का आरोप लगाया गया था। दोनों सांसदों ने गजौनी को हटाने की मांग की थी और अरब-बहुल न्याय प्रणाली पर अश्वेत नागरिकों तथा गुलामों के वंशजों के साथ दूसरे दर्जे के नागरिकों जैसा व्यवहार करने का आरोप लगाया था।

भारतीय रिजर्व बैंक की इमारत में आग, छह दमकल गाड़ियां भेजीं

नई दिल्ली। दिल्ली के संसद मार्ग पर स्थित भारतीय रिजर्व बैंक की इमारत में मंगलवार को आग लग गई। दिल्ली अग्निशमन सेवा (डीएफएस) के एक अधिकारी ने बताया कि घटना की सूचना मिलने के बाद दमकल की छह गाड़ियों को मौके पर भेजा गया। उन्होंने बताया कि दोपहर एक बजकर पांच मिनट पर इमारत की छत पर लगे सौर ऊर्जा पैनल में आग लगने के संबंध में सूचना मिली। अधिकारी ने बताया, हमने दमकल की छह गाड़ियों को मौके पर भेजा है।

चीन: पटाखा कारखाने में विस्फोट से कई किलोमीटर तक तबाही, 26 लोगों की मौत

बीजिंग। चीन के हुनान प्रांत के लियुयांग शहर में पटाखा कारखाने में विस्फोट में 26 लोगों की मौत हो गई और 61 घायल हो गए। सोमवार दोपहर हुनान प्रांत की राजधानी चांगशा के शहर लियुयांग में 'हुआशेंग फायरवर्क्स मैन्युफैक्चरिंग एंड डिसप्ले कंपनी' के कारखाने में हुए इस भीषण विस्फोट से कई किलोमीटर तक तबाही का मंजर दिखाई दिया।

विस्फोट के बाद राहत अभियान के लिए पांच दलों में 480 से अधिक बचावकर्मियों को तैनात किया गया है और तीन रोबोट को भी लगाया गया है। चीन दुनिया के प्रमुख पटाखा निर्माता और निर्यातक देशों में से एक है।

- तीन रोबोट के साथ बचाव में लगाए गए 480 कर्मचारी

सरकारी समाचार एजेंसी 'शिन्हुआ' की खबर अनुसार, घटनास्थल के पास दो बारूद गोदाम होने के मद्देनजर बचावकर्मियों ने आसपास के निवासियों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाया और इलाके की घेराबंदी कर दी है। चांगशा के मेयर चेन बोझांग ने लोगों की मौत पर प्रति शोक व्यक्त किया और उनके परिजनों, प्रभावित निवासियों तथा समाज को सांत्वना दी। मेयर ने कहा, हम इस हादसे से बेहद दुखी हैं और इसका बेहद अफसोस है। आपातकालीन प्रबंधन मंत्रालय ने राहत एवं बचाव कार्य की निगरानी के लिए अपने विशेषज्ञ घटनास्थल पर भेज दिए हैं।

चीन की पटाखा फैक्ट्री में भीषण विस्फोट के बाद कैमरे में कैद हुआ दिल दहलाने वाला नजारा।

पाकिस्तानी नौसेना ने की भारतीय जहाज के चालक दल की सहायता

इस्लामाबाद। पाकिस्तानी नौसेना ने अरब सागर में फंसे एक भारतीय पोत के चालक दल को मानवीय सहायता प्रदान की। यह जहाज तकनीकी खराबी आने के बाद अरब सागर में फंस गया था।

पाकिस्तान के समाचारपत्र डॉन ने एक खबर में सुरक्षा सूत्रों के हवाले से बताया गया कि बचाव और सहायता नौसेना की सहायता पाकिस्तान समुद्री सुरक्षा एजेंसी ने की। मुंबई स्थित समुद्री बचाव एवं समन्वय केंद्र ने पाकिस्तानी अधिकारियों से संपर्क कर सहायता का अनुरोध किया था जिसके बाद इसके लिए अभियान शुरू किया गया। इस चालक दल में छह भारतीय और एक इंडोनेशियाई नागरिक शामिल थे। ओमान से भारत जा रहे एमवी गौतम नामक पोत के चालक दल ने तकनीकी खराबी की सूचना दी। फंसे हुए चालक दल को भोजन, चिकित्सा और तकनीकी सहित आपात सहायता प्रदान की गई। पिछले महीने अरब सागर में संकट के संबंध में सूचना मिलने के बाद पाकिस्तानी नौसेना ने एक व्यापारिक पोत से विदेशी नागरिकों सहित चालक दल के 18 सदस्यों को बचाया था।

- तकनीकी खराबी आने के बाद मुंबई स्थित समुद्री बचाव केंद्र ने पाकिस्तान से किया था आग्रह

पाकिस्तान में प्रमुख धर्मगुरु मौलाना इदरीस की हत्या

पेशावर, एजेंसी

- घात लगाकर की गोलीबारी, विरोध में प्रदर्शन, भीड़ ने सड़कें जाम कीं राष्ट्रपति-प्रधानमंत्री ने जताया दुख

पाकिस्तान के खैबर पख्तूनख्वा प्रांत में मंगलवार को लक्षित हमले में एक प्रमुख धर्मगुरु की गोली मारकर हत्या कर दी गई। पुलिस के मुताबिक अज्ञात बंदूकधारियों ने चारसद्दा जिले के उस्मानज़ई इलाके में शेख-उल-हदीस मौलाना मोहम्मद इदरीस के वाहन पर घात लगाकर हमला किया जिसमें उनके साथ मौजूद दो सुरक्षाकर्मी घायल हो गए।

इदरीस को पाकिस्तान के वरिष्ठ और सम्मानित धार्मिक विद्वानों में गिना जाता था। इस हमले की जिम्मेदारी फिलहाल किसी भी समूह ने नहीं ली है। पुलिस के अनुसार, हमलावरों ने धर्मगुरु पर उस समय गोली चलाई, जब वह दारुल उलूम उत्मान जई में दर्स-ए-हदीस (धार्मिक प्रवचन) देने जा रहे थे। उनकी मौत की खबर सुनकर बड़ी संख्या में उनके समर्थक और प्रशंसक अस्पताल में जमा हो गए। इस घटना के बाद इलाके में विरोध प्रदर्शन शुरू हो गए जिसमें सैकड़ों प्रदर्शनकारी चारसद्दा शहर की ओर मार्च करते हुए दोषियों की तत्काल गिरफ्तारी की मांग करने लगे। प्रदर्शनकारियों ने सड़के भी अवरुद्ध कर दी और फारूक-ए-आजम चौक पर धरने पर बैठ गए।

इदरीस के ससुर मौलाना हसन जान भी प्रसिद्ध धार्मिक विद्वान थे, जिनकी 2007 में पेशावर में प्रतिबंधित तहरीक-ए-तालिबान पाकिस्तान (टीटीपी) के सशस्त्र संघर्ष का विरोध करने के कारण हत्या कर दी गई थी। राष्ट्रपति आसिफ अली जरदारी ने इदरीस की हत्या पर दुख जताया। प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने भी दुख जताया और मृतक के परिजन के प्रति संवेदना व्यक्त की।

भारत पहुंचे वियतनाम के राष्ट्रपति, महाबोधि मंदिर में की सफाई

नई दिल्ली। वियतनाम के राष्ट्रपति टो लैम प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के निमंत्रण पर भारत की पहली राजकीय यात्रा पर मंगलवार को नई दिल्ली पहुंचे। उनका यहां गर्मजोशी से स्वागत किया गया।

राष्ट्रपति लैम इससे पहले दिन में बिहार स्थित गया अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे पर पहुंचे थे। उन्होंने महाबोधि मंदिर में पूजा अर्चना कर भगवान बुद्ध का आशीर्वाद लिया। बोधगया के ज्ञानस्थली महाबोधि मंदिर में राष्ट्रपति ने अपने पूरे कैबिनेट, मंत्रिमंडल के 30 सदस्यों के साथ भगवान बुद्ध की पूजा और आराधना की।

श्रीलंका के नेताओं ने तमिलनाडु में जीत पर विजय को दी बधाई

कोलंबो। श्रीलंका के नेताओं ने अभिनेता से राजनेता बने विजय को उनके नेतृत्व वाली तमिलगा वेत्री कषगम (टीवीके) पार्टी की तमिलनाडु विधानसभा चुनावों में ऐतिहासिक जीत के लिए बधाई दी है। टीवीके ने इस चुनाव में 108 सीटें जीतकर चुनावी इतिहास रचा है।

श्रीलंका के तमिल बहुल उत्तरी प्रांत में टीवीके की जीत पर जश्न मनाया गया जहां युवाओं ने अभिनेता विजय की जीत का स्वागत किया। विपक्षी श्रीलंका पोदुजना पेरामुना के राष्ट्रीय आयोजक और सांसद नमाल राजपक्षे ने विजय को बधाई देते हुए कहा, मेरी कामना है कि आपको आने वाली चुनौतियों से पार पाने और लोगों को सार्थक लाभ पहुंचाने के लिए शक्ति और दृढ़ संकल्प मिले। उन्होंने द्विपक्षीय संबंधों में सुधार की उम्मीद भी जताई। बट्टिकलोआ के सांसद शनाकियान रसमानिकम ने भी विजय को बधाई दी। संसद में कहा, श्रीलंका की प्रमुख तमिल राजनीतिक पार्टी के रूप में हम तमिलनाडु सरकार और वहां की जनता के साथ मिलकर काम करने के लिए तत्पर हैं।

आय से अधिक संपत्ति के मामले में सीबीआई के डीएसपी पर केस

नई दिल्ली। केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) ने अपने ही पुलिस उपाधीक्षक (डीएसपी) के खिलाफ आय के ज्ञात स्रोत से अधिक संपत्ति अर्जित का एक मामला दर्ज किया है। सीबीआई का यह अधिकारी बैंकिंग, प्रतिभूति और धोखाधड़ी शाखा में तैनाती के दौरान रिश्वतखोरी के एक मामले को लेकर पहले से ही जांच के दायरे में हैं।

केंद्रीय एजेंसी के अधिकारियों के मुताबिक एजेंसी ने डीएसपी और उनकी पत्नी के खिलाफ 2021-24 के दौरान 98.33 लाख रुपये से अधिक की संपत्ति अर्जित करने का मामला दर्ज किया है, जो उनकी ज्ञात आय के स्रोतों से 87 प्रतिशत अधिक है। उन्होंने बताया कि अधिकारी और उनकी पत्नी ने इस संपत्ति के बारे में संतोषजनक स्पष्टीकरण नहीं दिया, जिसके बाद उनके खिलाफ भ्रष्टाचार रोकथाम अधिनियम के प्रावधानों के तहत मामला दर्ज किया गया। अधिकारियों ने बताया कि डीएसपी पहले से ही 2024 के एक मामले में जांच का सामना कर रहे थे, जिसमें उन पर जांच से गुजर रही कंपनियों और व्यक्तियों से पांच करोड़ रुपये की रिश्वत लेने का आरोप था।

- केंद्रीय एजेंसी ने खुद दर्ज कराया केस, पहले से चल रही है रिश्वतखोरी की जांच

कैसा रहेगा आपका आज का दिन

मेष आज ऊर्जा और आत्मविश्वास बना रहेगा। काम में नए अवसर मिल सकते हैं। जल्दबाजी से बचें, और सोच-समझकर निर्णय लें।

वृष आज आर्थिक स्थिति मजबूत होने के संकेत हैं। परिवार के साथ समय अच्छा बीतेगा। स्वास्थ्य को लेकर सतर्क रहें।

मिथुन आज नए लोगों से मुलाकात फायदेमंद रहेगी। करियर में प्रगति के अवसर मिलेंगे। ध्यान केंद्रित रखने की जरूरत है।

कर्क आज भावनाओं पर नियंत्रण रखना जरूरी है। घर-परिवार में खुशियां बनी रहेंगी। कार्यस्थल पर मेहनत रंग लाएगी।

सिंह आज आत्मविश्वास से सफलता मिलेगी। रुके हुए काम पूरे होने से मन प्रसन्न रहेगा। खर्चों पर नियंत्रण रखें।

कन्या आज योजना बनाकर काम करना लाभकारी रहेगा। स्वास्थ्य में सुधार होगा। सहकर्मियों का सहयोग मिलेगा।

तुला आज जीवन में संतुलन बनाए रखना जरूरी है। रिश्तों में मधुरता बढ़ेगी। नई योजनाएं सफल होने के प्रबल योग हैं।

वृश्चिक आज गुप्त योजनाएं सफल होंगी। निवेश के मामले में धैर्य से काम लें। जल्दबाजी न करें। आर्थिक लाभ के योग बन रहे हैं।

धनु आज व्यापारिक यात्रा के योग बन सकते हैं। सीखने के नए अवसर प्राप्त होंगे। सकारात्मक सोच बनाए रखें।

मकर आज मेहनत का फल मिलने के प्रबल योग हैं। जिम्मेदारियां बढ़ सकती हैं। समय प्रबंधन पर विशेष ध्यान देने की जरूरत है।

कुंभ आज नए विचार लाभदायक साबित हो सकते हैं। पुराने दोस्तों का सहयोग मिलेगा। करियर में बदलाव के संकेत हैं।

मीन आज का दिन नए काम की शुरुआत के लिए अच्छा है। रचनात्मकता बढ़ेगी। भावनात्मक संतुलन बनाए रखें।

आज का पंचांग

-आचार्य मधुरेंद्र पांडेय
astrompandey@gmail.com

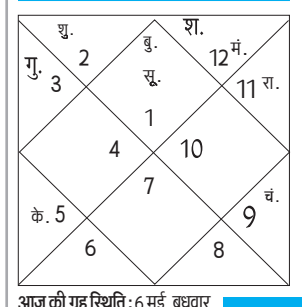

आज की ग्रह स्थिति : 6 मई, बुधवार 2026 संवत-2083, शक संवत 1948 मास- ज्येष्ठ, पक्ष-कृष्ण पक्ष, चतुर्थी 07 .51 तक तत्पश्चात पंचमी।

दिशाशूल-उत्तर, **ऋतु**- ग्रीष्म।
चन्द्रबल- मिथुन, कर्क, तुला, धनु, कुंभ, मीन।
ताराबल-अश्विनी, भरणी, कृत्तिका, मृगशिरा, पुनर्वसु, आश्लेषा, मघा, पूर्वा फाल्गुनी, उत्तरा फाल्गुनी, चित्रा, विशाखा, ज्येष्ठा, मूल, पूर्वाषाढ़ा, उत्तराषाढ़ा, धनिष्ठा, पूर्वाभाद्रपद, रेवती।
नक्षत्र-मूल 15 .54 तक तत्पश्चात पूर्वाषाढ़ा।

सुडोकू - 140 का हल

2	4	6	7	3	8	5	1	9
3	8	7	5	9	1	2	6	4
1	5	9	4	2	6	8	7	3
4	3	1	6	5	2	7	9	8
9	6	2	3	8	7	1	4	5
5	7	8	9	1	4	6	3	2
7	9	4	8	6	5	3	2	1
8	2	3	1	7	9	4	5	6
6	1	5	2	4	3	9	8	7

सुडोकू -141

	1		2					
			1				4	
	3	7						
1			7					3
		5	6					
2					8			9
4			9	8				
	6				7			
7		9					8	

खराब मौसम के कारण दिल्ली में पांच उड़ानों का मार्ग बदला

नई दिल्ली। दिल्ली हवाई अड्डे पर मंगलवार शाम खराब मौसम के कारण पांच उड़ानों का मार्ग बदल दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी के कई हिस्सों में गरज के साथ बारिश हुई।

एक अधिकारी ने बताया कि खराब मौसम के कारण दिल्ली हवाई अड्डे पर उतरने वाली पांच उड़ानों का मार्ग बदल दिया गया। राष्ट्रीय राजधानी में स्थित इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा (आईजीआई) देश का सबसे बड़ा हवाई अड्डा है और यहां प्रतिदिन 1,300 से अधिक उड़ानों का आवागमन होता है।

नई पहल | जयशंकर की यात्रा के दौरान हुए कई समझौते, कुशल पेशेवरों का आवागमन बढ़ाने पर भी दोनों देश राजी

भारत-जमैका व्यापारिक संबंधों को मजबूत करने पर सहमत

किंग्सटन, एजेंसी

विदेश मंत्री एस जयशंकर ने कहा कि भारत और जमैका व्यापारिक संबंधों को और मजबूत करने के साथ स्वास्थ्यकर्मियों और शिक्षकों सहित कुशल पेशेवरों की भर्ती और दोनों देशों में उनके आवागमन को बढ़ावा देने के लिए सहयोग की संभावनाओं को तलाशने पर सहमत हुए हैं। जमैका की अपनी समकक्ष कामिना जे स्मिथ के साथ सोमवार को हुई बातचीत के बाद संवाददाता सम्मेलन को संबोधित करते हुए जयशंकर ने कहा कि व्यापक चर्चा में द्विपक्षीय संबंधों के सभी पहलुओं की समीक्षा की गई, साथ ही साझेदारी को गहरा करने के नए रास्ते तलाशे गए।

जयशंकर ने कहा, भारत व्यापार और निवेश के लिए कैरेबियाई क्षेत्र के प्रवेश द्वार के रूप में और साजो सामान केंद्र के रूप में जमैका की बढ़ती भूमिका को मान्यता देता है। दोनों पक्षों ने रक्षा और सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा, डिजिटलीकरण, कृषि, शिक्षा एवं बुनियादी ढांचे के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने पर भी चर्चा की।

जमैका में जयशंकर की मौजूदगी में हुए कई समझौते।

उन्होंने कहा, जमैका में कारीगर सशक्तीकरण केंद्र स्थापित करने की संभावना पर भी भारत चर्चा कर रहा है। उन्होंने तूफान मेलिसा के बाद देश को इससे उबरने में समर्थन दोहराया। भारत ने राहत सामग्री की आपूर्ति की है, एक चिकित्सा दल तैनात किया है और 30 डायलिसिस यूनिट उपलब्ध करा रहा है। इसके अलावा, भारत राहत कार्यों के लिए 40 नौकाएं और 200 जीपीएस यूनिट भी भेज रहा है। मंत्रियों ने बहुपक्षीय मंचों पर घनिष्ठ सहयोग की पुष्टि की और सुधारित बहुपक्षवाद, जलवायु न्याय तथा ग्लोबल साउथ की प्राथमिकताओं जैसे मुद्दों पर चर्चा की।

जमैका में 70,000 भारतीय प्रवासी, ज्यादातर यूपी-बिहार से

किंग्स्टन स्थित भारतीय उच्चायोग की वेबसाइट के अनुसार, जमैका में लगभग 70,000 भारतीय प्रवासी रहते हैं, जिनके पूर्वज मुख्यत: उत्तर प्रदेश और बिहार से 1845 से 1917 के बीच गिरमिटिया मजदूरों के रूप जमैका आए थे। कुछ दक्षिण भारत से भी आए थे। जमैका की आबादी का तीन प्रतिशत हिस्सा भारतीय प्रवासी हैं और वे भारतीय संस्कृति, संगीत, नृत्य एवं इतिहास में गहरी रुचि रखते हैं, जो दोनों देशों के बीच एक सांस्कृतिक सेतु का काम करता है। जमैका में 10 मई को भारतीय विरासत दिवस के रूप में मनाया जाता है। जयशंकर भारत के रणनीतिक और सांस्कृतिक संबंधों को कैरेबियन देशों के साथ और मजबूत करने के उद्देश्य से जमैका, सूरीनाम, त्रिनिदाद एवं टोबैगो के नौ दिवसीय दौरे पर हैं और शनिवार को जमैका की राजधानी किंग्स्टन पहुंचे।

लखनऊ सुपर जायंटस की समस्या यह है कि जब उसकी गेंदबाजी अच्छी चलती है, तो बल्लेबाज उनका साथ नहीं देते और जब बल्लेबाज रन बनाते हैं, तो गेंदबाज जमकर रन लुटाते हैं। उनके प्रदर्शन में निरंतरता का अभाव है। –रवि शास्त्री, पूर्व मुख्य कोच, टीम इंडिया

स्टेडियम

बरेली, बुधवार, 6 मई 2026

अमृत विचार

www.amritvichar.com

IPL 2026

आज के मुकाबले

सनराइजर्स हैदराबाद

बनाम

पंजाब किंग्स

समय - शाम 7:30 बजे

ऑरेंज कैप

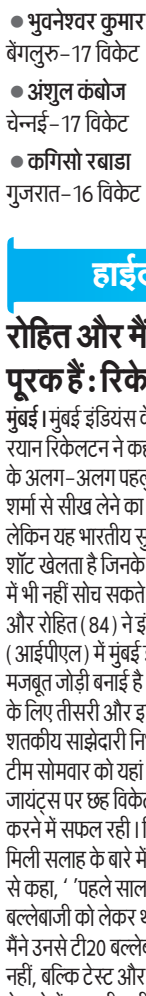

- केएल राहुल दिल्ली-433 रन
- अभिषेक शर्मा हैदराबाद 440 रन
- हेनरिक क्लासेन हैदराबाद-425 रन

पर्पल कैप

- भुवनेश्वर कुमार बेंगलुरु-17 विकेट
- अंशुल कंबोज चेन्नई-17 विकेट
- कगिसो रबाडा गुजरात-16 विकेट

हाईलाइट

रोहित और मैं एक दूसरे के पूरक हैं : रिकेलटन

मुंबई। मुंबई इंडियंस के सलामी बल्लेबाज रयान रिकेलटन ने कहा कि वह बल्लेबाजी के अलग-अलग पहलुओं पर रोहित शर्मा से सीख लेने का मौका नहीं चूकते हैं लेकिन यह भारतीय सुपरस्टार कुछ ऐसे शॉट खेलता है जिनके बारे में वह सपने में भी नहीं सोच सकते। रिकेलटन (83) और रोहित (84) ने इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में मुंबई इंडियंस के लिए मजबूत जोड़ी बनाई है। उन्होंने पहले विकेट के लिए तीसरी और इस सत्र की दूसरी शतकीय साझेदारी निभाई जिससे उनकी टीम सोमवार को यहां लखनऊ सुपर जायंट्स पर छह विकेट से जीत हासिल करने में सफल रही। रिकेलटन ने रोहित से मिली सलाह के बारे में मैच के बाद पत्रकारों से कहा, ''पहले साल में मैंने उनसे बल्लेबाजी को लेकर थोड़ा और सीखा। मैंने उनसे टी20 बल्लेबाजी के बारे में ही नहीं, बल्कि टेस्ट और वनडे की बल्लेबाजी के बारे में, उसकी बारीकियों और उससे जुड़ी मानसिकता के बारे में सीख ली।'' रिकेलटन ने कहा, ''बाएं हाथ और दाएं हाथ के बल्लेबाज के संयोजन के रूप में हम एक-दूसरे के पूरक हैं।

कप्तानी करना आसान नहीं पंत पर काफी दबाव : लैंगर

मुंबई, एजेंसी

लखनऊ सुपर जायंट्स (एलएसजी) के मुख्य कोच जस्टिन लैंगर ने कहा कि 27 करोड़ रुपये की कीमत हमेशा अच्छे प्रदर्शन की गारंटी नहीं देती, लेकिन ऋषभ पंत को इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) टीम की कप्तानी करने से पड़ने वाले दबाव का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने यह बात तब कही जब उनकी टीम प्ले-ऑफ की दौड़ से लगभग बाहर हो चुकी है। मुंबई इंडियंस के खिलाफ आईपीएल मैच में पंत एलएसजी के उन बल्लेबाजों में शामिल थे जो निकोलस पूरन (63) और मिचेल मार्श (44) से मिली अच्छी शुरुआत का फायदा नहीं उठा पाए। एलएसजी का स्कोर

आठ ओवर में एक विकेट पर 123 रन था लेकिन आखिर में उसकी टीम पांच विकेट पर 228 रन ही बना पाई और उसे छह विकेट से हार का सामना करना पड़ा। एलएसजी ने पंत को मोटी धनराशि में अपनी टीम से जोड़ा था लेकिन वह पिछले सत्र की तरह इस सत्र में भी अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाए हैं।

योगी सरकार ने दो नए स्पोर्ट्स कॉलेज का दिया तोहफा

राज्य ब्यूरो, लखनऊ

- सहारनपुर और फतेहपुर में 2026-27 सत्र से होगी पढ़ाई
- खेल व शिक्षा साथ-साथ, ग्रामीण प्रतिभाओं को मिलेगा मंच

अमृत विचार: प्रदेश में खेल प्रतिभाओं को निखारने के लिए योगी सरकार ने बड़ा कदम उठाते हुए सहारनपुर और फतेहपुर में 80-80 सीटों वाले दो नए स्पोर्ट्स कॉलेज शुरू करने का निर्णय लिया है। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के सख्त निर्देशों, समीक्षा और निरीक्षणों से वर्षों से लंबित इन परियोजनाओं को पूरा कर 2026-27 शैक्षिक सत्र से संचालन शुरू करने की तैयारी पूरी कर ली गई है।

यह पहल प्रदेश के दूरदराज क्षेत्रों के खिलाड़ियों के लिए गेम-चेंजर साबित हो सकती है, क्योंकि अब उन्हें प्रशिक्षण के लिए बड़े शहरों का रुख नहीं करना पड़ेगा। खेल और पढ़ाई के संतुलित मॉडल के तहत यहां छात्रों को आधुनिक सुविधाओं के साथ प्रोफेशनल कोचिंग भी मिलेगी। फतेहपुर स्पोर्ट्स कॉलेज को वर्ष 2011 में स्वीकृति मिली थी और इसे 2018 तक पूरा किया जाना था, जबकि सहारनपुर परियोजना 2013 तक पूरी होनी थी, लेकिन विभिन्न कारणों से ये योजनाएं वर्षों तक अधर में रहीं। योगी सरकार ने इन्हें प्राथमिकता में लेकर पूरा कराया, जिससे अब इनका लाभ खिलाड़ियों को मिल सकेगा। इन दोनों कॉलेजों के शुरू होने के बाद उत्तर प्रदेश में स्पोर्ट्स कॉलेजों की संख्या बढ़कर पांच हो जाएगी। अभी तक लखनऊ स्थित गुरु गोविंद सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज, गोरखपुर का वीर बहादुर सिंह स्पोर्ट्स कॉलेज और इटावा (सैफई) का मेजर ध्यान चंद स्पोर्ट्स कॉलेज ही संचालित हैं। इसके अलावा बलिया में एक और स्पोर्ट्स कॉलेज का निर्माण कार्य जारी है।

कक्षा 9 से प्रवेश, खेलों की विस्तृत व्यवस्था

- फतेहपुर और सहारनपुर दोनों स्पोर्ट्स कॉलेजों में कक्षा 9 से प्रवेश प्रक्रिया शुरू होगी। एथलेटिक्स रनर बालक के लिए 12, एथलेटिक्स जम्पर बालक के लिए 2, थ्रोवर बालक के लिए 4, हॉकी खिलाड़ी बालक के लिए 26, गोलकीपर बालक के लिए 4, कुश्ती बालक के लिए 10 और हैंडबॉल बालक के लिए 22 सीटें निर्धारित की गई हैं। इसी तरह सहारनपुर कालेज में एथलेटिक्स रनर बालक के लिए 8, एथलेटिक्स जम्पर बालक के लिए 6, थ्रोवर बालक के लिए 6, हॉकी खिलाड़ी बालक के लिए 21, हॉकी गोलकीपर बालक के लिए 4, जूडो बालक के लिए 10, बॉक्सिंग बालक के लिए 15 और भारोत्तोलन बालक के लिए 10 सीटें तय की गई हैं। भारोत्तोलन अभी तक किसी भी स्पोर्ट्स कॉलेज में नहीं था। सहारनपुर स्पोर्ट्स कॉलेज से पहली बार शुरू हो रहा है। इन कॉलेजों में प्रवेश के लिए छात्र का उत्तर प्रदेश का निवासी होना अनिवार्य है।

हर मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज का लक्ष्य

- खेल विभाग के सचिव सुहास एल.वाई. ने बताया कि प्रत्येक मंडल में स्पोर्ट्स कॉलेज और एक्सीलेंस सेंटर खोलने का लक्ष्य है। बंध समिति स्पोर्ट्स कॉलेज के सचिव व लखनऊ स्पोर्ट्स कॉलेज के प्रधानाचार्य अतुल सिन्हा ने कहा कि कुशल संचालन के लिए हर संभव प्रयास किया जाएगा। साथ ही खिलाड़ियों को कोई व्यवधान ना उत्पन्न हो, इसका विशेष ध्यान रखा जाएगा।

संजू सैमसन की शानदार बल्लेबाजी से सीएसके ने दिल्ली कैपिटल्स को हराया

आईपीएल 2026: सीएसके ने 17.3 ओवर में 159 रनों का लक्ष्य हसिल कर प्लेऑफ की अपनी उम्मीदों को बरकरार रखा

नई दिल्ली, एजेंसी

धीमी और गेंदबाजों की मददगार पिच पर संजू सैमसन की 52 गेंदों में 87 रन की नाबाद पारी के बूते चेन्नई सुपरकिंग्स ने इंडियन प्रीमियर लीग मैच में मंगलवार को दिल्ली कैपिटल्स को 15 गेंद शेष रहते आठ विकेट से हराया। दिल्ली कैपिटल्स को सात विकेट पर 155 रन पर रोकने के बाद सुपरकिंग्स ने 17.3 ओवर में दो विकेट पर 159 रन बनाकर प्लेऑफ में पहुंचने की अपनी उम्मीदों को बनाए रखा।

चेन्नई सुपरकिंग्स की यह 10 मैचों में पांचवीं जीत है और टीम तालिका में छठे स्थान पर बनी हुई है। दिल्ली कैपिटल्स इतने ही मैचों में छठी हार के बाद आठ अंकों के साथ सातवें स्थान पर है और प्लेऑफ में पहुंचने की उसकी उम्मीदों को बड़ा झटका लगा है। जिस पिच पर अन्य बल्लेबाज संघर्ष कर रहे थे, सैमसन ने वहां शानदार बल्लेबाजी करते हुए सात चौके और छह छक्के लगाने के अलावा तीसरे विकेट के लिए युवा कार्तिक शर्मा (नाबाद 41) के साथ 66 गेंदों में 114 रन की अटूट साझेदारी की।

पिछले मैच में नाबाद अर्धशतक जड़ने वाले कार्तिक ने 31 गेंदों की नाबाद पारी में चार चौके और दो छक्के लगा कर समझदारी से बल्लेबाजी की। दिल्ली कैपिटल्स के लिए कप्तान अक्षर पटेल और लुंगी एनगिडी ने एक-एक सफलता हासिल की। इससे पहले ट्रिस्टन स्टब्स (38) और समीर रिजवी (नाबाद 40) के बीच छठे विकेट के लिए 47 गेंदों में 65 रन की साझेदारी के दम पर दिल्ली कैपिटल्स ने खराब शुरुआत से उबरते हुए सात विकेट पर 155 रन बनाए। दिल्ली कैपिटल्स ने 69 रन पर पांच विकेट गंवा दिए थे, लेकिन स्टब्स और रिजवी की साझेदारी के बाद आशुतोष शर्मा की पांच गेंदों में दो छक्के जड़ित 14 रन की पारी से धीमी पिच पर प्रतिस्पर्धी स्कोर खड़ा किया।

अंक तालिका

	टीम	मैच	जीते	हारे	रद्द	अंक	नेट रन रेट
1.	पंजाब किंग्स	9	6	2	1	13	0.855
2.	रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु	9	6	3	0	12	1.420
3.	सनराइजर्स हैदराबाद	10	6	3	0	12	0.644
4.	राजस्थान रॉयल्स	10	6	4	0	12	0.510
5.	गुजरात टाइटंस	10	6	4	0	12	-0.147
6.	चेन्नई सुपर किंग्स	10	5	5	0	10	0.151
7.	दिल्ली कैपिटल्स	10	4	6	0	8	-0.949
8.	कोलकाता नाइट राइडर्स	9	3	5	1	7	-0.539
9.	मुंबई इंडियंस	9	3	7	0	6	-0.649
10.	लखनऊ सुपर जाएंट्स	9	2	7	0	4	-1.076

हैदराबाद के खिलाफ पंजाब किंग्स को मजबूत करनी होगी बल्लेबाजी

हैदराबाद, एजेंसी

पिछले दो मैचों में बल्लेबाजों की नाकामी के कारण हार का सामना करने वाली पंजाब किंग्स की टीम को अगर अपना अभियान वापस पटरी पर लाना है तो उसे बुधवार को यहां सनराइजर्स हैदराबाद के खिलाफ होने वाले इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) मैच में फिर से अपनी आक्रामक लय हासिल करनी होगी। लगातार छह मैच जीतने वाली पंजाब की टीम पिछले दो मैचों में लड़खड़ा गई है। इन मैचों में हार ने उसकी उन कमजोरियों को उजागर किया है जिन्हें वह जल्द से जल्द दूर करना चाहेगी।

पंजाब किंग्स भले ही नौ मैचों में 13 अंकों के साथ तालिका में शीर्ष पर बना हुआ है लेकिन अब गलतियों की गुंजाइश काफी कम हो गई है, क्योंकि रॉयल चैलेंजर्स बेंगलुरु (आरसीबी), सनराइजर्स हैदराबाद, राजस्थान रॉयल्स और गुजरात टाइटन्स सभी उससे केवल एक अंक पीछे हैं। बल्लेबाजों की नाकामी के कारण पंजाब किंग्स को पिछले कुछ मैच में हार का सामना करना पड़ा। इससे पहले के मैचों में उसके बल्लेबाजों ने अपने आक्रामक अंदाज का शानदार नमूना पेश किया था। बल्लेबाजों के अच्छे प्रदर्शन के कारण इन मैचों में उसकी गेंदबाजी की कमियों पर किसी का खास ध्यान नहीं गया। शुरुआती दौर में लय बनाने वाले शीर्ष क्रम के बल्लेबाज लड़खड़ा गए हैं।

टीमें इस प्रकार हैं

- **सनराइजर्स हैदराबाद :** पैट कमिंस (कप्तान), सलिल अरोड़ा (विकेटकीपर), ईशान किशन (विकेटकीपर), हेनरिक क्लासेन (विकेटकीपर), ट्रैविस हेड, रविचंद्रन अश्विन, अनिकेत वर्मा, अभिषेक शर्मा, हर्ष दुबे, क्रेन्स फुलेट्रा, लियाम लिविंगस्टोन, कामिंदु मेंडिस, नीतीश कुमार रेड्डी, हर्षल पटेल, शिवम मावी, शिवांग कुमार, अमित कुमार, गेराल्ड कोएत्जी, प्रफुल्ल हिंगे, साकिब हुसैन, दिलशान मदुशंका, ईशान मलिंगा, ओंकार तरनाले, जयदेव उनादकट, जीशान अंसारी।
- **पंजाब किंग्स :** श्रेयस अय्यर (कप्तान), प्रियांश आर्य, हरनूर सिंह, प्रभसिमरन सिंह, मिचेल ओवेन, नेहल वढेरा, अजमतुल्लाह उमरजई, मार्को यानसन, मुशीर खान, शशांक सिंह, मार्कस स्टोइनिस, सूर्यांश शेडगे, अर्शदीप सिंह, जेवियर बार्टलेट, युजवेंद्र चहल, लॉकी फर्ग्यूसन, हरप्रीत बराड़, विजयकुमार विशाक, यश ठाकुर, कूपर कोनोली, बेन द्वारशुइस, प्रवीण दुबे, विशाल निषाद, पाइला अविनाश, विष्णु विनोद।

सेना के निशानेबाज़ गंगा सिंह को 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन का खिताब

नई दिल्ली/भोपाल, एजेंसी

शूटिंग चैंपियनशिप

सेना के निशानेबाज़ गंगा सिंह ने भोपाल स्थित मध्य प्रदेश स्टेट शूटिंग अकादमी में चल रही 24वीं कुमार सुरेन्द्र सिंह मेमोरियल शूटिंग चैंपियनशिप में पुरुषों की 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन स्पर्धा में स्वर्ण पदक जीता। वहीं नई दिल्ली के डॉ. कर्णी सिंह शूटिंग रेंज में हरियाणा के कमलजीत व सुरभि ने 10 मीटर एयर पिस्टल सीनियर मिक्स्ड टीम आईएसएसएफ स्पर्धा में स्वर्ण पदक हासिल किया।

गंगा सिंह ने फाइनल में कुल 357.8 अंक हासिल कर शीर्ष स्थान प्राप्त किया। रेलवे के अर्जुन बाबूता ने 356.9 अंक के साथ रजत पदक जीता, जबकि उनके ही साथी स्वप्निल सुरेश कुसाले ने 343.7 अंक के साथ कांस्य पदक अपने नाम किया। सेना के सिद्धार्थ गौर 332.3 अंक के साथ चौथे स्थान पर रहे। क्वालिफिकेशन में पंजाब के हरजस सिंह ने 586-25x के स्कोर के साथ शीर्ष स्थान हासिल किया, जबकि महाराष्ट्र के रुद्रांक्ष बी. पाटिल 584-31x के साथ दूसरे स्थान पर रहे। अर्जुन बबूता ने 584-28x के साथ तीसरा स्थान प्राप्त किया, जबकि स्वप्निल कुसाले 583-31x के साथ चौथे स्थान पर रहे। 10 मीटर पिस्टल मिक्स्ड टीम स्पर्धा में हरियाणा की जोड़ी ने 576-17x के स्कोर के साथ क्वालिफिकेशन में शीर्ष स्थान हासिल किया और फाइनल में 476.6 अंक बनाकर स्वर्ण पदक जीता। कर्नाटक के ममिथ एन गौड़ा और दिव्या टी.एस. ने 472.5 अंक के साथ रजत पदक हासिल किया, जबकि ओएनजीसी के अमनप्रीत सिंह और श्वेता ने 409.3 अंक के साथ कांस्य पदक जीता। गुजरात की वैभवी और जिनेश चौथे स्थान पर रहे। जूनियर पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन में पश्चिम बंगाल के एड्रियन कर्माकर ने 360.2 अंक के साथ जूनियर पुरुष 50 मीटर राइफल 3 पोजिशन का खिताब जीता।

जापान से 0-3 से हारा भारत

सुझोऊ (चीन)। भारत को मंगलवार को यहां एएफसी अंडर-17 महिला एशियाई कप फुटबॉल टूर्नामेंट के अपने दूसरे ग्रुप मैच में जापान की मजबूत टीम के खिलाफ 0-3 से हार का सामना करना पड़ा। भारतीय टीम ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले हाफ में कोई गोल नहीं खाया, लेकिन दूसरे हाफ में जापान की टीम पूरी तरह हावी रही और तीन गोल करके जीत दर्ज करने में सफल रही। पहला हाफ गोल रहित रहने के बाद मैच का एक घंटा पूरा होने से ठीक पहले यूमी हयाशी (59वें मिनट) ने जापान को बढ़त दिला दी। फिर युजुहा इकेदा (76वें और 81वें मिनट में) ने दो गोल करके चार बार की चैंपियन टीम को ग्रुप बी में दूसरी जीत दिला दी।

भारत टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष पर बरकरार

दुबई, एजेंसी

तीन बार के विश्व कप विजेता भारत ने मंगलवार को आईसीसी टी20 अंतरराष्ट्रीय रैंकिंग में अपना शीर्ष स्थान बरकरार रखा जबकि इंग्लैंड और ऑस्ट्रेलिया क्रमशः दूसरे और तीसरे स्थान पर हैं। भारत मार्च में इतिहास रचते हुए टी20 विश्व कप का खिताब सफलतापूर्वक बचाव करने वाली पहली टीम बना था। साथ ही टीम ने रिकॉर्ड तीसरी बार यह खिताब जीता था। भारत ने श्रीलंका के साथ मिलकर इस टूर्नामेंट की मेजबानी की थी।

आईसीसी ने अपनी वेबसाइट पर कहा, ''नवीनतम रैंकिंग में मई 2025 के बाद खेले गए सभी मुकाबलों को शत प्रतिशत और उससे पिछले दो वर्षों के मुकाबलों को 50 प्रतिशत भार दिया गया है।'' आईसीसी ने कहा, ''275 अंक के साथ शीर्ष पर काबिज भारत की इंग्लैंड (262 अंक) पर बढ़त एक अंक कम हुई है जबकि ऑस्ट्रेलिया 258 अंक के साथ तीसरे स्थान पर इंग्लैंड के और करीब आ गया है।'' दो बार के विजेता इंग्लैंड के 262 जबकि एक बार के चैंपियन ऑस्ट्रेलिया के 258 अंक हैं। आईसीसी टी20 अंतर्राष्ट्रीय रैंकिंग में शीर्ष सात टीम की स्थिति में कोई बदलाव नहीं हुआ है। न्यूजीलैंड (247), दक्षिण अफ्रीका (244), पाकिस्तान (240) और वेस्टइंडीज (233) अपने-अपने स्थानों पर बरकरार हैं।

हालांकि श्रीलंका (221) को छह रेटिंग अंक का नुकसान हुआ है जिससे वह नौवें स्थान पर खिसक गया है। वहीं बांग्लादेश (225) एक स्थान ऊपर आठवें स्थान पर पहुंच गया है। अफगानिस्तान (220) 10वें स्थान पर है और श्रीलंका तथा उसके बीच का अंतर बहुत कम है। जिम्बाब्वे और आयरलैंड क्रमशः 11वें और 12वें स्थान पर हैं। आईसीसी ने कहा, ''उत्तरी अमेरिका में क्रिकेट की उभरती हुई शक्ति अमेरिका ने छह अंक हासिल करते हुए दो स्थान की छलांग लगाई है।

राय | क्रिकेट प्रेमियों और विशेषज्ञों ने यॉर्कर की उपयोगिता पर उठाए सवाल

तेज गेंदबाजों का ब्रह्मास्त्र 'यॉर्कर' टी-20 में नहीं कर पा रही कमाल

नई दिल्ली, एजेंसी

- यॉर्कर डालने के लिए रखनी पड़ती है लाइन और लेंथ में बहुत अधिक निरंतरता: मदनलाल

एक समय था जब टी-20 मैच के आखिरी ओवरों की एक जानी पहचानी कहानी होती थी। जैसे-जैसे बल्लेबाजी करने वाली टीम दबाव बढ़ाती और मैच का समीकरण मुश्किल होता जाता था तब कप्तान उन खास गेंदबाजों की तरफ देखते थे जो क्रिकेट के सबसे बड़े दबाव हटाने वाले हथियार 'यॉर्कर' को फेंकने में माहिर होते थे।

लेकिन आईपीएल के इस दौर में जब 220 से अधिक के स्कोर आसान हो गए हैं। बल्लेबाज पहले से सोचे-समझे रैंप शॉट और रिवर्स स्कूप के अलावा क्रीज पर कहीं भी खड़े होकर खेलने को तैयार रहते हैं, ऐसे में कभी बल्लेबाजों में खौफ पैदा करने वाली यॉर्कर आज अपनी सबसे बड़ी परीक्षा से गुजर रही है। ड्रेसिंग रूम और प्रशंसकों के बीच होने वाली चर्चाओं में अब यह सवाल बार-बार पूछा जा रहा है कि क्या इस लीग में बल्लेबाजी में आए बड़े बदलावों ने यॉर्कर को खत्म कर दिया है? क्या यॉर्कर अब एक ऐसी जोखिम वाली गेंद बन गई है जिससे गेंदबाज दूर ही रहना पसंद करते हैं? ऐसा बिल्कुल नहीं है। जानकारों का कहना है कि हम अभी यॉर्कर के खत्म होने की बात नहीं कह सकते। वह गेंद जिसने कभी लसिथ मलिंगा के दौर को पहचान दी थी और जिसे बुमराह ने और भी बेहतरीन बनाया था, आज भी जिंदा है। बस अब बल्लेबाजों के दबदबे वाले इस दौर में क्रिकेट के सबसे बड़े 'फिनिशिंग हथियार' बने रहने के लिए इस गेंद को फेंकने में और भी अधिक हिम्मत और सटीकता की जरूरत होती है। पूर्व भारतीय ऑलराउंडर मदनलाल ने कहा, ''भले ही यह खेल अब बल्लेबाजों का खेल बन गया है लेकिन फिर भी यॉर्कर इसका एक अहम हिस्सा बनी हुई है।'' भारत की 1983 विश्व कप विजेता टीम के सदस्य ने कहा, ''यॉर्कर डालने के लिए आपको अपनी लाइन और लेंथ में बहुत अधिक निरंतरता रखनी पड़ती है। आपको बल्ले के निचले हिस्से पर गेंद मारनी होती है। अगर गेंद थोड़ी भी ऊपर लग जाए तो वह छक्का बन जाती है। वाइड यॉर्कर के मामले में भी यही बात लागू होती है। आपकी लेंथ ही सबसे अधिक मायने रखती है।''

उन्होंने कहा, ''इसके लिए आपको लगातार अभ्यास करते रहना पड़ता है। यॉर्कर और धीमी गेंदें इस खेल का एक बहुत ही जरूरी हिस्सा बनी हुई हैं।'' अन्य विशेषज्ञ भी मदनलाल की बात से सहमत हैं। आम राय यह है कि आईपीएल ने यॉर्कर को खत्म तो नहीं किया है लेकिन इसकी कमजोरियों को उजागर कर दिया है। थोड़ी सी भी चूक होने पर मिलने वाली सजा को बढ़ा दिया है और इसके सही इस्तेमाल को क्रिकेट के सबसे दुर्लभ कौशल वाले कामों में से एक बना दिया है।

विशेषज्ञों का कहना है कि जो बदलाव आया है, वह यह है कि टी20 क्रिकेट ने यॉर्कर को डेथ ओवरों के एक आम विकल्प से बदलकर एक ऐसी खास कला बना दिया है जिसके लिए असाधारण सटीकता की जरूरत होती है। मुंबई इंडियन्स के लिए मलिंगा की पैर की अंगुलियों को कुचल देने वाली सटीक यॉर्कर से लेकर चेन्नई सुपरकिंग्स के लिए ड्वेन ब्रावो की धीमी यॉर्कर में विविधताएं, और जसप्रीत बुमराह की मशीन जैसी अचूक यॉर्कर, वर्षों तक आईपीएल में डेथ ओवरों की गेंदबाजी की पहचान यॉर्कर ही रही है।

भारतीय पुरुष टीम ने शीर्ष तीन में जगह बनाई

शंघाई, एजेंसी

विश्व कप तीरंदाजी

पूर्व विश्व चैंपियन ओजस देवताले ने भारतीय पुरुष कंपाउंड टीम का नेतृत्व करते हुए मंगलवार को यहां तीरंदाजी विश्व कप के दूसरे चरण के क्वालीफाइंग राउंड में व्यक्तिगत वर्ग में शीर्ष 10 में जगह पक्की की। बर्लिन में 2023 विश्व तीरंदाजी चैंपियनशिप जीतकर भारत के पहले पुरुष विश्व चैंपियन बने देवताले ने यहां क्वालीफाइंग में भारतीय खिलाड़ियों में सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन किया। उन्होंने 711 अंक हासिल करके कुल मिलाकर सातवां स्थान हासिल किया। इससे भारतीय टीम को भी फायदा हुआ और वह शीर्ष तीन में जगह बनाने में सफल रही।

साहिल जाधव ने भी 711 अंक बनाए लेकिन केंद्र पर सर्वाधिक निशाना लगाने के कारण देवताले उनसे आगे रहे। भारतीय टीम के एक अन्य खिलाड़ी कुशल दलाल ने कुल मिलाकर 18वें स्थान पर रहकर इस तिकड़ी को पूरा किया। इस तरह से भारत ने टीम स्पर्धा में तीसरा स्थान हासिल किया।

हालांकि एशियाई खेलों के पदक विजेता अभिषेक वर्मा का प्रदर्शन निराशाजनक रहा और वह 705 अंकों के साथ 25वें स्थान पर रहे, जिससे उन्हें टीम में जगह नहीं मिल पाई। लेकिन वह व्यक्तिगत एलिमिनेशन राउंड में हिस्सा लेंगे। महिलाओं के कंपाउंड वर्ग में पूर्व विश्व चैंपियन अदिति स्वामी 700 अंकों के साथ 13वें स्थान पर रहीं। वह क्वालीफाइंग में शीर्ष पर रहने वाली अमेरिका की एलेक्सिस रुइज़ से सात अंक पीछे रही।